ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

स्मार्ट मीटर टेंडर में 15,568 करोड़ रुपये का कदाचार: अेशथ नारायण @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 26 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-83

हुर्रियत कॉन्फ्रेंस और अलगाववाद से अलग हुए दो संगठन

बदल रहा जम्मू-कश्मीर, खत्म हो रहा अलगाववाद

श्रीनगर, 25 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के कुख्यात अलगाववादी संगठन ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से जुड़े दो प्रमुख संगठनों ने अलगाववाद की धारा से अलग होने की घोषणा की है। जम्मू कश्मीर के दो प्रमुख संगठनों का हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से अलग होना प्रदेश के बदलते हुए राजनीतिक-सामाजिक-प्रशासनिक माहौल का नतीजा माना जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसका श्रेय मोदी सरकार को देते हैं, जिन्होंने प्रदेश से अनुच्छेद 370 का कोढ़ हटा कर प्रदेश को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया। अमित शाह ने कहा, कश्मीर में अलगाववाद इतिहास बन चुका है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने की जीत है। जम्मू-कश्मीर के डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट और जेएंडके पीपुल्स मूवमेंट के अलगाववाद से संबंध तोड़ने के ऐलान पर अमित शाह ने कहा, मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में इस कदम का स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए खत्म कर दें।

कश्मीर में तेजी से हो रहे बदलाव के बीच एक और कट्टरपंथी अलगाववादी एडवोकेट मोहम्मद शफी रेशी ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट (डीपीएम) से नाता तोड़ने का ऐलान किया। उन्होंने भारत की संप्रभुता और अखंडता में आस्था जताते हुए कहा, मेरा किसी भी राजनीतिक दल विशेषकर किसी अलगाववादी संगठन से जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कश्मीर की आजादी या कश्मीर को भारत से अलग करने के समर्थक हैं, उनसे कोई सरोकार नहीं है। एडवोकेट रेशी कट्टरपंथी सैयद अली शाह गिलानी के नेतृत्व वाली हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के प्रमुख नेताओं में एक गिने जाते रहे हैं। वह डीपीएम के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। रेशी ने सोमवार को ऐलान किया, मेरा हुर्रियत कॉन्फ्रेंस या डीपीएम या किसी अन्य अलगाववादी संगठन से कोई नाता नहीं है। मैं डीपीएम से पहले इस्तीफा दे चुका हूं। मैं सात वर्ष से अलगाववादी गतिविधियों से दूर हूं, क्योंकि मैं हुर्रियत और इस जैसे अन्य दलों की असलियत समझ चुका हूं।

यह घटनाक्रम केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मीरवाइज उमर फारूक की अध्यक्षता वाली अवामी एक्शन कमेटी (एसीसी) और मसरूर अब्बास अंसारी की अध्यक्षता वाले जम्मू-कश्मीर इत्तेहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम-1967 के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंधित संगठन घोषित करने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

▶10 पर

यह पीएम मोदी के राष्ट्रीय एकता के सपने की जीत है : शाह

देश की एकता, संप्रभुता एवं अखंडता में मेरी आस्था है : रेशी

मोदी के महासागर-विजन के तहत नौसेना की बड़ी पहल

10 अफ्रीकी देशों के साथ होगा विशाल युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महासागर विजन के तहत बड़ी पहल करते हुए भारतीय नौसेना 10 अफ्रीकी देशों के साथ साझा नौसैनिक युद्धाभ्यास करने जा रही है। भारतीय नौसेना अप्रैल महीने में तंजानिया में 10 अफ्रीकी देशों के साथ विशाल समुद्री युद्धाभ्यास करेगी। इस अभ्यास का उद्देश्य आपसी रक्षा सहयोग बढ़ाना है। इसमें समुद्री डकैती रोधी अभ्यास, खोज-बचाव और हेलीकॉप्टर संचालन पर फोकस होगा।

नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल तरुण सोबती ने बताया कि भारतीय नौसेना और तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्स संयुक्त रूप से इस अभ्यास को आयोजित करेंगे, जिसका नाम अफ्रीका-इंडिया मैरीटाइम एंगेजमेंट (एआईकेईवाईएमई) है। यह अभ्यास तंजानिया के दार-एस-सलाम के तट पर होगा। इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। अभ्यास छह दिनों तक चलेगा। इसमें कोमोरोस, जिबूती, इरिट्रिया, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स और दक्षिण अफ्रीका समेत 10 अफ्रीकी देश हिस्सा लेंगे।

गौरतलब है कि यह कवायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक दक्षिण के साथ जुड़ाव के विजन महासागर (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ एक्रॉस रीजन) के अनुरूप है। पीएम ने हाल ही में मॉरिशस यात्रा के दौरान इस विजन की घोषणा की थी। वाइस एडमिरल सोबती ने कहा, बंदरगाह चरण में समुद्री डकैती और सूचना साझा करने पर टेबल-टॉप और कमांड-पोस्ट अभ्यास होंगे, साथ ही नाविक प्रशिक्षण भी होगा। समुद्री चरण में खोज और बचाव, जहाज पर सर्च और जब्ती, छोटे हथियारों से गोलीबारी और हेलीकॉप्टर संचालन शामिल होंगे। दूसरी तरफ, भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि आज की लड़ाई में जीत उन्हें मिलेगी जो बदलते हालात के अनुरूप खुद को ढालकर

▶10 पर

देश की सुरक्षा में पूरे देश का योगदान जरूरी : सीडीएस

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को दी स्पष्ट चेतावनी

जम्मू कश्मीर के कब्जे वाला इलाका खाली करो

न्यूयॉर्क, 25 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान से साफ-साफ कहा है कि वह जम्मू-कश्मीर के पाकिस्तानी कब्जे वाला क्षेत्र खाली कर दे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और राजदूत पी हरीश ने दो टूक लहजे में एक बार फिर स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के क्षेत्र पर अवैध रूप से कब्जा रखा है, जिसे उसे खाली करना ही होगा। हम पाकिस्तान को सलाह देते हैं कि वह अपने संकीर्ण और विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र जैसे मंच का ध्यान भटकाने की कोशिश न करे।

संयुक्त राष्ट्र में जम्मू-कश्मीर से जुड़ी पाकिस्तानी टिप्पणी को खारिज करते हुए राजदूत पी हरीश ने कहा, पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने एक बार फिर भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर पर अनुचित टिप्पणी की है। इस तरह बार-बार संदर्भ देने से उनके अवैध दावे मान्य नहीं हो सकते। न ही पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद को उचित ठहराया जा सकता है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान की टिप्पणी को खारिज करते हुए अवैध रूप से कब्जाए भूखंड के मामले में भी पड़ोसी देश को आईना दिखाया और अवैध कब्जे वाला क्षेत्र खाली करने की चेतावनी दी। भारत के प्रतिनिधि ने कहा कि भारत इस बात को नोट करने के लिए बाध्य हो गया है कि पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने एक बार फिर से भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर पर अनुचित टिप्पणी की है। साथ ही भारत ने पाकिस्तान को आईना दिखाया कि वो अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिए संयुक्त राष्ट्र जैसे मंच का इस्तेमाल करने के लिए प्लेटफॉर्म का ध्यान भटकाने की कोशिश न करे। हरीश ने कहा, पाकिस्तान जम्मू कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है, उसे इस क्षेत्र को तुरंत खाली करना चाहिए।

▶10 पर

पाकिस्तान को अवैध कब्जा खाली करना ही होगा : भारत

भाजपा को जल्दी ही मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

संघ की हरी झंडी का इंतजार, इसके बाद ही होगा ऐलान

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिनिधि सभा की बैठक और प्रधानमंत्री मोदी एवं जेपी नड्डा की मुलाकात के बाद संगठन चुनाव को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। संघ की बेंगलुरु में संपन्न हुई तीन दिवसीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के अगले ही दिन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रतिनिधि सभा की बैठक के तत्काल बाद दोनों नेताओं की इस मुलाकात को बेहद अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इस दौरान दोनों के बीच संगठन चुनाव पर बातचीत हुई। प्रतिनिधि सभा की बैठक में नड्डा ने संघ के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी।

भाजपा बीते कुछ महीने से राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में जुटी है। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यकाल को बीते करीब 13 महीने से लगातार विस्तार दिया जा रहा है।

▶10 पर

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

राहुल गांधी की नागरिकता स्पष्ट करें

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के मसले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से चार सप्ताह के भीतर जानकारी देने को कहा है। आरोप है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है और यह सवाल कई वर्षों से चर्चा में हैं। इसी मुद्दे पर एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। इस मामले में हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव-प्रथम की खंडपीठ ने यह आदेश कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विगनेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता मामले में सीबीआई जांच की मांग भी की थी। इससे पहले हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को राहुल गांधी की नागरिकता मामले में कार्रवाई का ब्यौरा पेश करने के लिए 24 मार्च तक का समय दिया था। पहले, कोर्ट ने केंद्र से पूछा था कि याचिकाकर्ता के प्रत्यावेदन पर क्या कार्रवाई की गई है। दूसरी तरफ, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सैनिकों पर विवादास्पद टिप्पणी करने के मामले में आरोपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की ओर से कोर्ट में उनके वकील ने वकालतनामा लगाया। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 अप्रैल की तारीख तय की है। सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक कर्नल उदय शंकर श्रीवास्तव की ओर से वकील ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। उन्होंने बताया था कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पदयात्रा के दौरान नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच हुई झड़प का जिक्र करते हुए कहा कि लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में क्या-क्या पूछेंगे, लेकिन चीनी सैनिकों द्वारा

▶10 पर

फिर बाहर आया बोफोर्स घोटाले का पिशाच

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 90,640/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,01,680/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0

न्यूनतम : 23^0

मुस्लिम वोट के लिए खतरनाक नीति पर काम कर रही कांग्रेस

मुस्लिम लीग के साथ बिहार चुनाव में उतरेगी कांग्रेस!

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी मुस्लिम मतों को अपने पाले में करने के लिए जी-तोड़ मशक्कत कर रही है। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने मुस्लिमों को आरक्षण देकर पूरे देश में मुसलमानों के बीच संदेश देने का प्रायोजन किया। कांग्रेस पार्टी द्वारा शासित दो बड़े राज्यों तेलंगाना और कर्नाटक में मुस्लिम तुष्टिकरण के ऐसे कई और फैसले लेने वाली है। कांग्रेस पार्टी इन सरकारी निर्णयों के साथ ही कुछ राजनीतिक निर्णय लेने पर भी विचार कर रही है। कांग्रेस पार्टी केरल और दक्षिण के राज्यों के अपने सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ दक्षिण के बाहर के राज्यों में भी तालमेल करने जा रही है। कांग्रेस पार्टी बिहार की राजनीति में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग का पहला प्रयोग कर सकती है, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। बिहार में 40 से अधिक विधानसभा की सीटें मुस्लिम बहुल हैं। ये सीटें मुख्यतः सीमांचल के इलाके में हैं। इस इलाके से बाहर भी कुछ मुस्लिम बहुल सीटें हैं। बिहार में इसी मुस्लिम बहुलता के कारण लालू यादव ने माय समीकरण बनाया था। इस समीकरण के आधार पर लालू यादव लंबे समय तक बिहार की राजनीति में सबसे मजबूत स्तंभ रहे। कांग्रेस पार्टी और लालू यादव की पार्टी का आपस में गठबंधन मुस्लिम मतों के लिए ही

▶10 पर

बिहार के मुस्लिमों को कट्टरवाद में धकेल कर लेंगे वोट

ईद पर 32 लाख परिवारों को भाजपा देगी सौगात-ए-मोदी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने सौगात ए मोदी अभियान की शुरुआत की। इसके तहत 32 लाख परिवारों को ईद के मौके पर विशेष किट वितरित की जाएगी। इस किट में खाद्य पदार्थ और कपड़े होंगे। मोर्चा के 32 हजार कार्यकर्ता 32 हजार मस्जिदों के जरिए जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचेंगे। भारतीय जनता पार्टी ने मुस्लिमों का राजनीतिक समर्थन जुटाने की पहल की है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि दिल्ली के निजामुद्दीन से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सौगात ए मोदी अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य गरीब मुस्लिम परिवारों को लाभान्वित करना है, ताकि वे बिना किसी परेशानी के ईद का त्यौहार मना सकें।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सीखना बंद तो जीतना बंद में विवेक बिंद्रा ने सिखाए 10 एक्स ग्रोथ के गुर

ऑडियो–वीडियो माध्यम से उद्यमियों को किया प्रेरित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के सेंट जोसेफ यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में रविवार को जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु नॉर्थ और साउथ चैप्टर्स द्वारा सीखना बंद तो जीतना बंद से 10एक्स ग्रोथ विद वर्क एंड लाइफ बैलेंस विषय पर विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के उच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। बेंगलूरु साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने जीतो की स्थापना और उसके विकास की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए संगठन की मजबूती पर जोर दिया। वहीं, बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने जीतो द्वारा समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बिजनेस गुरु एवं कोच डॉ. विवेक बिंद्रा ने ऑडियो–वीडियो माध्यम से उद्यमियों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि सही रणनीति, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की आदत व्यापार को नई ऊँचाइयों तक ले जाती है। उन्होंने व्यापार में सफलता के लिए व्यक्तित्व की स्वच्छता, विचारों में तालमेल, असंभव को संभव करने की आदत, सकारात्मक मानसिकता, यादगार ब्रांडिंग और ग्राहकों की परवाह पर जोर दिया। डॉ. बिंद्रा ने नेतृत्व और विकास के अनमोल मंत्र साझा करते हुए बताया कि हर पीढ़ी के साथ तालमेल बैठाना, स्वयं का मूल्य बढ़ाना, निरंतर सीखना, सही बिजनेस रणनीति अपनाना और असफलता से सीखना व्यापार और नेतृत्व में सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि सीखना निवेश है, खर्च नहीं और सीखना बंद तो जीतना बंद। कार्यक्रम में राजेश मेहता ने जैन व्यापारियों को एंटरप्रेन्योरशिप की ओर बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने व्यापार से एंटरप्रेन्योरशिप की ओर बढ़ने, सोच को बड़ा करने और समाज की उन्नति में योगदान देने का आग्रह किया। इस भव्य आयोजन में वैष्णोदेवी ग्रुप ऑफ कंपनीज मुख्य प्रायोजक रहा, जिसे जीतो की ओर से सम्मानित किया गया। साथ ही, बिजनेस गुरु एवं कोच डॉ. विवेक बिंद्रा का भी विशेष सम्मान किया गया। इस आयोजन ने व्यापारियों और उद्यमियों को नए विचारों और रणनीतियों से परिचित कराया और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। फाउंडेशन डे का शुभारंभ नवकार महामंत्र से हुआ, जिसके उपलक्ष्य में ध्वजारोहण हुआ एवं गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। साउथ चैप्टर चेयरमैन रणजीत सोलंकी एवं नॉर्थ चैप्टर चेयरमैन विमल कटारिया ने स्वागत एवं जीतो गतिविधियों को साझा किया। दोनों चैप्टर के महामंत्री नितिन लुनिया एवं विजय सिंघवी ने संयुक्त रूप से संचालन एवं धन्यवाद दिया। मुख्य प्रशिक्षक का परिचय कोमल भंडारी ने दिया। इस अवसर पर जीतो एपेक्स के कई गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें जेटीएफ चेयरमैन रमेश हरन, जीतो एपेक्स सचिव श्रीपाल बच्छावत, जीतो एपेक्स निदेशक मंडल के सदस्य भेरुलाल भंडारी, प्रवीण शाह, नरेंद्र सामर, केकेजी जोन के मुख्य सचिव दिलीप जैन, साउथ पूर्व चेयरमैन दिनेश बोहरा, सचिव दीपक श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष जीतो बेंगलूरु साउथ – महेंद्र जीनानी, महेंद्र रांका, मैटर राजकुमार जैन, उपाध्यक्ष जीतो बेंगलूरु नॉर्थ – दिनेश बाफना, कोषाध्यक्ष नरेंद्र आछा, संयोजक मदन जैन एवं विजय मेहता आदि शामिल थे।

खचाखच भरा रहा ऑडिटोरियम

ऑडिटोरियम खचाखच भरा रहा और सभी ने सेमिनार से बहुत कुछ सीखा। इस सेमिनार में विशेष रूप से युवाओं को आर्थिक सुदृढ़ता और सशक्त समाज में पहचान बढ़ाने के अनेकों मंत्र सिखाए गए। इस प्रोग्राम के कन्वीनर साउथ से विजय मेहता और नॉर्थ से मदन बी जैन थे। इसके पश्चात दूसरे चरण में बेंगलूरु के सभी संघ संस्थाओं से शीर्ष पदाधिकारी एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी आमंत्रित हुए और आगामी विश्व नवकार महामंत्र दिवस के बारे में गहन चर्चा हुई। सभी के विचार एवं सुझाव लिए गए और अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन का निवेदन दोनों चैप्टर के चेयरमैन द्वारा किया गया। नवकार दिवस के साउथ के कन्वीनर महेंद्र रांका एवं नॉर्थ के दिनेश खींवेसरा ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सांसद तेजस्वी सूर्या को जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद तेजस्वी सूर्या से मुलाकात कर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए आमंत्रित किया। इस वर्ष श्रमण भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित होगा।

संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने नव दंपति को विवाह की बधाई एवं आगामी वैवाहिक जीवन की मंगलकामना संप्रेषित करते हुए जन्मकल्याणक महोत्सव के लिए अतिथि के रूप में सांसद तेजस्वी सूर्या को आमंत्रित किया। तेजस्वी सूर्या ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए जैन समाज एवं संगठन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण कार्यों की सराहना के साथ ही जैन युवा संगठन के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व मे उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष सुरेश धोका, सेवा ट्रस्ट सहमंत्री रूपचंद कुमट, अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन मोती गोटावत, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खीवेंसरा, अनिल बंट, अर्चित पारेख उपस्थित रहे।

राजस्थानी प्रवासी महिलाओं ने दशा माता का व्रत रख की सुख समृद्धि की कामना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के मैसूरु रोड स्थित बैटरायनपुरा के एक मंदिर में प्रवासी राजस्थानी महिलाओं ने दस दिवसीय व्रत अनुष्ठान के 10वें दिन सोमवार को रीति रिवाज के साथ दशा माता व्रत कर परिवार के लिए सुख शांति एवं समृद्धि की कामना करते हुए दशा माता का पूजन किया।

प्रातः दशामाता, शीतला माता, सूर्य देव और गणेश भगवान की कथा श्रवण के बाद महिलाओं ने पीपल पूजन के बाद पीपल के चारों ओर कच्चे धागे के साथ परिक्रमा ली। पूजन के बाद महिलाएं पीपल की छाल तोड़कर घर लाती है। व्रत खोलने से पहले महिलाओं ने गले में पहने धागे को जल में विसर्जित किया। पूजा के आखरी दिन पिस्ता कुमावत, गीता कुमावत, रेखा जांगिड़, मुन्नी देवी कुमावत, रेखा राजपुरोहित, गणकी देवी कुमावत, आशा राजपुरोहित, गीता सीरवी, रामप्यारी प्रजापति, लक्ष्मी प्रजापति, ओमकंवर राजपुरोहित, मीना जैन, सरोजिनी जैन सहित कई महिलाओं ने मंदिर में पूजा अर्चना कर व्रत तोड़ा।

दशा माता की कथा का श्रवण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के बन्नूर कस्बा में सब्जी मार्केट स्थित गणेश मंदिर में राजस्थानी महिलाओं ने दशा माता की पूजा अर्चना की। महिलाओं ने पीपल के पेड़ की पूजा कर उस पर कच्चा सूत लपेटकर परिक्रमा की। उसके बाद दशा माता की कथा का श्रवण किया।

इस मौके पर संतोष कंवर, रेखा कंवर, कुंदन कंवर, मीनादेवी, अनीतादेवी, किरणदेवी, कंचनदेवी सहित बड़ी संख्या में राजस्थानी महिलाएं उपस्थित रही।

माता से परिवार व समाज की दशा सुधारने की कामना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बोम्मनहल्ली स्थित कावेरी नगर महिला मंडल की ओर से दशा माता का कीर्तन किया गया। भजनों के साथ दशा माता को भोग चढ़ाया गया।

महिलाओं ने दशा माता से परिवार व समाज की दशा सुधारने की कामना की। इस अवसर पर महिला मंडल की ममता कुमावत, कंचन देवी, सीता देवी, सोनी देवी, विमला देवी, इंदिरा देवी, पिस्ता कुमावत, कमला देवी, कंचन सीरवी, रेखा, लीला सीरवी, अनिता सीरवी, भीक्की देवी, ललिता सीरवी, मंजू देवी ने दशा माता की कथा भी सुनी।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** विजय कर्नाटक क्रिकेट क्लब द्वारा बसवेश्वर नगर स्थित अंबेडकर खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा गोविंदराज नगर प्रीमियर लीग 2025 सीजन 3 जीपीएस कप का आयोजन किया गया, जिसमें 20 से भी ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा खिलाड़ी निरंतर प्रयास से अपनी खेल प्रतिभा में और निखार लाएं। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

सप्तम प्रान्तीय अधिवेशन युवा संगम 2025 का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के सप्तम प्रान्तीय अधिवेशन युवा संगम 2025 का भव्य आयोजन शहर के सरजापुर रोड स्थित हरियाणा भवन में किया गया। प्रांतीय अधिवेशन का आतिथ्य मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा, बेंगलूरु स्टार्स शाखा, बेंगलूरु सेंट्रल शाखा एवं बेंगलूरु जागृति शाखा द्वारा किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ गणेश वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के आरम्भ में आतिथ्य शाखा के शाखा अध्यक्षों द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। साथ ही आतिथ्य शाखा सदस्यों द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों, सभी मंच सदस्यों का तिलक, पुष्प एवं कर्नाटक प्रांत के पट्टे से सम्मान किया गया। प्रांतीय महामंत्री मोहित शर्मा ने स्वागत करते हुए मंच संविधान अनुसार गणपूर्ति की घोषना की। तत्पश्चात प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल ने सभा आरम्भ की घोषणा करते हुए 13 सूत्री विषय सूचि को उपस्थित पदाधिकारियों के बीच वितरित किया। एक एक सूचि के साथ कार्यक्रम आगे की ओर बढ़ता चला गया। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय द्वारा की जा रही देश हीत कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई। तत्पश्चात उपस्थित सभी प्रांतीय उपाध्यक्षों, प्रांतीय संयोजकों ने शाखाओं द्वारा की जा रही कार्यों की रिपोर्ट और कार्ययोजना अध्यक्ष के सामने रखी। इन चर्चाओं में मुख्य रूप से युवा भवन का निर्माण, नारी शक्ति की प्रमुखता, कैंसर जांच को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाना, रक्त दान को बढ़ावा देना, नेत्र दान के लिए जागरूकता फैलाना, कृतम अंग का वितरण, एम्बुलेंस सेवा को बढ़ावा देना, अमृत धरा, आनंद सबके लिए आदि शामिल थे। तत्पश्चात प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल ने प्रांतीय अध्यक्ष प्रतिवेदन देते हुए मुख्य रूप से शाखाओं द्वारा की जा रही राष्ट्रीय और स्थानीय कार्यक्रमों का वर्णन किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रांतीय सभा, अध्यक्षीय पुरस्कार एवं रंगारंग कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कर्नाटक प्रान्त के सभी शाखा अध्यक्षों ने अपनी अपनी शाखाओं की रिपोर्ट एवं कार्ययोजना सदन के सामने रखी। प्रांतीय सभा सदस्यों द्वारा सहमति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस सत्र के दौरान दिल्ली में बन रही युवा भवन को जल्द से जल्द समाज को समर्पित करने के दिशा में भी सार्थक चर्चा हुई। साथ ही सभागार में उपस्थित अनेक सदस्यों ने युवा भवन के ट्रस्टी बनने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेंगलूरु शहर के समाज सेवी सुरेंद्र गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी सुशीला गोयल उपस्थित रही। साथ ही विशिष्ठ अतिथि के रूप में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुख्यालय विकाश अग्रवाल जो कि नोएडा से पधारे, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (क्षेत्र 5) साकेत रिटोलिया, राष्ट्रीय युवा भवन के संयुक्त सचिव विकाश पोद्दार का सानिध्य प्राप्त हुआ। सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात अध्यक्षीय पुरस्कार सत्र 2023–25 के दौरान अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं स्थानीय कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु कर्नाटक प्रांत के सभी शाखाओं को विभिन्न वर्गों में विशेष प्रांतीय वार्षिक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

शपथ पाठ करवाया

निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष सह चुनाव अधिकारी सुशील कुमार बंसल ने सत्र 2025– 27 के मंच संविधान अनुसार चुनाव प्रक्रिया को पूरा करवाया। उन्होंने प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में मोहित शर्मा का नाम घोषित किया तो वहीं प्रांतीय उपाध्यक्ष मंडल (क) जय प्रकाश अग्रवाल, मंडल (ख) गोपाल उपाध्याय एवं मंडल (ग) के लिए मधुसूदन भट्टड़ के नाम की घोषणा की। तत्पश्चात सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सभी समाज बंधुओं, अतिथियों, मंच सदस्यों के समक्ष शपथ पाठ करवाया गया। इसी श्रृंखला में आगामी 5–6 अप्रैल 2025 को बेलगावी शहर में होने वाली मारवाड़ी प्रीमियर लीग क्रिकेट के महाकुंभ के टी शर्ट विमोचन का कार्य भी संपन्न हुआ। इस पूरे आयोजन के दौरान मंच के वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन एवं स्नेह प्राप्त हुआ। मुख्य रूप से पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष संजय जाजोदिया, समाज सेवी प्रभात किशनपुरिया, बिमल सरावगी, बिपिन टिबड़ेवाल, रमाकांत सराफ, सचिन पांडिया, अजय हेडा, पंकज जालान, बृजेश अग्रवाल, रीना मित्तल, मनीष मानसरिया, मनोज पोद्दार, अंकित मोदी, रोहित केडिया आदि सभागार में उपस्थित रहे।

उपसर्गों को सहकर परमात्मा ने साधना के उच्च शिखर को छुआ: जयधुरंधर मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजाजीनगर स्थानक में विराजित जयगच्छाधिपति बारहवें पट्टधर आचार्य प्रवर पार्श्वचन्द्र महाराज, अणुप्पेहा ध्यान प्रणेता डॉ. पदमचंद्र के पावन सानिध्य में जयधुरंधर मुनि ने अपने उद्बोधन में कहा कि परमात्मा प्रभु महावीर ने अपने जीवन में अनेक परिश्रहों, उपसर्गों एवं कष्टों को समभाव से सहन कर साधना के उच्च एवं श्रेष्ठ शिखर को प्राप्त किया। प्रभु महावीर ने 12 वर्ष की साधना काल के दौरान भयंकर एवं कठोर उपसर्गों को सहा। उनकी उत्कृष्ट साधना सहनशीलता ने उन्हें महावीर बनाया। प्रभु महावीर के सिद्धांतों को जीवन में ग्रहण करके ही आत्मा से परमात्मा पद को पाया जा सकता है। जयकलशमुनि ने कहा कि परमात्मा की अनमोल वाणी हमें बत्तीस आगमों के रूप में प्राप्त हुई है। आगम के एक एक सूत्र पर भी अगर यह जीव चिंतन मनन करेगा तो कल्याण हो सकता है। जब तक आगम है तब तक जिनशासन है। जैन धर्म जैन दर्शन की आधारशिला आगम है। आगम के ग्रंथों के सार को हमें समझना होगा। आगम हमें शांति का मार्ग दिखलाता है। आगम की एक एक गाथा अपने आप में एक रहस्य लिए होती है। यही आगम की विशेषता है। परमात्मा ने हमें आगम के माध्यम से सुखी होने के तीन उपाय बताए है। पहला उपाय है सुकोमलता का त्याग करना। यानि शरीर को मजबूत और कठोर बनाते हुए हर परिश्रहों को सहन करने की क्षमता प्राप्त करना। जहाँ सुविधा अधिक होगी वहाँ दुख भी अधिक होगा।

दूसरा सूत्र है इच्छाओं कामनाओं को सीमित करना। सुख इच्छाओं की पूर्ति में नहीं इच्छाओं की समाप्ति में है। एक इच्छा दूसरी इच्छा को उत्पन्न करेगी। सुख की प्राप्ति इच्छा की समाप्ति में है। तीसरा सूत्र है सुखी होना है तो राग और द्वेष का अंत करना। राग जितना कम होगा दुख भी उतना ही कम होगा। इसके पूर्व महासती शशिप्रभा की सुशिष्या इंदुप्रभा ने कहा कि आगम में वर्णन आता है कि मनुष्य का यह जन्म दुर्लभ है। हमारा यह जीवन अनमोल हीरे के समान है। परमात्मा की पवित्र वाणी हर जीव को तारती है। असली हीरा वे ही है जो पंच परमेष्ठी के पद को प्राप्त करते है। इस अवसर पर बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों से गणमान्य उपस्थित रहे। आचार्य प्रवर के सानिध्य में नवपद ओली तप आराधना का नौ दिवसीय आयोजन महावीर धर्मशाला में सेंट्रल श्रीसंघ के तत्वावधान में आगामी 4 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित होगा। 18 अप्रैल से 27 अप्रैल तक दस दिवसीय ज्ञान ध्यान संस्कार शिविर का आयोजन पार्श्वलब्धि धाम में आयोजित होगा। अध्यक्ष प्रकाशचंद ने स्वागत किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

मित्रता का नाश करती है माया: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्यश्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सयंमलताजी के सान्निध्य में माया बनाम माया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के मंगलोच्चार से हुई । साध्वी सयंमलताजी ने माया सम्पन्न श्रवकों को संबोधित करते हुए कहा माया मित्रता को नाश करने वाली होती है। माया की चमक मानव को भ्रमित करने वाली है। समाज में होड़ाहोड़ी चल रही है व्यक्ति एक दूसरे को हीन दिखाकर आडंबर में उलझे हुए है। आज व्यक्ति अपनी हर श्वास पैसे में लगा रहा है पर एक पैसा भी उस श्वास में नहीं लगता है अतः व्यक्ति पैसे तो कमाए पर माया से अशुभ कर्मों का बंधन करने से बचे। एक छोटी सी माया हमारे अनेक भवों को बिगाड़ देती हैं । साध्वी जी ने अनेक घटनाओं के माध्यम से माया को दुष्परिणाम बताते हुए माया को पतला करने का प्रयास करना चाहिए प्रेरणा दी। साध्वीवृंद ने गीतिका के माध्यम से माया की व्याख्या की। साध्वी रौनकप्रभाजी ने दोनों माया के अर्थ को बताते हुए मल्लिनाथ के जीवन में हुई माया के परिणाम को बताया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी एवं सभा परिवार, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया एवं तेयुप परिवार, महिला मंडल अध्यक्ष उषा चौधरी एवं महिला मंडल परिवार एवं श्रवक समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

यह दिनदहाड़े डकैती है

स्मार्ट मीटर टेंडर में 15,568 करोड़ रुपये का कदाचार: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने आरोप लगाया है कि बेस्कॉम और अन्य एस्कॉम के स्मार्ट मीटर टेंडर में करीब 15,568 करोड़ रुपये की भारी धोखाधड़ी हुई है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने शिकायत की कि इस घोटाले का पैमाना अभी भी बहुत बड़ा है। एस्कॉम्स को केईआरसी विनियमों का पालन करना होगा। उन्होंने बताया कि केईआरसी के नियमों में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि स्मार्ट मीटर अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर केवल अस्थायी कनेक्शनों के लिए अनिवार्य किया जा सकता है, स्थायी ग्राहकों या नए ग्राहकों के लिए नहीं। उन्होंने एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन भी दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के नियमों के अनुसार भी स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं है। निविदा में केटीपीपी अधिनियम के अंतर्गत बोली क्षमता का उल्लेख नहीं किया गया था। इसे 6,800 करोड़ रुपये होना चाहिए था। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि पहला घोटाला बोली लगाने की क्षमता की कमी थी। केटीपीपी अधिनियम के अनुसार, कारोबार 1,920 करोड़ रुपये होना चाहिए था। टेंडर में केवल 107 करोड़

रुपये बताए गए थे। उन्होंने शिकायत की कि उन्होंने बीसीआईटीएस पर विचार किया, जो उत्तर प्रदेश में काली सूची में है, जबकि उन्हें बताया गया था कि उन्हें काली सूची में डाली गई कंपनी को दान देने की अनुमति नहीं है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 571 करोड़ बताई गई थी, लेकिन बाद में इसमें संशोधन किया गया। उन्होंने निविदा की कुल राशि का खुलासा किए बिना ही निविदा आमंत्रित किए जाने की आलोचना की। कोई केटीपीपी अधिनियम भी नहीं है। यहां तक कि केंद्र सरकार के नियमों का भी क्रियान्वयन नहीं किया गया है। उन्होंने ऐसे व्यक्ति पर विचार किया जो स्मार्ट मीटर का निर्माण या स्थापना नहीं करता, बल्कि डिजिटल मीटर स्थापित करता है। उन्होंने पूछा कि राजश्री बोली-पूर्व बैठक में क्यों उपस्थित नहीं थी। अधिकतम स्मार्ट मीटर मैसूरु में निर्मित किये जायेंगे। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि केवल फोन निर्माताओं का चयन किया गया, योग्य लोगों को छोड़ दिया गया। केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार, एक लाख स्मार्ट मीटर लगाने का अनुभव होना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने 10 लाख साधारण मीटर लगाने का मानक तय कर दिया है, जिनका उत्पादन भी नहीं होता। सबसे पहले, परिवहन के दौरान होने वाले नुकसान को समझने के लिए इसे ट्रांसफार्मरों और फीडरों पर लागू करना आवश्यक था। इसके बाद इसे राज्य के ग्राहकों के लिए लागू किया जाना था। उन्होंने कहा कि केंद्र की आरडीएसएस के तहत उपलब्ध 3,000 करोड़ रुपये का उपयोग नहीं किया गया है।

कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और केरल में कम लागत पर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि इसी प्रकार का घोटाला बिहार में भी हुआ था और एक आईएएस अधिकारी तथा मंत्री को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर, सॉफ्टवेयर, आउटलेट और कर्मचारियों के वेतन को व्यय के रूप में दिखाया गया है। उन्होंने सभी स्तरों पर केटीपीपी अधिनियम का उल्लंघन किया है। उन्होंने उन पर अहंकार और दुस्साहस के कारण ऐसा करने का आरोप लगाया। यह दिनदहाड़े डकैती है। सरकार को इसका जवाब देना होगा। वे स्मार्ट मीटर को अनिवार्य बनाने के लिए कोई कानून बनाए बिना ही इसे अनिवार्य बना रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि यह उन लोगों को दिया गया जो काली सूची में थे। ऊर्जा क्षेत्र बहुत तीव्र गति से, 30 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 50 प्रतिशत से अधिक कारोबार, खपत और उपयोग इसी विभाग के अधीन होगा। इलेक्ट्रिक वाहन भी आ गये हैं। उन्होंने कहा कि कपड़े धोना, खाना बनाना, गर्म पानी, मिक्सर - सब कुछ बिजली की खपत पर आधारित है।

स्मार्ट मीटर मुद्दे में कुछ भी गलत नहीं

विभाग के प्रधान सचिव और केपीटीसीएल के प्रबंध निदेशक गौरव गुप्ता, पंकज पांडे और बेस्कॉम के एमडी. शिवशंकर ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कहा था कि स्मार्ट मीटर मुद्दे में कुछ भी गलत नहीं है। अश्वथ नारायण ने कहा कि वे स्मार्ट मीटर और उसके सॉफ्टवेयर में भ्रष्टाचार के संबंध में दस्तावेज उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सदन में भी उठाया गया है। विधायक एस.आर. विश्वनाथ ने भी सदन में इस बारे में बात की थी। लेकिन इस पर स्पष्ट जवाब न देने के लिए मंत्री की आलोचना की गई। इस मौके पर विधायक एस.आर. विश्वनाथ, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश और बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा मौजूद थे।

हनी ट्रैप प्रयास का आरोप

मंत्री राजन्ना ने अभी तक शिकायत दर्ज नहीं कराई है: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने उन्हें और अन्य राजनेताओं को हनी ट्रैप करने के कथित प्रयास के बारे में अभी तक शिकायत दर्ज नहीं कराई है, ताकि मामले की जांच की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राज्य में विपक्षी नेताओं सहित राजनीतिक नेताओं के फोन टैप करने के संबंध में कोई विशेष शिकायत है, तो इसकी जांच की जाएगी। हनी ट्रैप प्रयास के आरोपों के बारे में परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा शिकायत दी जानी चाहिए। इसकी प्राप्ति के बाद जांच की जाएगी। चाहे आप कितनी भी बार पूछें, मेरा यही जवाब होगा। कथित हनी ट्रैप की घटना की जांच के निर्देश देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा देखते हैं कि फैसला क्या होता है। जब गृह मंत्री से पूछा गया कि विधानसभा में मामला उठाए जाने के छह दिन बाद भी मंत्री राजन्ना ने कथित हनी ट्रैप मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है, तो उन्होंने कहा आपको उनसे (राजन्ना से) पूछना चाहिए, आप मुझसे पूछ रहे हैं। क्या मैं उनसे शिकायत दर्ज करवा सकता हूं? उन्हें जब भी ठीक लगे, शिकायत दर्ज करानी होगी, उसके बाद विभाग का काम शुरू हो जाएगा। हनी ट्रैपिंग में अपनी ही पार्टी के नेताओं की कथित संलिप्तता की अटकलों के बीच

क्या राजन्ना या उन पर कोई दबाव था, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मुझे नहीं पता, उनसे पूछिए। मामले के संबंध में मुझ पर कोई दबाव नहीं है। शिकायत दिए जाने के बाद जांच शुरू होगी। मैंने पहले ही उच्च स्तरीय जांच की घोषणा कर दी है। जांच की प्रकृति और स्तर पर मुख्यमंत्री फैसला करेंगे, लेकिन कार्रवाई के लिए कारण की जरूरत है, इसलिए शिकायत आनी ही चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैंने देखा है कि विपक्ष के नेता आर अशोक ने फोन टैपिंग के बारे में बात की है, मुझे ऐसी कोई बात नहीं मिली है। अगर कोई विशेष शिकायत करता है, तो हम उसे लेंगे और उसकी पुष्टि की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या डिनर मीटिंग में शामिल कुछ मंत्रियों की जासूसी करने की कोई कोशिश की गई थी, परमेश्वर ने कहा कि खुफिया विभाग मुख्यमंत्री के पास है और उन्होंने ऐसी चीजों के बारे में नहीं सुना है या ऐसा कोई संदेह नहीं है।

उन अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कि ''बाहरी खुफिया'' उनके सहित डिनर मीटिंग में शामिल मंत्रियों की जासूसी कर रही थी, उन्होंने कहा, कोई भी निगरानी करे, कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा हम छिपकर ऐसी बैठकें नहीं कर रहे हैं। हमने आंतरिक आरक्षण (एससी के बीच) पर चर्चा करने के लिए मंत्री महादेवप्पा के घर पर मुलाकात की थी। हमने इस मामले पर मुख्यमंत्री से मुलाकात की। सीएम के साथ बैठक की तैयारी के तहत, हम सभी पहले (महादेवप्पा के आवास पर) मिले थे। यह पूछे जाने पर कि क्या कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी मामले के संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता द्वारा कोई जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, गृह मंत्री ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है और उन्हें यकीन नहीं है कि मुख्यमंत्री को कोई अंतरिम रिपोर्ट सौंपी गई है या नहीं। उन्होंने कहा हम जांच के संबंध में उनसे (गुप्ता) दिन-प्रतिदिन चर्चा नहीं करते हैं, उन्हें एक सप्ताह का समय दिया गया था, वह रिपोर्ट दे सकते हैं। एक बार रिपोर्ट मिलने के बाद, हमें पता चल जाएगा। कर्नाटक सरकार ने डीजीपी रैंक के पुलिस अधिकारी रामचंद्र राव की भूमिका की जांच करने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता को नियुक्त किया है, यदि उनकी सौतेली बेटी रान्या राव की कथित सोने की तस्करी गतिविधि में कोई भूमिका है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिवकुमार की तस्वीर वाले पोस्टर पर अंडे फेंके

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की तस्वीर वाले पोस्टर पर अंडे फेंककर अपना गुस्सा जाहिर किया और उन पर संविधान बदलने संबंधी बयान देने का आरोप लगाया।

आजाद पार्क सर्किल पर मंगलवार को भाजपा नगर इकाई द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने डी के शिवकुमार, जो कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं, का पुतला जलाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने हस्तक्षेप किया। इसके कारण प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कहासुनी हो गई। इस बीच, कुछ लोग बेलूर रोड की ओर गए और अन्ना भाग्य योजना के पोस्टर पर अंडे फेंके, जिस पर डी के शिवकुमार की तस्वीर थी। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन एक कार्यकर्ता दूर से अंडा फेंकने में कामयाब रहा। बाद में पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया।

हनीट्रैप मामले ने कैबिनेट मंत्रियों की नैतिकता पर सवाल खड़े कर दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनीट्रैप मामले ने कैबिनेट मंत्रियों की नैतिकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे राज्य सरकार की छवि लगातार खराब हो रही है। के.एन. राजन्ना का यह बयान कि 48 लोग हनीट्रैप में फंसे हैं, राष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा रहा है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। मामला इतना गंभीर हो गया है कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मामले पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के घर पहुंचे।

सूत्रों के अनुसार, सत्ता-साझेदारी फार्मूला नवंबर तक लागू होने की उम्मीद है। यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है कि दिल्ली में हुए समझौते का पालन करना पड़े तो सिद्धरामैया को सत्ता छोड़नी पड़ेगी। इस पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल डी.के. शिवकुमार को सार्वजनिक रूप से नकारात्मक रूप में चित्रित करने के प्रयासों पर आक्रोश है।

हनीट्रैप मामले ने कांग्रेस के भीतर स्पष्ट रूप से दो गुट पैदा कर दिए हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि अपनी ही पार्टी के सदस्यों को हनीट्रैप में फंसाने और ब्लैकमेल करने का प्रयास किया गया है। मुनिरत्ना के खिलाफ पहले भी भाजपा में इसी तरह के आरोप लगाए गए थे। आरोप हैं कि भाजपा नेताओं के खिलाफ हनीट्रैप के प्रयास और एचआईवी संक्रमित लोगों का उपयोग करके जैविक युद्ध-शैली की कार्रवाई की गई। इस पृष्ठभूमि में, सत्ताधारी और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। कांग्रेस में संदेह, आक्रोश और गुस्सा चरम स्तर पर पहुंच गया है। सिद्धरामैया गुट के मंत्रियों ने अलग बैठक की और उपमुख्यमंत्री पदों के लिए अलग अभियान चलाया। इसके जवाब में, कांग्रेस में सत्ता-साझेदारी के फार्मूले पर चर्चा हुई। जब आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए तो आलाकमान ने हस्तक्षेप कर स्थिति स्पष्ट की। वर्तमान घटनाक्रम में, के.एन. राजन्ना ने के.पी.सी.सी. अध्यक्ष के रूप में डी.के. शिवकुमार को हटाने की पैरवी की थी। सतीश जारकीहोली समेत कई लोगों ने इसका समर्थन किया। लेकिन आलाकमान ने उनकी बात नहीं सुनी। अब कुछ समय बाद हनीट्रैप मामले ने डीके शिवकुमार को दुविधा में डाल दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोप हैं कि हनीट्रैप मामले का इस्तेमाल सत्ता-साझेदारी के फार्मूले के प्रस्ताव के संबंध में नैतिक प्रश्न उठाने के लिए किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने दिल्ली जाकर एआईसीसी महासचिव को हनीट्रैप मामले के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि एक पक्ष दूसरे की टांग खिंचाई कर रहा है और यहां तक कि आलाकमान के नेता भी असहाय स्थिति में पहुंच गए हैं। वे अपने पूरे अस्तित्व में संघर्षों का सहारा लेते रहे हैं, और उनकी कोई नहीं सुनता। 135 सीटें जीतने और लोगों को स्पष्ट बहुमत के साथ शासन करने देने के बावजूद, अंदरूनी कलह ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि पार्टी को जनता संदेह की दृष्टि से देखती है।

16 इंस्पेक्टर और 15 डीएसपी का तबादला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य पुलिस विभाग में 16 निरीक्षकों (सीएल) और 15 उप पुलिस अधीक्षकों (सिविल) को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर दिया गया है।

लक्ष्मीकांत को मैसूरु के हेब्बल पुलिस स्टेशन, दिनेश कुमार को तुमकुरु से कोडागु के कुशलनगर सर्कल, मोहन रेड्डी को कर्नाटक लोकायुक्त से हासन अलूर पुलिस स्टेशन, चिक्काराजशेट्टी को चामराजनगर ग्रामीण से रामापुर पुलिस स्टेशन स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा सतीश-चिक्कमगलूरु बसावनहल्ली सर्कल से महिला पुलिस स्टेशन, शेषाद्रि-चामराजनगर जिला महिला पुलिस स्टेशन से ग्रामीण पुलिस स्टेशन, श्रीकांत-मांड्या डीसीआरबी, लक्ष्य, रामचंद्रप्पा, सतीश, प्रकाश, बी.जे. सतीश, कुमार, संतोष एम. पाटिल, संजीव रायप्पा और मंजूनाथ को कर्नाटक लोकायुक्त में स्थानांतरित किया गया है। शांताविरा-रायचूर उपविभाग, रविनाथ डी. हरिजन को सीआईडी, सुरेश को सिरगुप्पा सब-डिवीजन, बल्लारी ग्रामीण, नवीन कुलकर्णी को टीटीआई, बेंगलूरु शहर, श्रीनिवास रेड्डी को मुख्यालय, मडप्पा को सीआईडी, लक्ष्मीनारायण को मुख्यालय और बसवराज को आंतरिक सुरक्षा प्रभाग में पदोन्नत किया गया है। सुधाकर, रविकुमार-बेंगलूरु नगर सीटीएसबी, परशुरामप्पा, गजेंद्र प्रसाद-वी-वीआईपी सुरक्षा, शरणप्पा-टीटीआई को राज्य खुफिया और वेंकटेश को बल्लारी जिले के सिरगुप्पा उप-मंडल से सीआईडी में स्थानांतरित किया गया है।

व्यक्ति की हत्या के आरोप में पत्नी और सास गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सोलादेवनहल्ली पुलिस ने सोमवार को 19 वर्षीय एक लड़की को गिरफ्तार किया, जिसने अपनी मां की मदद से शनिवार को बीजीएस लेआउट में घरेलू विवाद के चलते अपने पति की हत्या कर दी थी।

पुलिस को शनिवार को निर्माणाधीन साइट के पास रियल एस्टेट एजेंट 37 वर्षीय लोकनाथ सिंह का शव मिला, जिसकी गर्दन पर चाकू से वार किया गया था। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच करते समय पुलिस ने दो महिलाओं को घटनास्थल से भागते हुए देखा।

पुलिस ने सुराग का पीछा किया और यशस्विनी को गिरफ्तार कर लिया, जो मृतक की पत्नी निकली।

दूसरी आरोपी यशस्विनी की मां 37 वर्षीय हेमा बाई है। पूछताछ में पता चला कि लोकनाथ ने कुछ महीने पहले यशस्विनी से शादी की थी। यह एक गुप्त विवाह था, क्योंकि लोकनाथ के माता-पिता इसके खिलाफ थे। पुलिस ने बताया कि हाल ही में यशस्विनी को पता चला कि लोकनाथ के कई संबंध हैं, जिसके बाद उसने उसे मारने का फैसला किया और अपनी मां की मदद ली। पुलिस ने बताया कि योजना के अनुसार, आरोपियों ने लोकनाथ को खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर दिया और चाकू से उसका गला रेत दिया।

हत्या के पीछे कोई और वजह तो नहीं है, यह पता लगाने के लिए दोनों को हिरासत में लिया गया है।

कर्नाटक में फर्जी मार्क्स कार्ड रैकेट का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक गुप्त सूचना के बाद, केंद्रीय अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा ने फर्जी एसएसएलसी और पीयूसी मार्क्स कार्ड रैकेट का भंडाफोड़ किया। उन्होंने फर्जी मार्क्स कार्ड बेचने के लिए कर्नाटक के तीन जिलों में सक्रिय तीन लोगों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया। आरोपी धारवाड़ के 41 वर्षीय प्रशांत गुडुमी, बेंगलूरु के बनशंकरी के 36 वर्षीय मौनीश के.जे. और गदग के 41 वर्षीय राजशेखर एच. हैं। प्रत्येक मार्क्स कार्ड के लिए 5,000 से 20,000 के बीच चार्ज कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 'कर्नाटक स्टेट मिडिल एंड

हायर एजुकेशनल बोर्ड' नाम से एक शिक्षा अकादमी पंजीकृत की थी। भले ही कंपनी के पास राज्य शिक्षा बोर्ड से कोई मंजूरी नहीं थी, लेकिन आरोपियों ने दावा किया कि उनकी शिक्षा प्रणाली राज्य शिक्षा प्रणाली के बराबर है। प्रशांत और मौनीश एमबीए स्नातक हैं और राजशेखर ने बीए पूरा किया है।

पुलिस ने बताया कि वे धारवाड़, बेलगावी, गदग और बेंगलूरु से मार्क्स कार्ड बेचकर अपना रैकेट चला रहे थे। पुलिस को संदेह है कि आरोपियों ने 350 से ज्यादा नकली मार्क्स कार्ड छापे और वितरित किए थे, जिनका इस्तेमाल करके उनके कुछ ग्राहकों ने राज्य के परिवहन और बाल कल्याण विभागों में नौकरी भी हासिल की। पुलिस ने बताया कि अन्य लोगों ने निजी कंपनियों में नौकरी पाई, पासपोर्ट और अन्य सरकारी पहचान पत्र हासिल किए। नौकरी चयन प्रक्रिया के दौरान मार्क्स कार्ड की सत्यता की जांच करने के लिए आरोपी विभिन्न सरकारी विभागों से आने वाले सत्यापन कॉल का जवाब देते थे। यह रैकेट तब सामने आया जब पैलेस गुट्टहल्ली के एक व्यवसायी मिर्जा इनामुल्ला ने अपने भतीजे के लिए दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम के बारे में पूछताछ करने के लिए बनशंकरी में अपने कार्यालय में मौनीश से संपर्क किया। मौनीश ने उन्हें बिना किसी कक्षा या परीक्षा में शामिल हुए, कुछ पैसे देकर मार्क्स कार्ड देने की पेशकश की और यहां तक कि एसएसएलसी और पीयू प्रमाणपत्र की व्यवस्था करने की भी पेशकश की।

इनामुल्लाह ने पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसने अकादमी पर छापा मारा और पाया कि मौनीश अपने कार्यालय में अंक पत्र छाप रहा था और उन्हें राज्य के विभिन्न भागों में कार्यरत अपने सहयोगियों को वितरित कर रहा था।

संविधान का विरोध करना कांग्रेस के डीएनए में है: सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर और देश के संविधान का विरोध करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में ही संविधान विरोधी मानसिकता है। डॉ. अम्बेडकर ने इसका विरोध किया था। नेहरू ने भी यही नियम लागू किया। संविधान में डॉ. अम्बेडकर द्वारा प्रस्तावित समान नागरिक संहिता आज तक लागू नहीं की गई है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यदि भाजपा इसे लागू करने का प्रस्ताव रखती है तो वे इसका विरोध करेंगे। डी.के. शिवकुमार की टिप्पणी कांग्रेस के डीएनए का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार में

उन्होंने संविधान बदलने की बात कही थी। उन्होंने चुनौती दी कि हम कांग्रेस को हटाकर संविधान बचाएंगे। धर्म के आधार पर 4 प्रतिशत आरक्षण संविधान के विरुद्ध है। यह स्पष्ट था कि उनका रुख क्या था, जब उनके मंत्रिमंडल ने उनके रुख को मंजूरी दी, जब उन्होंने इसका समर्थन किया क्योंकि कांग्रेस के पास बहुमत था। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि उनका रुख संविधान में बदलाव के बाद भी धर्म आधारित आरक्षण देने का है। राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे। फिर शबानो मामला आया। सुप्रीम कोर्ट ने शबानो को गुजारा भत्ता देने का फैसला सुनाया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान में संशोधन करके संविधान की मंशा के विरुद्ध काम किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाषण में यह नहीं कहा कि वे इस देश की संपत्ति गरीबों में बांट देंगे। इसके बजाय वे इस देश की संपत्ति मुसलमानों में बांट देंगे। अब, यह जानते हुए भी कि संविधान जाति-आधारित आरक्षण को मंजूरी नहीं देता है, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जिन्हें संविधान के बारे में बहुत जानकारी है, वोट बैंक की राजनीति के लिए जाति-आधारित आरक्षण लाए हैं, जो संविधान के खिलाफ है। अगर अन्य पार्टियों ने भी वही कहा होता जो डी.के. शिवकुमार ने कहा, तो अब तक वे धरती-आसमान एक कर चुके होते। उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार का यह बयान कि यदि अदालत हमारे खिलाफ फैसला देती है, तो हम संविधान बदल देंगे, अभी भी यूट्यूब पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि डी.के. शिवकुमार को खुद दिया गया बयान सुनना चाहिए, जैसे हथेली पर पड़े घाव को जानने के लिए आईने की जरूरत नहीं होती कि झूठ क्या है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि शिवकुमार को डीएमके के साथ अपनी मित्रता का उपयोग कर तमिलनाडु को मेकेदातु परियोजना के लिए राजी करना चाहिए था। सरकार को हनीट्रैप मामले में वरिष्ठ मंत्री राजन्ना द्वारा विधानसभा में दिए गए बयान के आधार पर जांच का आदेश देना चाहिए।

मंत्री केएन राजन्ना ने हनी ट्रैप की कोशिश का किया खुलासा

अपने आवास पर दो घटनाओं का आरोप लगाया

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में मंत्रियों और विधायकों को हनी ट्रैप में फंसाने के प्रयासों के बारे में बढ़ती चर्चाओं के बीच, सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने मंगलवार को खुलासा किया कि उन्हें दो बार निशाना बनाया गया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, राजन्ना ने दावा किया कि उन्हें हनी ट्रैप में फंसाने के लिए दो अलग-अलग प्रयास किए गए, प्रत्येक मामले में अलग-अलग महिलाएं शामिल थीं, लेकिन उनके साथ एक ही आदमी था। एक युवक अलग-अलग मौकों पर दो अलग-अलग महिलाओं को मेरे घर लेकर आया। दूसरी बार, महिला ने खुद को हाईकोर्ट की वकील बताया, जबकि पहली महिला ने ऐसा कोई दावा नहीं किया। वह मुझसे व्यक्तिगत रूप से बात करना चाहती थी। अगर मैं तस्वीरें देखूं,

तो मैं उन्हें पहचान सकता हूं। मंत्री ने स्वीकार किया कि उस समय उनके आवास पर सीसीटीवी कैमरे नहीं थे, इसलिए यात्राओं की पुष्टि करने के लिए कोई फुटेज नहीं है। मैंने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया है। मैं विभिन्न कार्यक्रमों में व्यस्त था, जिसके कारण शिकायत दर्ज करने में देरी हुई। मुख्यमंत्री ने मुझसे देरी के बारे में पूछा, और मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि मैं शिकायत दर्ज करूंगा। मंगलवार सुबह, मैंने तीन पन्नों की शिकायत का मसौदा तैयार किया और इसे व्यक्तिगत रूप से गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर को सौंपूंगा। एक बार एफआईआर दर्ज हो जाने के बाद, सभी संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक कर दिए जाएंगे। अपनी पिछली टिप्पणियों को स्पष्ट करते हुए, मंत्री ने कहा मैंने अपनी टिप्पणियों में कभी भी न्यायाधीश का उल्लेख नहीं किया। मैंने राजनीतिक नेताओं के बारे में बात की। 30 मार्च के बाद, मैं दिल्ली जाऊंगा और पार्टी हाईकमान को हनी ट्रैप मामले की रिपोर्ट करूंगा। यह कोई नई रणनीति नहीं है - ऐसा पहले भी कई लोगों के साथ हुआ है। हनी ट्रैप का इस्तेमाल राजनीतिक बदला लेने के लिए किया जा रहा है, और मैं इस साजिश के पीछे के लोगों को दंडित करने के लिए गहन जांच की मांग करता हूं।

आर अशोक ने कर्नाटक सरकार पर फोन टैपिंग का लगाया आरोप

राजनीतिक साजिश का आरोप लगाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कर्नाटक सरकार पर विपक्षी नेताओं के साथ-साथ अपनी ही पार्टी के मंत्रियों और नेताओं की फोन टैपिंग में शामिल होने का आरोप लगाया है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के भीतर मुख्यमंत्री पद के लिए आंतरिक सत्ता संघर्ष तेज हो गया है, जिससे नवंबर तक राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम की भविष्यवाणी की जा रही है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पदभार संभालने के बाद से सभी दलों के नेताओं की फोन टैपिंग व्यवस्थित रूप से की जा रही है। यह 100 प्रतिशत निश्चित रूप से हो रहा है। मंत्री के एन राजन्ना पर कथित हनी ट्रैप के प्रयास का जिक्र करते हुए, अशोक ने सवाल उठाया कि मंत्री के ठिकाने की पूर्व जानकारी के बिना इस तरह की साजिश कैसे अंजाम दी जा सकती है। अशोक ने कहा, अगर वे टीम भेजना चाहते हैं, तो उन्हें मंत्री के ठिकाने

के बारे में जानकारी चाहिए होगी। इसका मतलब है कि उन्हें अनिवार्य रूप से फोन टैपिंग करनी होगी।

यह सरकार फोन टैपिंग में शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने तीन महीने पहले फोन टैपिंग के बारे में चिंता जताई थी। अशोक ने आरोप लगाया वे अपने विरोधियों को खत्म करना चाहते हैं - चाहे वे विपक्ष में हों या अपनी पार्टी के भीतर। अब भी फोन टैपिंग हो रही है। जब उनसे उनकी व्यक्तिगत संलिप्तता के बारे में पूछा गया, तो अशोक ने खुलासा किया पिछले दो सालों से मेरा फोन टैप किया जा रहा है। गृह मंत्री के पास औपचारिक शिकायत दर्ज न करने के सवाल के जवाब में अशोक ने पलटवार करते हुए कहा गृह मंत्री के पास शिकायत दर्ज करने का क्या फायदा है? उन्होंने मंत्री राजन्ना से जुड़े हनी ट्रैप प्रयास के मुद्दे को उठाने के भाजपा के प्रयासों का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया कि इस मामले पर एक नोट भेजा गया था और स्पीकर के साथ चर्चा की गई थी। मंत्री राजन्ना के बेटे ने इस बारे में बयान दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बेंगलूरु पहुंचे। अशोक ने दावा किया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर गुटबाजी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कोई भी वास्तव में नहीं समझता कि पार्टी के भीतर क्या हो रहा है। मंत्री राजन्ना के बयान के बाद, हनी ट्रैप मामले के बारे में कोई और खबर नहीं आई है।

राजन्ना के बेटे, जो कांग्रेस एमएलसी हैं, ने कहा था कि उन्होंने सिद्धरामैया से अनुमति ली थी। अब, यह स्पष्ट है कि इस नाटक का आयोजन कौन कर रहा है। कांग्रेस के भीतर विभिन्न गुट पदों को लेकर युद्ध कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की बेंगलूरु यात्रा के पीछे के उद्देश्यों पर भी सवाल उठाया और व्यंग्यात्मक टिप्पणी की, कौन विश्वास करेगा कि खड़गे केवल सिद्धरामैया के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ करने आए थे, जबकि उन्हें एक महीने से अधिक समय तक व्हीलचेयर पर देखा गया है? सिद्धरामैया पहले ही चलना शुरू कर चुके हैं। अशोक ने अपने दावों को दोहराया कि सरकार प्रमुख नेताओं के फोन टैप कर रही है।

थुम्बे बांध में जलस्तर 5.75 मीटर तक गिरने से जल संकट मंडराया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु शहर और आसपास के इलाकों को पीने का पानी सप्लाई करने वाले थुम्बे वेंटेड डैम में पानी का प्रवाह रुक गया है, जिससे पिछले कुछ दिनों में जलस्तर 5.75 मीटर तक गिर गया है। अगर जल्द ही बारिश नहीं हुई, तो शहर में पानी की कमी होने की संभावना है, ऐसे में गर्मियों में पानी की कमी से निपटने के लिए उपलब्ध पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करना जरूरी है। बढ़ते तापमान और बढ़ती मांग के चलते थुम्बे डैम से 24 घंटे पानी पंप किया जा रहा है। पिछले एक हफ्ते से जलस्तर रोजाना 8 से 10 सेमी तक घट रहा है। हालांकि, बांध के गेट 6 मीटर तक पानी जमा करने के लिए बंद हैं, लेकिन पानी की कमी और बढ़ती खपत के कारण 19 मार्च को जलस्तर घटकर 5.40 मीटर रह गया। बाद में, जाकरीबेट्टू बांध से पानी छोड़ा गया, जिससे अस्थायी तौर पर जलस्तर 5.85 मीटर तक बढ़ गया। हालांकि, रविवार तक यह फिर से घटकर 5.75 मीटर रह गया। मेंगलूरु में वर्तमान में 162

एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) पानी आता है। यदि बारिश के बिना शुष्क मौसम जारी रहता है, तो शहर में पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों ने निवासियों से पानी का सावधानी से उपयोग करने का आग्रह किया है। इस बीच, ग्रीनको में एएमआर पावर प्रोजेक्ट बांध में, जल स्तर समुद्र तल से 17 मीटर ऊपर स्थिर बना हुआ है। वर्तमान में, थुम्बे बांध में 5.75 मीटर पानी है। पिछले वर्षों में, जब जल स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आई थी, तो थुम्बे को फिर से भरने के लिए हरेकला बांध से संग्रहीत पानी को चार पंपों का उपयोग करके पंप किया गया था। यदि मई के अंत तक कोई संकट उत्पन्न होता है, तो अधिकारी इस वर्ष भी इसी तरह के पंपिंग उपायों का सहारा ले सकते हैं। मेंगलूरु शहर के सुरथकल, कुलूर, कोडिकल, आकाश भवन, कटिपल्ला, कृष्णपुरा और बेंगरे जैसे क्षेत्रों में पहले से ही पीने के पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। यदि मई के अंत या जून की शुरुआत तक बारिश नहीं होती है, तो समस्या और भी बदतर हो सकती है। अधिकारियों ने निवासियों को मानसून आने तक तुरंत पानी का संरक्षण शुरू करने की सलाह दी है। उप्पिनंगडी के डाउनस्ट्रीम में सरलीकट्टे बांध के भर जाने से पानी एएमआर बांध में बह रहा है, जो फिर जकरीबेट्टू बांध तक पहुंचता है। इस साल से, जकरीबेट्टू बांध बंटवाल शहर की नगरपालिका को पानी की आपूर्ति कर रहा है, जिससे इसकी मांग बढ़ रही है। जकरीबेट्टू से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने पर ही थुम्बे बांध का जल स्तर बढ़ेगा।

'शब्द' के वसंतोत्सव में सृजन की धूम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण भारत की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' से जुड़े रचनाकारों ने रविवार को धूमधाम से वसंतोत्सव मनाया। रचनाकारों ने अपनी मासिक रचनागोष्ठी में वसंत पर विविध भाव-व्यंजना की एक-से-एक उम्दा रचनाएँ सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही लूटी। कार्यक्रम के अंत में कवि-लेखकों ने जमकर फूलों की होली खेली। वसंतोत्सव के मुख्य अतिथि कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. अजय कुमार सिंह थे। विशेष आमंत्रित के रूप में कर्नाटक के ही एक अन्य पुलिस महानिदेशक डॉ. डीवी गुरुप्रसाद उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि डॉ मंजु गुप्ता 'लता' ने की तथा संचालन युवा गजलगो दीपक सोपोरी ने किया। इस अवसर पर डॉ. गुरुप्रसाद द्वारा लिखित आत्मकथा 'कैयिगे बंद तुत्तु' का डॉ. मैथिली पी राव कृत हिंदी अनुवाद 'सपना जो न हुआ अपना' का लोकार्पण भी हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'शब्द' की सर्जनात्मक गतिविधियां प्रेरक हैं। महानगरों में रहते हुए भी आप जिस तरह से अपनी संस्कृति और अभिरुचि के प्रति समर्पित हैं, वह अनुकरणीय है। डॉ. गुरुप्रसाद कर्नाटक के कर्मठ पुलिस अधिकारी रहे हैं। वे जहाँ और जिस पद पर रहे, नवाचारी कार्यों से दूसरों में प्रेरणा भरते रहे। प्रशासन में ऊँचे ओहदे की बहुत कठिनाइयाँ होती हैं। बावजूद उसके, गुरुप्रसाद ने संतुलन बनाये रखा और लगातार लेखनरत रहे। इस अवसर पर लेखक गुरुप्रसाद ने अलमस्त अंदाज में अपनी नाकामयाबियों की चर्चा करते हुए कामयाबी को महत्त्वपूर्ण माना। अनुवादक डॉ मैथिली राव ने इस पुस्तक के अनुवाद के दौरान के रोमांचक अनुभव सुनाए। कार्यक्रम के आरंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने समागत सर्जकों का स्वागत करते हुए कविता की विशिष्टता की चर्चा की। उन्होंने कविता को संबोधित एक कविता भी सुनायी। कार्यक्रम का आगाज सुचित्रा कौल मिश्रा की सरस्वती वंदना से हुई। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, अनिल अत्रि, मथुरा कलौनी, दीपक सोपोरी, लोकेश मिश्रा और डॉ. उषारानी राव की कविताएँ श्रोताओं द्वारा खूब सराही गयीं। बिन्दु रायसोनी, उषा श्रीवास्तव और नलिनी पोपट तथा श्रीकांत शर्मा के गीतों का जादुई असर श्रोताओं में देखा गया। गीता चौबे गूँज, डॉ. सुधा दीक्षित, डॉ मंजु गुप्ता 'लता', पुष्पा पुष्प, अशोक कुमार सूर्य, प्रभु उपासे, डॉ. रामरतन सिंह और उदय कुमार सिंह आदि की काव्य-प्रस्तुतियाँ भी प्रभावी रहीं। कार्यक्रम में 'शब्द' के बाबूलाल गुप्ता, जगमोहन मिश्र आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

बिदादी रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रामनगर जिले के बिदादी रेलवे स्टेशन पर बम की धमकी मिलने के बाद कुछ समय के लिए रेलवे स्टेशन पर तनाव की स्थिति रही। खुफिया एजेंसी को सूचना मिली है कि बिदादी रेलवे स्टेशन पर बम लगाया गया है और कुछ ही मिनटों में रेलवे स्टेशन फट जाएगा। मंगलवार सुबह तत्काल ही रामनगर के पुलिस उपाधीक्षक और रेलवे पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे और पूरे स्टेशन का निरीक्षण किया। लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला। अधिकारियों को यह एहसास हुआ कि यह एक फर्जी कॉल थी।

दपरे के 5 कर्मचारियों को मिला महाप्रबंधक सुरक्षा पुरस्कार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने मंगलवार को हुब्बल्ली, गदग रोड स्थित रेल सौधा के महाप्रबंधक के सम्मेलन कक्ष में विभिन्न विभागों के प्रमुख प्रमुखों के साथ सुरक्षा बैठक की। रेलवे सुरक्षा बढ़ाने पर इस महत्वपूर्ण चर्चा के बाद मुकुल सरन माथुर ने 5 कर्मचारियों को सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया, जिसमें हुब्बल्ली मंडल से 1, बेंगलूरु मंडल से 2 और मैसूरु मंडल से 2 कर्मचारी शामिल हैं। ये पुरस्कार ड्यूटी के दौरान उनकी सतर्कता, अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और पिछले महीनों के दौरान ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिए गए। पुरस्कार पाने वालों में हुब्बल्ली मंडल से शिवाजी एल. पवार, बेंगलूरु मंडल से कैलाश प्रसाद मीना और एच.एस. महेश, मैसूरु मंडल से जे.बी. लोहित और अबू सलिया शामिल थे। मुकुल सरन माथुर ने कर्मचारियों की त्वरित सोच और सुरक्षा के प्रति समर्पण की प्रशंसा की और दोहराया कि सुरक्षा पहले और सुरक्षा हमेशा दक्षिण पश्चिम रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

घायल गैंगस्टर को 9 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

गरुड़ गिरोह के सदस्य इसहाक को उडुपी की एक अदालत ने नौ दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। मणिपाल पुलिस ने इसहाक को सोमवार को उडुपी अदालत में पेश किया, जिसने आगे की जांच के लिए उसे 1 अप्रैल तक हिरासत में रखने का आदेश दिया। इसहाक को 12 मार्च को हासन में गिरफ्तार किया गया था, जब वह मणिपाल में बेंगलूरु नेलमंगला पुलिस से भागने का प्रयास कर रहा था। इस दौरान वह सार्वजनिक वाहनों से टकरा गया था। वापस लाए जाने के दौरान, उसने कथित तौर पर हिरियाडका स्टेशन की सीमा के पास पुलिस पर हमला किया और भागने की कोशिश की। जवाब में, पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए मणिपाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में, उसे सर्जरी के लिए अजरकाडु जिला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। अब ठीक हो रहे इसहाक को अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने आगे की जांच के लिए उसकी हिरासत मांगी। अदालत ने अनुरोध स्वीकार करते हुए उसे 1 अप्रैल तक हिरासत में भेज दिया। मणिपाल पुलिस द्वारा अपहरण, मादक पदार्थ और अन्य अपराधों से संबंधित मामलों में इसहाक से पूछताछ किए जाने की उम्मीद है।

लोकसभा से वित्त विधेयक 2025 पारित हुआ

करदाताओं को कर में बड़ी राहत मिलेगी : सीतारमण

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा ने 35 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद वित्त विधेयक 2025 पारित कर दिया। इससे पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक 2025 को करदाताओं के लिए अभूतपूर्व कर राहत देने वाला बताया। लोकसभा में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के जरिए मध्यम वर्ग और व्यवसायों को राहत मिलने की उम्मीद है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में महत्वपूर्ण कर सुधारों का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनिश्चितता को दूर करने के लिए ऑनलाइन विज्ञापनों पर लगने वाला समानीकरण शुल्क समाप्त किया जाएगा। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने बताया कि एक लाख करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान के बावजूद 2025-26 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 13.14% की वृद्धि का अनुमान यथार्थवादी है।

सीतारमण ने यह भी कहा कि सीमा शुल्क में तर्कसंगत बदलाव से देश में विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, निर्यात को गति मिलेगी और आम जनता को महंगाई से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि नए आयकर विधेयक पर संसद के अगले मानसून सत्र में चर्चा होगी। लोकसभा में वित्त विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि नया आयकर विधेयक, जिसे 13 फरवरी को सदन में पेश किया गया था, वर्तमान में प्रवर समिति की ओर से जांचा जा रहा है।

प्रवर समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। सीतारमण ने कहा, हम इसे (नए आयकर विधेयक को) मानसून सत्र में लाएंगे। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में आयोजित होता है और अगस्त तक चलता है।

आयकर विभाग ने पहले कहा था कि सरलीकृत आयकर विधेयक, जो 1961 के आयकर अधिनियम का आधा है, मुकदमेबाजी और नई व्याख्या की गुंजाइश को कम करके कर निश्चितता हासिल करने का प्रयास करता है। नए विधेयक में शब्दों की संख्या 2.6 लाख है, जो आईटी अधिनियम में 5.12 लाख से कम है। मौजूदा कानून में 819 प्रभावी धाराओं के मुकाबले इसमें धाराओं की संख्या 536 है। अध्यायों की संख्या भी 47 से घटाकर आधी 23 कर दी गई है। आयकर विधेयक 2025 में मौजूदा अधिनियम में 18 तालिकाओं की तुलना में 57 तालिकाएं हैं और 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं।

जस्टिस वर्मा के घर से मिले अधजले नोटों का मामला

सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक समिति ने शुरू की जांच

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से मिले जले नोट मामले की जांच शुरू हो गई है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक समिति ने जांच शुरू कर दी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त आंतरिक समिति के तीन सदस्यों की टीम जांच के लिए पहुंची। तीनों सदस्य की जांच टीम में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनु शिवरामन शामिल हैं। जो न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास पर पहुंचे। जांच के दौरान समिति के सदस्य करीब 30-35 मिनट तक न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास के अंदर रहे। इस दौरान उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास पर बीती 14 मार्च की रात करीब 11.35 बजे आग लगने के बाद कथित नकदी बरामदगी हुई थी। जिसके बाद अग्निशमन अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई थी। इसके बाद 22 मार्च को भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की आंतरिक जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी थी।

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं, जब से उनके दिल्ली स्थित आवास में आग लगी और आग बुझाने के दौरान दमकल और पुलिस को बड़े पैमाने पर अधजले नोट बरामद किए गए। ये घटना 14 मार्च की है, जब लुटियंस दिल्ली के पॉश इलाके में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के स्टोररूम में आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर अग्निशमन कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने नकदी बरामद की थी।

इस घटना पर संज्ञान लेते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने भारतीय मुद्रा नोटों से भरी चार से पांच अधजली बोरियां मिलने की जांच के लिए तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया है। हालांकि, मामले में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने आरोपों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उनके घर के स्टोर रूम में न तो उन्होंने और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य ने कभी नकदी रखी।

बसंत के मौसम में पर्यटन के लिए तैयार हो गया कश्मीर

जम्मू, 25 मार्च (ब्यूरो)। कश्मीर में पल-पल रंग बदलता मौसम इस बार सर्दी के मौसम में ही बसंत की झलक दिखला चुका है। इसके बावजूद सभी को उम्मीद है कि सर्दियों के बाद, बसंत का मौसम भी कश्मीर पर्यटन का सबसे व्यस्त अवधि होने वाला है क्योंकि ट्रैवल एजेंटों को आगामी महीनों के लिए थोक बुकिंग मिलने लगी है।

लंबे समय तक शुष्क सर्दियों की अवधि और लंबे सूखे के बावजूद, देर से हुई बर्फबारी ने कश्मीर में शीतकालीन पर्यटन को पुनर्जीवित कर दिया क्योंकि फरवरी के लिए अधिकांश होटल और हाउसबोट भरे हुए थे। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, अब कश्मीर के ट्रैवल एजेंट बसंत के मौसम के लिए बुकिंग में व्यस्त हैं, जिससे पर्यटकों का प्रवाह बढ़ने की उम्मीद है। पारंपरिक रूप से बसंत ऋतु को कश्मीर की यात्रा के लिए सबसे अच्छे समय में से एक माना जाता है, क्योंकि इस क्षेत्र की हरी-भरी घाटियों में ट्यूलिप, बादाम के फूल और जीवंत जंगली फूलों के खिलने के साथ एक लुभावनी परिवर्तन होता है।

ट्रैवल एजेंटों का दावा कि उन्हें मार्च, अप्रैल और मई महीने के लिए थोक बुकिंग मिल रही हैं। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन आफ कश्मीर के अध्यक्ष रऊफ अहमद तरांबू कहते हैं कि हम आगे एक अच्छे सीजन की उम्मीद कर रहे हैं। बसंत के महीनों के लिए बड़ी संख्या में बुकिंग आ रही हैं। हम आगामी बसंत सीजन के लिए पूछताछ और बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि देख रहे हैं। उनका कहना है कि लोग वर्ष के इस समय के दौरान कश्मीर की अद्वितीय सुंदरता का अनुभव करने के लिए उत्सुक हैं और हम उन्हें यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार हैं। तरांबू के बकौल, आगंतुकों में वृद्धि की प्रत्याशा में, कश्मीर में ट्रैवल एजेंट विभिन्न रुचियों और प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए विशेष पैकेज तैयार करने में व्यस्त हैं।

तरांबू कहते हैं कि पर्यटकों की भारी भीड़ को पूरा करने के लिए तैयारी चल रही है। जहां फरवरी कश्मीर पर्यटन के लिए एक अच्छा महीना रहा है, वहीं मार्च भी आशाजनक लग रहा है।

पीएम मोदी डिग्री विवाद में पुनरीक्षण याचिका मंजूर

केजरीवाल और संजय सिंह पर कोर्ट ने ठोका जुर्माना

अहमदाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के खिलाफ दायर मानहानि के मामले में बड़ा फैसला दिया है।

अहमदाबाद के सत्र न्यायालय में दोनों नेताओं पर दस-दस हजार रुपए के जुर्माने के साथ सत्र अदालत ने पुनरीक्षण याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार कर ली है। इससे पूर्व मेट्रो कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था। तय समय सीमा बीत जाने के बाद दोनों नेताओं ने अधिवक्ता के माध्यम से मंगलवार को सत्र न्यायालय पहुंचे और याचिका दाखिल की थी।

आपा नेता अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह ने गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर सवाल उठाए थे। इसके बाद वर्ष 2023 में गुजरात विश्वविद्यालय प्रशासन ने आम आदमी पार्टी के दोनों नेताओं के खिलाफ अहमदाबाद मेट्रो कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। आरोप लगाया गया था कि दोनों ने प्रधानमंत्री की डिग्री पर सवाल उठाकर गुजरात विश्वविद्यालय को बदनाम किया है। सुनवाई के बाद मेट्रो कोर्ट में दोनों के खिलाफ आरोप तय हो चुके हैं। इसके खिलाफ वर्ष 2023 में ही आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मेट्रो कोर्ट में याचिका दायर कर अपने और संजय सिंह के लिए अलग-अलग सुनवाई की मांग की थी। मेट्रो कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी।

अरविंद केजरीवाल ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह ईडी के एक मामले का सामना कर रहे हैं। वे जेल में भी रहे। पहले लोकसभा चुनाव और फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचार करने का समय दिया गया। उन्हें हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों में प्रचार करने जाना पड़ा। वह मधुमेह और रक्तचाप से भी पीड़ित हैं। इसलिए 308 दिन बाद पुनरीक्षण याचिका दायर की गई है। इसके लिए माफ कर दिया जाए। दूसरी ओर संजय सिंह ने भी दलील दी कि उनका आवेदन 346 दिन देरी से दायर किया गया है। उन्होंने कुछ समय जेल में भी बिताया। वह राज्यसभा सदस्य हैं। इसलिए वह संसद सत्र में उप-स्थित रहे। इस तरह तमाम दायित्वों के चलते पर्याप्त समय नहीं मिला।

आवेदन में देरी को नजरअंदाज करते हुए पुनरीक्षण आवेदन स्वीकार किया जाए।

उधर अदालत में गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से अधिवक्ता अमित नायर ने आपा नेताओं की याचिकाओं का जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि मेट्रो कोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए दोनों के पास पर्याप्त समय था, लेकिन उन्होंने अपना समय बर्बाद कर दिया। दोनों ही विश्वविद्यालय के मानहानि मामले की सुनवाई में देरी करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं को सुनने के बाद सत्र न्यायालय ने याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार कर ली। अदालत ने कहा कि यह बात यही है कि देरी से याचिका दाखिल की गई है। लेकिन बहुत अधिक तकनीकी होकर किसी के साथ अनुचित व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। न्याय हित में देरी से आवेदन का समय माफ करते हुए अदालत ने अरविंद केजरीवाद व संजय सिंह पर 10-10 हजार रुपए विश्वविद्यालय को अदा करने के साथ ही पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर ली। विश्वविद्यालय के अधिवक्ता अमित नायर ने पुनरीक्षण याचिका सुनवाई को स्वीकार होने की पुष्टि की है।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने कहा

भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित एवं विकास में भागीदार

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। हमारा देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक रूप से लगातार अपनी मजबूती दर्ज कर रहा है और आर्थिक महाशक्ति बनने के अपने लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। हमारे देश का अल्पसंख्यक समाज देश के विकास में पूरी तरह से अपनी भागीदारी निभा रहा है।

राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन आज राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के तत्वावधान में नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में राज्यों के अल्पसंख्यक आयोगों के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश के अल्पसंख्यक पूरी तरह से सुरक्षित है।

हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में हिंदू और इसाई अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का मामला सभी के सामने है। चीन, म्यांमार और श्रीलंका में मुस्लिम अल्पसंख्यकों का मामला बराबर सामने आता रहता है। हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू और बौद्ध अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। वहां पर हाल के दिनों में अल्पसंख्यक समुदाय के साथ जो कुछ भी घटित हुआ है, वह किसी से ढका छिपा नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में बहुसंख्यक समाज के लिए जो भी योजनाएं सरकार की तरफ से लागू की गई हैं, उसका पूरा-पूरा लाभ अल्पसंख्यक समाज के लोग भी उठा रहे हैं। चाहे वह मुद्रा लोन का मामला हो, प्रधानमंत्री आवास योजना हो, उज्ज्वला योजना हो या भारत सरकार की अन्य स्कीमें हों, सभी का लाभ अल्पसंख्यक समाज के लोगों को मिल रहा है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम और अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ अल्पसंख्यक समुदाय पूरी तरह से उठा रहा है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए केंद्र की मोदी सरकार के जरिए कई स्कीमें चलाई जा रही हैं जिसका लाभ अल्पसंख्यक समाज उठा रहा है और देश के विकास में भागीदार बन रहा है।

इस मौके पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने कहा कि हमारे देश में अल्पसंख्यकों की आबादी दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारे देश में अल्पसंख्यक समाज के साथ काफी अच्छा व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यक समाज के लोगों की जनसंख्या में दिन-प्रतिदिन गिरावट आ रही है और वहां पर अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और उनके साथ भेदभाव का रवैया अपनाने की खबरें आती रहती हैं।

एक देश एक चुनाव विधेयक पर बनी संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। एक देश एक चुनाव विधेयक पर चर्चा के लिए बनी संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। समिति के सदस्यों का मानना था कि उन्हें बड़ी संख्या में हितधारकों से चर्चा करनी होगी, इसलिए समिति का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए। लोकसभा ने मंगलवार को एक देश एक चुनाव को लेकर गठित संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ाने की मंजूरी दे दी। अब इस समिति का कार्यकाल संसद के मानसून सत्र के अंतिम हफ्ते के पहले दिन तक रहेगा। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने समिति के कार्यकाल में विस्तार का प्रस्ताव लोकसभा में पेश किया, जिसे ध्वनिमत से मंजूर कर लिया गया।

लोकसभा के महासचिव ने सदन को ये भी बताया कि राज्यसभा से एक नए सदस्य को भी संसदीय समिति में जगह दी गई है। 39 सदस्यीय समिति में वाईएसआर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद वी विजयसाई रेड्डी के इस्तीफे के बाद एक पद खाली था। समिति के सदस्यों का मानना था कि उन्हें प्रस्तावित कानून के लिए बड़ी संख्या में हितधारकों से चर्चा करनी होगी, ऐसे में समिति का काम लंबा चलने की संभावना है। यही वजह है कि समिति का कार्यकाल बढ़ाया गया है। एक देश एक चुनाव के लिए दो विधेयक बीते साल दिसंबर में लोकसभा में पेश किए गए थे। ये विधेयक हैं- संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र (कानून) संशोधन विधेयक। इन दोनों विधेयकों का मकसद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के लिए जरूरी बदलाव करना है। 12 दिसंबर को पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने इन विधेयकों को मंजूरी दी थी। हालांकि लोकसभा में विपक्ष के विरोध को देखते हुए इन्हें संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया था।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का स्पष्ट फैसला

जैन, बौद्ध, सिख सब पर लागू है हिंदू मैरिज एक्ट

भोपाल, 25 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हिंदू मैरिज एक्ट जैन, बौद्ध, सिख सब पर भी लागू है।

अल्पसंख्यक का दर्जा मिलने की वजह से वे हिंदू मैरिज एक्ट के दायरे से बाहर नहीं हो जाते। एक जैन दंपती को हिंदू फैमिली एक्ट के तहत तलाक देने से फैमिली कोर्ट ने इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट ने इस आदेश को रद्द कर दिया और कहा कि यह कानून जैन, बौद्ध, सिख सब पर लागू है।

हिंदू मैरिज एक्ट जैन, बौद्ध और सिखों पर भी लागू होता है। इनसे जुड़े विवाह और तलाक के मामले में भी इसी कानून के दायरे में आते हैं। अल्पसंख्यक दर्जा मिलने के कारण ये इस अधिनियम के दायरे से बाहर नहीं होते। यह बात मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने एक फैसले में कही है। जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और संजीव एस कलगांवकर की बेंच ने सोमवार 24 मार्च को एक जैन दंपति के तलाक के मामले की सुनवाई करते हुए यह बात कही। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की शादी 2017 में हुई थी। बाद में दंपति अलग रहने लगे।

उन्होंने तलाक के लिए हिंदू मैरिज एक्ट के तहत फैमिली कोर्ट में आवेदन दिया था।

उनकी याचिका पर 8 फरवरी को इंदौर फैमिली कोर्ट के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश ने सुनवाई की। उन्होंने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13-बी के तहत आपसी सहमति से तलाक देने की अर्जी को अस्वीकार कर दिया था। कोर्ट का कहना था कि जैन एक अल्पसंख्यक समुदाय में आता है। इस धर्म से जुड़े किसी व्यक्ति को विपरीत मान्यता रखने वाले धर्म के कानून का लाभ देना उचित नहीं है। गौरतलब है कि जैन समुदाय को 2014 से ही अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 की धारा 2 खंड सी की शक्तियों के अनुसार जैन समुदाय को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अधिसूचित किया है। लेकिन इसके तहत जैन समुदाय के सदस्यों को किसी भी वर्तमान कानून के दायरे से बाहर करने का संशोधन नहीं किया गया है।

इसके बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने हाईकोर्ट में अपील की और तर्क दिया कि उन्होंने हिंदू रीति रिवाजों के अनुसार विवाह किया था।

भाजपा नेता पर बम मारा, फिर कुल्हाड़ी से काट डाला

सीएम के सचिव के भाई समेत आठ को उम्र कैद

सीपीएम छोड़ कर भाजपा में शामिल होने पर दी थी सजा

कन्नूर, 25 मार्च (एजेंसियां)। केरल में भाजपा कार्यकर्ता सूरज की हत्या के मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के प्रेस सचिव के भाई समेत आठ लोगों को उम्र कैद की सजा दी गई है। भाजपा कार्यकर्ता एलाम्बिलई सूरज की केरल के कन्नूर में 7 अगस्त 2005 को निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कन्नूर की थालासरी जिला सत्र न्यायालय ने सत्ताधारी वामपंथी दल के 9 कार्यकर्ताओं को दोषी माना है। इनमें से 8 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

आजीवन कारावास के साथ ही इन सभी 8 लोगों पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। इसके अलावा एक अन्य दोषी को तीन साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। उम्र कैद की सजा पाने वालों में मनोज नारायण भी शामिल है। वह केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के प्रेस सचिव पीएम मनोज का भाई है। एक अन्य दोषी टीके राजेश 2012 में हुई टीपी चंद्रशेखरन की हत्या के आरोप में पहले से ही जेल में है।

इसके अलावा ईवी योगेश, के शामजिथ, नेयोथ सजीवन, प्रभाकरन, केवी पद्मनाभन, राधाकृष्णन और पुथियापुरइल प्रदीपन को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इन सबकी उम्र 45 से 70 के बीच है। वहीं, नागाथनकोटा प्रकाशन को इस मामले में गवाह के मुकरने के कारण बरी कर दिया गया है। गौरतलब है कि सीपीएम छोड़कर सूरज भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद राजनीतिक दुश्मनी के चलते 7 अगस्त 2005 को उनकी हत्या कर दी गई। राजेश, योगेश, शामजिथ, सजीवन और प्रभाकरन को उनकी हत्या का दोषी पाया गया है। वहीं पद्मनाभन, राधाकृष्णन, प्रकाशन को हत्या की साजिश रचने और प्रदीपन को आरोपितों को भगाने और अंडरग्राउंड करने के जुर्म में सजा दी गई है।

हत्या से छह माह पहले भी सूरज पर हमला हुआ था। इसमें उनके पैर में गंभीर चोटें आई थी और कई महीनों तक उन्हें बेड रेस्ट और मेडिकल केयर की जरूरत पड़ी थी। ठीक होने के बाद दोबारा हमला कर उनकी हत्या कर दी गई। 7 अगस्त 2025 की सुबह मुजप्पिलंगड टेलीफोन एक्सचेंज के सामने कुछ लोग एक ऑटोरिक्शा से उतरे। उन्होंने पहले सूरज पर बम फेंका और फिर कुल्हाड़ी और धारदार हथियारों से उन्हें मार डाला।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भजन गायिका ने सुनाई प्रताड़ना की दास्तान

सनातन अपनाया तो मुस्लिमों ने तोड़ डाला घर

बांदा, 25 मार्च (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के बांदा में आयोजित बांदा महोत्सव में भजन गायिका शहनाज अख्तर ने अपनी भक्तिमयी प्रस्तुति से लोगों का दिल जीत लिया। हालांकि इसके बाद उन्होंने अपनी आपबीती भी बताई, जिसकी वजह से उन्हें भीषण परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहनाज ने कहा, मेरी पहचान सनातन धर्म से है। मैं हिंदू देवी-देवताओं के भजन गाती हूं, उनकी पूजा करती हूं, लेकिन इसके लिए मुझे और मेरे परिवार को बहुत कुछ सहना पड़ा। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के बरघाट में मुस्लिम परिवार में जन्मी शहनाज की जिंदगी तब बदल गई, जब बचपन में वो गणेश मंदिर में लड्डू लेने गईं। वहां भजन-कीर्तन सुनकर उनका मन सनातन धर्म की ओर खिंच गया। 10 साल की उम्र से ही उन्होंने माता का भजन गाना शुरू कर दिया था।

शहनाज अख्तर ने बताया कि जब उन्होंने सनातन धर्म को अपनाया और भजन गाना शुरू किया, तो मुस्लिम समुदाय के कट्टरपंथियों ने इसका विरोध किया। हालात इतने बिगड़ गए कि उनके घर पर हमला हुआ। उनके परिवार को बेरहमी से पीटा गया। वो कहती हैं, हम चार दिन तक अस्पताल में रहे। भूखे-प्यासे तड़पते रहे, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। मुस्लिम समाज के कुछ लोगों ने उन्हें धमकियां दीं। कहा गया कि हिंदू देवी-देवताओं के भजन गाने से वो नर्क में जाएगी। शहनाज कहती हैं, अगर मैं हिंदू धर्म की भक्ति से नर्क में जाऊंगी, तो आपके अब्बा ने कौन सी जन्नत पेश कर रखी है। आज वो गर्व से कहती हैं, मैं भगवा रंग में रंग चुकी हूं। सनातन धर्म ही मेरी पहचान है।

शहनाज कहती हैं, मैंने अपना नाम नहीं बदला, क्योंकि मेरी शख्सियत सनातन धर्म ने बनाई है। जो मुझे परेशान करेंगे, उनके खिलाफ कानून का सहारा लूंगी। बांदा महोत्सव में भगवा ड्रेस पहने, माथे पर त्रिपुंड लगाए और साध्वी की तरह केश सजाए शहनाज पूरी तरह सनातनी नजर आईं। अब तक वो 75 से ज्यादा भजन एल्बम रिलीज कर चुकी हैं। उनका पहला एल्बम 2005 में आया था और तब से ही वो सुर्खियों में बनी रहती हैं।

शहनाज की कहानी अकेली नहीं है। साल 2022 में फरमानी नाज भी ऐसी ही मुश्किलों से गुजरीं। मुजफ्फरनगर की रहने वाली फरमानी ने जब शिव भजन हर हर शंभू गाया और यूट्यूब पर अपलोड किया, तो इस्लामी कट्टरपंथियों ने उन्हें निशाना बनाया। फरमानी की जिंदगी पहले से ही मुश्किलों से भरी थी। शौहर इमरान ने बिना तलाक दिए दूसरा निकाह कर लिया था। बेटे की गले की बीमारी के इलाज के लिए ससुराल वाले मायके से पैसे माँगते थे। प्रताड़ना से तंग आकर वो मायके लौट आईं। वहां उनकी मुलाकात राहुल मुलहेड़ा से हुई, जिन्होंने उनकी आवाज को पहचान दी।

फरमानी ने बताया, मैं अपने बच्चे का पेट पालने के लिए गाती हूं। जो लोग आज विरोध कर रहे हैं, वो तब कहां थे जब मेरे शौहर ने मुझे छोड़ दिया? राहुल ने 2017 में एक यूट्यूब चैनल शुरू किया था, जिसमें फरमानी की आवाज लोगों तक पहुंची।

साल 2020 में उनका चैनल फरमानी नाज सिंगर बन गया। अब इस चैनल का नाम नाज म्यूजिक है, जिसके 1.71 मिलियन फॉलोवर्स हैं। हर हर शंभू गाने पर उन्हें नेहा कक्कड़ की तारीफ मिली, लेकिन कट्टरपंथियों ने फतवा जारी कर दिया। उन्हें गालियां और धमकियां मिलीं। एक यूजर मोहम्मद अमजद ने लिखा, शर्म करो फरमानी, अखिरियत का खौफ करो। फिर भी फरमानी डटी रहीं। गानों से मिले पैसों से उन्होंने 8 लाख का कर्ज चुकाया और घर ठीक करवाया। शहनाज और फरमानी की कहानी एक जैसी है। दोनों ने सनातन के प्रति अपनी भक्ति दिखाई, लेकिन अपने ही समुदाय के कट्टरपंथियों के गुस्से का शिकार हुईं। एक तरफ फरमानी मुस्लिम होकर भी भजन गा रही हैं, तो शहनाज ने सनातन का हाथ थामने के बाद भी अपना नाम नहीं बदला। जो ये बताता है कि सनातन में सभी की स्वीकार्यता है, लेकिन दूसरी तरफ के कट्टरपंथियों को दिक्कत कुछ ज्यादा ही होती है।

मटमैले बैग में मिले तीन करोड़ के ड्रग, पकड़ा गया तस्कर

1.62 किलो हेरोइन और 469 ग्राम स्मैक बरामद

मथुरा, 25 मार्च (एजेंसियां)। मथुरा कोतवाली की रिपोर्टिंग चौकी कृष्णानगर पुलिस और एएनटीएफ आगरा की टीम ने मथुरा में हेरोइन और स्मैक की सप्लाई देकर दिल्ली जाते तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से पुलिस ने 1.62 किलो हेरोइन और 469 ग्राम स्मैक बरामद की है।

एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि आगरा एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम को सूचना मिली कि मथुरा से बड़ी मात्रा में हेरोइन और स्मैक लेकर तस्कर जाने वाला है। टीम ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवपाल सिंह पुंडीर से संपर्क किया। कोतवाल और रिपोर्टिंग कृष्णानगर चौकी प्रभारी विक्रांत सिंह ने टीम के साथ मिलकर तस्कर की सुरागकशी शुरू कर दी। चौकी प्रभारी को सूचना मिली कि तस्कर मालगोदाम के पास बनी मजार के पास खड़ा हुआ है।

सूचना पर एएनटीएफ और कृष्णा नगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके कब्जे से 1.62 किलो हेरोइन, 469 ग्राम स्मैक, 1755 रुपए और मोबाइल बरामद हुआ। पुलिस उसे अपने साथ चौकी ले आई। यहां पूछताछ में उसने खुद को मूलरूप से बिहार के थाना जमुई स्थित गांव दौलतपुर एवं हाल मोकाम दिल्ली के नरेला निवासी मो. गयास अंसारी बताया। एसपी सिटी ने बताया कि तस्कर से बरामद मादक पदार्थ की बाजार में तीन करोड़ रुपए के करीब कीमत है। मथुरा में उसे सप्लाई देनी थी। सप्लाई देकर वह लौट रहा था, इससे पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया।

चौकी प्रभारी कृष्णा नगर विक्रांत तोमर ने बताया कि तस्कर की पहचान काफी मुश्किल थी। उसने साधारण कपड़े पहन रखे थे और गंदे से बैग के अंदर काली थैली में स्मैक और हेरोइन रखी हुई थी। प्रथम दृष्टया तो ऐसा प्रतीत ही नहीं हो रहा था कि यह तस्कर हो सकता है। यदि वह पुलिस को देखकर भागता नहीं तो उसकी गिरफ्तारी संभव नहीं हो पाती। उन्होंने बताया कि वह बिहार से माल खरीदकर दिल्ली, फरीदाबाद, रोहतक आदि क्षेत्रों में सप्लाई करता है। इससे पहले वह 40 से 50 बार इस तरह माल ले जा चुका है।

संभल के सपा सांसद बर्क के घर नोटिस लेकर पहुंची एसआईटी

संभल, 25 मार्च (एजेंसियां)।
संभल में 24 नवंबर को हुए बवाल में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में नामजद सांसद जियाउर्रहमान बर्क को नोटिस देने एसआईटी उनके घर पहुंची। सांसद पर दर्ज मुकदमों की जांच में सहयोग के लिए नोटिस जारी किया गया है। इसी मामले में जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट की गिरफ्तारी हो चुकी है।

संभल में 24 नवंबर को हुए बवाल में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में नामजद सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास पर मंगलवार को एसआईटी टीम धारा 35 का नोटिस लेकर पहुंची। सांसद के दिल्ली होने की जानकारी मिलने पर टीम बिना नोटिस तामील कराए लौट आई। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि सांसद को नोटिस जारी किया गया है। अब सांसद दिल्ली से आते हैं तो उनको टीम नोटिस तामील कराएगी। सांसद से बवाल में दर्ज मुकदमों की जांच में सहयोग विवेचक द्वारा मांगा जा रहा है। इसलिए नोटिस जारी किया है।

एसपी ने बताया कि 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान जो बवाल हुआ था। उसमें एक एफआईआर मुकदमा अपराध संख्या 335/24 में दर्ज हुई थी। जिसमें सांसद और विधायक के बेटे सुहेल इकबाल नामजद आरोपी हैं। अन्य अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। इस मुकदमे में जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट की भूमिका मिलने पर उनकी गिरफ्तारी की जा चुकी है। उनके खिलाफ बवाल की साजिश रचने और गंभीर अपराध में झूठे बयान देने जैसे आरोप हैं। सांसद पर भड़काऊ भाषण देने और विधायक के बेटे पर बवाल भड़काने का आरोप है। सांसद की गिरफ्तारी पर रोक है। हाईकोर्ट के आदेशानुसार ही कार्रवाई आगे बढ़ रही है।

संभल जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट को कोतवाली पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उनको गिरफ्तार करके चंदौसी स्थित कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उनको जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई संभल की में उनकी भूमिका थी। उन्होंने भड़काऊ बयान दिया था। पुलिस का कहना है कि संभल हिंसा की जांच कर रही एसआईटी की जांच में यह तथ्य सामने आने के बाद जफर अली की गिरफ्तारी की गई है। एएसपी ने कहा कि 24 नवंबर संभल में हुए बवाल में जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर को आरोपी बनाया गया है। भड़काऊ बयान देने के आरोप में उनकी गिरफ्तारी की गई है। उनकी गिरफ्तारी के विरोध में अधिवक्ताओं ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया था। एहतियात के तौर पर संभल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भ्रष्टाचार में फंसे आईएएस अभिषेक प्रकाश का मामला

कार्यकाल में हुए निवेश के सभी प्रस्तावों की जांच होगी

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)।
इन्वेस्ट यूपी के निलंबित सीईओ अभिषेक प्रकाश की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। अब उनके कार्यकाल में ऐसे सभी निवेश प्रस्तावों की जांच होगी, जिन्हें निरस्त किया गया था। साथ ही मानकों पर पूरे उतरने वाले ऐसे निवेश प्रस्तावों की जांच भी होगी, जिन्हें विलंब से स्वीकृतियां दी गईं।

अभिषेक प्रकाश ने वर्ष 2022 में इन्वेस्ट यूपी के सीईओ का चार्ज लिया था। वह लगभग तीन वर्ष इस पद पर रहे। इसी अवधि में सबसे सबसे ज्यादा निवेश प्रस्ताव आए और सबसे ज्यादा उद्योग भी धरातल पर उतरे। सोलर कंपनी द्वारा रिश्वत की शिकायत के बाद अब अभिषेक के कार्यकाल में किए गए निवेश जांच के दायरे में आ गए हैं। खास तौर पर पिछले एक वर्ष में धरातल पर होने वाले निवेश पहले जांच की जद में आएंगे। इस संबंध में औद्योगिक विकास विभाग को निर्देश दिए गए हैं।

हाल में फर्रुखाबाद में 570 करोड़ का निवेश भी इसकी जद में है। इस संयंत्र में एथेनॉल, स्टार्च, ग्लूटेन और डिस्टिलरी उत्पादों के साथ-साथ पेय पदार्थ, कार्बोनेटेड वॉटर एवं मवेशी चारे का उत्पादन होगा।

इसी तरह उन्नाव में बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा विशाल कैन निर्माण संयंत्र की फाइल भी दायरे में है। 1300 करोड़ के निवेश के साथ यूपी में कंपनी ने पहली बार दस्तक दी है। इन मामलों में भी देखा जाएगा कि निवेशकों का किसी तरह से उत्पीड़न तो नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त यह भी देखा जाएगा कि पूर्व में किन किन निवेश प्रस्तावों को निरस्त किया गया और किस आधार पर यह निर्णय हुआ।

जांचा जाएगा कि कहीं गलत तरीके से किसी कंपनी का प्रस्ताव कैंसल तो नहीं किया गया। साथ ही जो प्रस्ताव मंजूर हुए उसमें किसी निवेशक को अनुचित लाभ तो नहीं दिया गया। इसके लिए इन्वेस्ट यूपी की मूल्यांकन समिति की बैठकों और उनमें लिए निर्णयों से संबंधित दस्तावेज भी तलब किए गए हैं।

रिश्वत के मामले के साथ ही अभिषेक प्रकाश की संपत्तियों की भी ईडी जांच करने वाला है। जांच एजेंसी का फोकस उन जिलों पर रहेगा, जहां अभिषेक प्रकाश जिलाधिकारी के तौर पर रहे हैं। उनकी खेती और बाकी जमीनों पर भी जानकारी इकट्ठा की जाएगी। अभिषेक प्रकाश के लखनऊ के घर के विषय में भी ईडी जानकारी जुटा रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ अभिषेक प्रकाश पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के मामले में जांच चालू कर दी है। लखनऊ स्थित ईडी के अधिकारियों ने इस मामले में लखनऊ पुलिस से एफआईआर, जांच की जानकारी और दलाल निकांत जैन के विषय में सूचना तलब की है। ईडी दलाल निकांत जैन और उसके भाई की कम्पनियों और बाकी निवेश सम्बन्धित जानकारी भी जुटा रहा है। वह आने वाले दिनों में निकांत जैन को पूछताछ के लिए हिरासत में भी ले सकता है।

गर्मी की छुट्टी के दौरान भी खुलेंगे स्कूल

20 मई से 15 जून के बीच लगेंगे समर कैंप

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)।
यूपी के परिषदीय स्कूल गर्मियों की छुट्टियों के दौरान भी खोले जाएंगे। इस दौरान यहां समर कैंप के अलावा दूसरी गतिविधियां भी होंगी। इनमें बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई के साथ ही अतिरिक्त गतिविधियों से भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

समर कैंप 20 मई से 15 जून के बीच चयनित विद्यालयों में आयोजित किए जाएंगे।समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को शारीरिक

और मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हुए सीखने के लिए प्रेरित करना है। विभाग इस पर लगभग 200 करोड़ खर्च करेगा। यह पहल न सिर्फ बच्चों के शैक्षिक विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने में भी मददगार साबित होगी।

अब तक इस तरह की कवायद सिर्फ निजी विद्यालयों में ही होती है। विभाग के अनुसार कैंप में फाउंडेशनल लिट्रेसी और न्यूमेरसी (एफएलएन) पर आधारित गतिविधियां होंगी। जीवन कौशल, व्यक्तित्व विकास, योग, खेलकूद, विज्ञान-तकनीक आधारित प्रयोग, कला-सांस्कृतिक कार्यक्रम और पर्यावरण के प्रति उन्हें जागरूक बनाया जाएगा। कैंप सुबह डेढ़ घंटे तक ही आयोजित किए जाएंगे। शिक्षामित्र, अनुदेशक और शिक्षकों की देखरेख में कैंप का संचालन होगा। कैंप में बच्चों को सप्लीमेंट्री न्यूट्रीशन के तहत गुड़ की चिक्की, बाजरे का लड्डू, रामदाना लड्डू, गुड़-चना और लैया पट्टी जैसी पौष्टिक खानपान की चीजें भी दी जाएंगी।

मायावती ने खुद संभाली कमान, किया बड़ा फेरबदल

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)।
मायावती ने बसपा को फिर से गतिमान करने के लिए कमान संभाल ली है। उन्होंने संगठन के स्तर पर बड़े बदलाव भी किए हैं। मायावती ने पार्टी के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जोड़ने के लिए अभियान चलाने की घोषणा की। उन्होंने कई जिलों में भाईचारा कमेटियों का गठन भी किया है। मंगलवार को पार्टी कार्यालय में ओबीसी समाज की राज्य स्तरीय विशेष बैठक में बसपा सुप्रीमो ने कहा कि दलितों की तरह ही पिछड़े वर्गों के लोगों के प्रति केंद्र व राज्य सरकारों का जातिवादी, द्वेषपूर्ण व संकीर्ण रवैया रहा है। उनका शोषण और तिरस्कार हो रहा है। लिहाजा बहुजन समाज को आपसी भाईचारा के आधार पर संगठित करके व राजनीतिक शक्ति बनाकर सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान गांव-गांव में लोगों को कांग्रेस, भाजपा व सपा के दलित व अन्य पिछड़े वर्ग विरोधी चाल, चरित्र व चेहरे के साथ-साथ इनके द्वारा लगातार किए जा रहे छल तथा इन बहुजनों को उनके हक व न्याय से वंचित रखे जाने के बारे में जागरूक किया जाएगा। हमेशा अलग-थलग व बिखरे ओबीसी समाज के लोगों को मंडल आयोग की सिफारिश को लागू कराकर आरक्षण का संवैधानिक हक दिलाने से लेकर अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बसपा ने पार्टी व सरकार के स्तर पर जो ऐतिहासिक कार्य किए।

वर्ष 2012 में यूपी में बसपा के सत्ता से बाहर होने के बाद दलित व ओबीसी विरोधी ताकतों के सत्ता में आने से इन वर्गों के हालात फिर से लगातार बदतर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्गों के उत्थान के लिए इनकी सही-सही जनसंख्या एवं स्थिति जानना भी जरूरी है, जो केवल जाति आधारित जनगणना से ही संभव है। बैठक में आमजन की इस धारणा को स्वीकार किया गया कि गांधीवादी कांग्रेस, आरएसएसवादी भाजपा एवं सपा व इनकी पीडीए, जिसे लोग परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी भी कहते हैं, इसमें बहुजन समाज में से खासकर ओबीसी समाज के करोड़ों बहुजनों का हित कभी भी ना कभी सुरक्षित था और ना ही आगे सुरक्षित रह सकता है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे देश में जिला स्तर पर विचार-संगोष्ठी के रूप में मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के लोग इस बार अपने पूरे परिवार के साथ खासकर युवा पीढ़ी को भी कार्यक्रम में लेकर आएं। सभी संतों, गुरुओं एवं महापुरुषों आदि की जयंती व पुण्यतिथि के कार्यक्रम में भी अपने पूरे परिवार के साथ शामिल हों, जिससे युवा पीढ़ी अपनी पार्टी व मूवमेंट से अलग नहीं होगी। ऐसा करने से पार्टी को महिलाओं व युवाओं के लिए अलग से कोई फ्रंट आदि नहीं बनाने पड़ेंगे।

इसके अलावा पार्टी ने कई जिलों के जिलाध्यक्ष भी घोषित किए हैं। अयोध्या मंडल के तहत अयोध्या में कृष्ण कुमार पासी, अंबेडकरनगर में सुनील सावंत गौतम, सुल्तानपुर में सुरेश कुमार गौतम, अमेठी में दिलीप कुमार कोरी, बाराबंकी में कृष्ण कुमार रावत, प्रयागराज में पंकज कुमार गौतम, महाकुंभ मेला में सतीश जाटव, फतेहपुर में डॉ. दीप गौतम, प्रतापगढ़ में सुशील कुमार गौतम, कौशांबी में राकेश कुमार गौतम, मिर्जापुर में राजकुमार भारती, सोनभद्र में रामचंद्र रत्ना, भदोही में शिवनारायण गौतम को जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

20 साल तक रामनवमी पर होगा रामलला का सूर्य तिलक

अयोध्या, 25 मार्च (एजेंसियां)।
राम मंदिर ट्रस्ट ने फैसला लिया है कि आने वाले बीस सालों तक लगातार रामनवमी के दिन रामलला का सूर्य तिलक होता रहेगा। रामनवमी के मौके पर बीते वर्ष रामलला का सूर्य तिलक हुआ था। इस बार भी यह आयोजन होना है।

मंगलवार को हुई भवन निर्माण समिति की बैठक में रामलला के सूर्य तिलक को लेकर चर्चा हुई है। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि रामनवमी पर भगवान सूर्य रामलला का सूर्य तिलक करेंगे। अगले 20 वर्षों तक रामलला का सूर्य तिलक रामनवमी पर हो सके, इसकी स्थायी व्यवस्था अबकी बार कर ली जाएगी। सूर्य तिलक का कार्यक्रम देश और विदेश में लाइव प्रसारित किया जाएगा। सूर्य तिलक का प्रस्तुतीकरण भी बैठक में इंजीनियरों ने दिया है।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक में मंगलवार को निर्माण कार्यों की समीक्षा हुई। समिति के अध्यक्ष

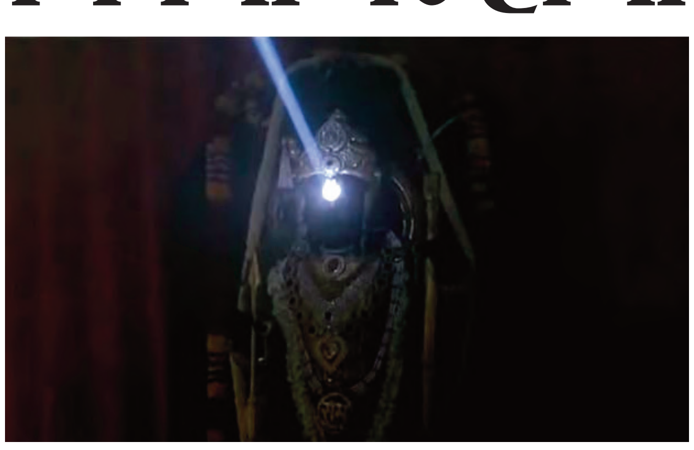

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि पहले तल पर राम दरबार की स्थापना होनी है। मई के शुरुआती 15 दिन के अंदर शुभ मुहूर्त में राम दरबार स्थापित हो जाएगा। राम दरबार के दर्शन के लिए पास की व्यवस्था होगी। एक घंटे में 50 लोगों को राम दरबार में दर्शन का पास जारी किया जाएगा। लगभग 800 लोग राम दरबार का प्रतिदिन दर्शन कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में 20 गैलरी का निर्माण शुरू हो गया है। भगवान के प्रसंग पर होने वाले प्रसारण में गैलरी की स्क्रिप्ट पर समीक्षा हुई है। रामकथा व हनुमान कथा के दर्शन श्रद्धालुओं को होंगे।

इसके अलावा मंदिर निर्माण के लिए चले 500 सालों के संघर्ष का इतिहास भी श्रद्धालु जान सकेंगे। राम मंदिर में चल रहे निर्माण से जुड़े सभी काम दिसंबर 2025 तक पूरे हो जाएंगे। राम जन्मभूमि परिसर में बन रहे ऑडिटोरियम का काम 2025 के बाद पूरा होगा। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर के चारों द्वार का काम शुरु हो गया है। रामनवमी के मौके पर चंपत राय द्वार के नाम की घोषणा कर सकते हैं। राम मंदिर आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महापुरुषों के नाम पर राम मंदिर के चारों द्वार का नाम होगा। अप्रैल के अंत में कैनोपी बनाई जा सकेगी। आवश्यकता पड़ने पर रामनवमी के समय कैनोपी और मैट की अस्थायी तौर पर राम मंदिर ट्रस्ट व्यवस्था करेगा ताकि श्रद्धालुओं को थोड़ी राहत मिल सके।

संपादकीय

आधी-अधूरी खुशी

हाल में जारी 'हैप्पीनैस इंडेक्स' में भारत की स्थिति में कुछ सुधार की बात तो जरूर सामने आयी है, लेकिन हमारी खुशी के सूचकांक को यूक्रेन, फिलीस्तीन, नेपाल व पाक से पीछे बताना गले नहीं उतरता। खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति-नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुश देश बताया जा रहा है। इसी कड़ी में डेनमार्क व स्वीडन भी हैं। ये विकसित देश भारत के एक शहर जितनी आबादी वाले देश हैं। इनके यहां साक्षरता दर ऊंची है व समृद्ध संसाधन उपलब्ध हैं। कहते भी हैं छोटा परिवार सुखी परिवार होता है। हमारे देश में प्रांतीय, जातीय व धार्मिक अस्मिता के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की दलीलें दी जा रही हैं। दुहाई दी जाती है कि हमारा धर्म इजाजत नहीं देता कि परिवार नियोजन अपनाया जाए। संसाधन सीमित हैं और खाने वाले मुंह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। फिर भी शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार एक हकीकत है, जिसको लेकर तमाम राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय आंकड़े समय-समय पर आते रहते हैं। भ्रष्टाचार का मतलब है कि किसी के वाजिब हक का मारा जाना। शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम यदि पिछड़े हैं तो कहीं न कहीं ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता भी है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना है कि मतदान का अधिकार रखने वाले चुनाव के दौरान योग्य प्रतिनिधियों के चयन से चूकते हैं। यही वजह कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में दागदार नुमाइंदों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। जब ऐसे तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनेंगे तो खुशी कहां से आएगी? स्पष्ट है कि यदि हम खुशी के मानकों में खरे नहीं उतरे हैं तो नीतियां बनाने वालों को आत्ममंथन करना होगा। जागरूक नागरिक व जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व तसवीर बदल सकता है।

खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति-नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है।

आप का नजरिया

गर्मी के तल्ख तेवर

कभी जिस मार्च के महीने को ठंड-गर्म के मिलेजुले सुहावने मौसम के रूप में याद किया जाता रहा है, उस दौरान यदि कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की जा रही है तो यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निर्विवाद रूप से यह दीवार पर लिखी इबारत है कि ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर हमारे जन-जीवन पर गहरे तक पड़ रहा है। मौसम के मिजाज में अभूतपूर्व बदलाव देखिए कि जहां हाल ही में कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी व कुछ राज्यों में बारिश हुई है, वहीं मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। एक ओर जहां झारखंड व ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र में विदर्भ के इलाकों में गर्म हवा चलने की चेतावनी दी गई है। बीते रविवार को ओडिशा के एक शहर का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं झारखंड में कुछ जगह पारा चालीस पार कर गया। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में लू चलने की खबरें हैं। मौसम विज्ञानी हैरत में हैं कि जैसी गर्मी पिछले साल अप्रैल के महीने में महसूस की गई थी, वैसी गर्मी मार्च के मध्य में क्यों महसूस की जा रही है। मौसम विभाग इसकी वजह देश के ऊपर बना उच्च दबाव मानता है। वहीं साफ मौसम की वजह से सूरज की सीधी किरणें तेज पड़ रही हैं। चेतावनी दी जा रही है कि आगामी कुछ दिनों में देश के अधिकांश हिस्से तेज गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमारी सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के मद्देनजर बचाव के उपायों को तेज करने की जरूरत है। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि लोगों का रहन-सहन, खान-पान और सार्वजनिक स्थलों पर व्यवहार कैसे रहें, ताकि लू की मार से बचा जा सके। गर्मी के दुष्प्रभाव पीड़ित लोगों के उपचार के लिये अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड बनाए जाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम के तेवरों में तल्खी के चलते हमारी खाद्य शृंखला भी खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। इन तीव्र बदलावों के चलते जहां खाद्यान्नों की पैदावार में गिरावट आ रही है, वहीं किसान बाढ़ व सूखे से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियाँ अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं

क्या महिला किसानों तक पहुँच रही है तकनीक?

प्रियंका सौरभ

नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाज़ार तक पहुँच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान से सम्बंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लिकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूर्वानुमान, इष्टतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाज़ार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान ऐप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है।

डिजिटल तकनीक और छोटे-मोटे हस्तक्षेपों ने भारतीय कृषि में महिलाओं के लिए परिदृश्य को काफ़ी हद तक बदल दिया है। इन नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाज़ार तक पहुँच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान से सम्बंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लिकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूर्वानुमान, इष्टतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाज़ार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान ऐप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल माइक्रोफाइनेंस प्लेटफ़ॉर्म, जैसे कि पेटीएम और नाबार्ड के ई-शक्ति, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। ई-एनएएम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और एग्रीबाज़ार जैसे प्लेटफ़ॉर्म महिला किसानों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने की अनुमति देते हैं, जिससे बिचौलियों की ज़रूरत नहीं पड़ती। महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियाँ अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। एआई तकनीकें मिट्टी के स्वास्थ्य, कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं। उन्नत सिंचाई प्रणाली और सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप पानी के उपयोग को कम करने और महिला किसानों के शारीरिक कार्यभार को कम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को समूह ऋण, प्रशिक्षण और कृषि संसाधनों तक पहुँच से लाभ होता है। तेलंगाना में डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी इन महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के माध्यम से बाजरा की खेती का समर्थन करती है। महिलाओं पर बोझ कम करने में मदद करने के लिए बीज बोने वाले, हाथ से चलने वाले ट्रैक्टर और सोलर ड्रायर जैसे सरल कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। सरकारी पहल मशीनीकृत उपकरणों के लिए

सब्सिडी प्रदान करती है, जो महिलाओं के लिए फायदेमंद है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना जैसे एनजीओ और सरकारी कार्यक्रम आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। डिजिटल साक्षरता पहल महिला किसानों को नए तकनीकी समाधानों को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है। महिलाएँ जैविक खेती, पर्माकल्चर और जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों में तेज़ी से शामिल हो रही हैं। वर्मीकम्पोस्टिंग पिट, छत पर बगीचे और कृषि वानिकी जैसे छोटे पैमाने के हस्तक्षेप स्थायी आय में योगदान करते हैं। टाटा ट्रस्ट्स द्वारा लखपति किसान पहल ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं को कृषि प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। डिजिटल ग्रीन पहल ग्रामीण महिलाओं को बेहतर खेती के तरीकों के बारे में शिक्षित करने के लिए वीडियो का उपयोग करती है। वाग्धारा जैसे किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) महिलाओं को सामूहिक रूप से बेहतर कीमतों पर बातचीत करने में सहायता करते हैं। आज की दुनिया में, डिजिटल तकनीक और छोटे-छोटे हस्तक्षेप कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत रूप से, महिलाओं को निराई, थ्रेसिंग और डी-हल्किंग जैसे श्रम-गहन और समय लेने वाले काम सौंपे जाते रहे हैं। हालाँकि, मशीनीकरण उनके कार्यभार को हल्का करने में मदद करता है, जिससे उन्हें अधिक मूल्यवान कृषि गतिविधियों में संलग्न होने की अनुमति मिलती है। मोबाइल ऐप, हेल्पलाइन और सलाहकार सेवाओं सहित डिजिटल उपकरण महिलाओं को अप-टू-डेट बाज़ार और मौसम की जानकारी प्रदान करते हैं, जो बेहतर फ़सल योजना और संसाधन प्रबंधन में सहायता करता है। कई महिलाओं को ऋण और वित्तीय संसाधनों तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो आधुनिक कृषि तकनीकों में निवेश करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। सौभाग्य से, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म मछली विक्रेताओं और किसानों जैसी महिलाओं को स्वतंत्र रूप से लेन-देन करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होती है। महिलाओं को कृषि मशीनरी चलाने के कौशल से लैस करके, ये छोटे-छोटे हस्तक्षेप जड़ जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हैं और महिलाओं को खेती में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी तक पहुँच महिलाओं की पारंपरिक बाधाओं को दूर करने और अपनी स्वतंत्रता का दावा करने की क्षमता को बढ़ाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएँ डिजिटल साक्षरता से जूझती हैं, जो मोबाइल एप्लिकेशन और ऑनलाइन सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। स्मार्टफ़ोन तक सीमित पहुँच और अविश्वसनीय इंटरनेट कनेक्शन से स्थिति और भी खराब हो गई है। सामाजिक मानदंड निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रतिबंधित करना जारी रखते हैं। घरेलू स्तर पर निवेश अक्सर उन तकनीकों पर केंद्रित होता है जो मुख्य रूप से पुरुषों को लाभ पहुँचाती हैं, महिलाओं की अनूठी ज़रूरतों की उपेक्षा करती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी नीतियाँ और कृषि विस्तार सेवाएँ अक्सर लिंग-विशिष्ट मुद्दों को अनदेखा करती हैं। केवल 13% ग्रामीण महिलाओं के पास ज़मीन है, इसलिए ऋण और कृषि कार्यक्रमों तक उनकी पहुँच बहुत सीमित है। कृषि और मत्स्य पालन में मशीनीकरण के बढ़ने से महिलाओं की नौकरियाँ चली गई हैं, जिससे उन्हें अधिक अस्थिर और अनौपचारिक रोज़गार में जाना पड़ रहा है। मछली बाज़ारों में बड़े खरीदारों और निर्यात व्यापारियों के बढ़ते प्रभुत्व ने छोटे पैमाने की महिला विक्रेताओं को हाशिये पर धकेल दिया है, जिससे मछली की आपूर्ति और उचित मूल्य तक उनकी पहुँच सीमित हो गई है। हालाँकि मोबाइल एप्लिकेशन, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और डिजिटल भुगतान प्रणाली नए अवसर प्रदान करती हैं, फिर भी कई ग्रामीण महिलाओं को स्मार्टफ़ोन, इंटरनेट एक्सेस और डिजिटल कौशल की कमी के कारण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में सिर्फ़ 31% ग्रामीण महिलाओं के पास स्मार्टफ़ोन हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आँकड़ा 51% है।

दृष्टि कोण

हिंदी विरोध के पीछे सांप्रदायिक पूर्वाग्रह भी हैं

देश के धुर दक्षिणी प्रान्त तमिलनाडु में भारत की राष्ट्रभाषा- हिन्दी के विरोध में एक बार फिर से राजनीति गरमा रही है। अपनी राजनीति को बचाने के लिए प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन हिंदी विरोध को नए ढंग से हवा देते हुए दिखाई दे रहे हैं। हमारे देश के राजनीतिज्ञों की यह प्रवृत्ति बन चुकी है कि वे निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए राजनीति को मनचाहे ढंग से हांकते हैं। हिंदी का विरोध करने वाले राजनीतिक लोगों का यह आरोप अनर्गल है कि इस समय केंद्र अपनी नई शिक्षा नीति के माध्यम से प्रदेश पर हिंदी को थोपने का काम कर रहा है। जब अमेरिका जैसा विशाल देश भी अमेरिकन इंग्लिश को अपनी राष्ट्रभाषा घोषित कर सकता है तो भारत को यह अधिकार क्यों नहीं है कि वह भी हिंदी को अपनी राष्ट्रभाषा घोषित करे? परन्तु भाषा के नाम पर होने वाले इस प्रकार के विरोध प्रदर्शन ही केंद्र सरकार को हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित करने से रोक देते हैं। तोड़फोड़ और विखंडन के माध्यम से राष्ट्रवाद को कमजोर करने वाले असदुद्दीन ओवैसी और एमके स्टालिन जैसे राजनीतिज्ञों को जब कोई अन्य मुद्दा नहीं मिलता है तो वह अपनी परंपरागत राजनीति के माध्यम से लोगों के बीच विभेद उत्पन्न करने की नीति पर आ जाते हैं। वास्तव में इस समय देश की केंद्र सरकार को भाषा नीति के संबंध में स्पष्ट नियम बनाने चाहिए। इस बात पर आम सहमति बननी चाहिए कि हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित करने के साथ-साथ स्थानीय भाषाओं को भी सम्मान के भाव से देखा जाता रहेगा, परंतु राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और लोगों के बीच हिंदी को संपर्क की भाषा बनाने के दृष्टिगत हिंदी को राष्ट्रभाषा का सम्मान मिलना समय की आवश्यकता है। यह बहुत ही दुःखद है कि असदुद्दीन ओवैसी जैसे राजनीतिक व्यक्ति भारत में अंग्रेजी की वकालत करते हुए दिखाई दें तो इसके पीछे कारण केवल एक है कि असदुद्दीन ओवैसी यह भली प्रकार जानते हैं कि वर्तमान परिस्थितियों में यदि वह उर्दू का पक्ष लेते हुए दिखाई देंगे तो लोग उन्हें किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं करेंगे। तब उनके लिए

यह सरल है कि हिंदी के विरोध में दक्षिण के राज्यों के लोगों को उकसाया जाए और इसे एक मुद्दा बनाए रखकर राजनीति को भी गरमाए रखा जाए। तमिलनाडु में जिस प्रकार भाजपा अपना जनाधार बढाती जा रही है, उसे रोकने के लिए एमके स्टालिन के लिए यह सरल है कि वह हिंदी के विरोध में लोगों को भड़का दें। इस प्रकार की परिस्थितियों में स्पष्ट हो जाता है कि तमिलनाडु में हिंदी के विरोध में जो कुछ भी किया जा रहा है, उसके पीछे केवल और केवल राजनीति खड़ी है। लोग वहां पर रेलवे स्टेशनों पर हिंदी में लिखे नामों को मिटा रहे हैं, यदि ऐसा करने वाले लोगों कोई यह पता चल जाए कि ऐसा करने से उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही हो सकती है तो वह कभी भी ऐसा गैर कानूनी और राष्ट्र विरोधी कार्य नहीं करेंगे। वह ऐसा कार्य तभी कर पा रहे हैं जब उन्हें राजनीति छूट दे रही है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि एक समय वह था जब दक्षिण के लोग हिंदी का इसलिए विरोध करते थे कि हिंदी उर्दू, अरबी, फारसी के शब्दों से भरी हुई 'खिचड़ी भाषा' के रूप में उन्हें दिखाई देती थी। वह संस्कृतनिष्ठ हिंदी के समर्थक रहे हैं। अतः उन्हें उर्दू मिश्रित हिंदी का विरोध करना ही चाहिए था? इस प्रकार दक्षिण के हिंदू समाज के लोग शुद्ध राष्ट्रवादी दृष्टिकोण अपना कर हिंदी का विरोध कर रहे थे। जबकि ओवैसी जैसे लोग उर्दू की स्थिति को मजबूत करने के लिए हिंदी के स्वरूप को बिगाड़ने का खेल खेल रहे हैं। कहने का अभिप्राय है कि ओवैसी की मानसिकता सांप्रदायिक है और वह सांप्रदायिक आधार पर ही हिंदी का विरोध कर रहे हैं। अपने इसी दृष्टिकोण से आत्मप्रेरित होकर वह लोगों को हिंदी विरोध में उकसा रहे हैं। इसी समय दक्षिण भारत में ईसाई मिशनरियों की ओर भी हमें देखना चाहिए। ईसाई मिशनरियों की मानसिकता प्रारंभ से ही भारत में ईसा मसीह की शिक्षाओं को लागू करना रहा है। इसके लिए वह अंग्रेजी साहित्य को प्रोत्साहित कर बाइबिल की शिक्षाओं को भारत के लोगों पर लादना चाहते हैं। यह खेल सदियों पुराना है। आज जब देश के भीतर ईसाई मत को मानने वाले लोगों की संख्या अच्छी खासी हो गई है, तब ईसाई मिशनरियों या ईसाई लोगों के द्वारा दक्षिण में हिंदू और हिंदी का विरोध करना भी उनकी मजहबी सोच को ही प्रकट करता है। दक्षिण के और विशेष रूप से तमिलनाडु के लोगों को वह अंग्रेजी के प्रति पूर्वाग्रह रखने के लिए प्रेरित करते हैं। यह दुखद है कि आज दक्षिण के इस प्रांत में हिंदी को उपेक्षित कर अंग्रेजी के समर्थन में नारे लगाए जाते हैं। कितना अच्छा होता कि हिंदी का विरोध करने वाले लोग तमिलनाडु के रेलवे स्टेशनों पर अंग्रेजी में लिखे नाम को भी मिटाते? हिंदी के मूल्य पर अंग्रेजी की वकालत करने वाले लोगों को पश्चिमी जगत भी प्रोत्साहित कर रहा है। जबकि ओवैसी जैसे राजनीतिक लोगों को भी ऐसी कई देश विरोधी शक्तियों का समर्थन प्राप्त है जो भारत के लोगों को परस्पर के तुच्छ विवादों में उलझाए रखना चाहती हैं। इस प्रकार दक्षिण के भाषा संबंधी विवाद को इस्लाम और ईसाइयत की इस मजहबी संकीर्ण सोच के माध्यम से भी देखने की आवश्यकता है। दुर्भाग्यवश भारत की राजनीति और राजनीतिज्ञों को सब कुछ पता होते हुए भी विवाद की सबसे संवेदनशील नब्ज पर कोई भी हाथ नहीं रखेगा। यहां तक कि भाजपा भी ऐसा नहीं करेगी। इसका अंतिम परिणाम यह आता है कि मजहब के आधार पर राजनीति करने वाले कथित सेकुलर दलों की दाल गलती रहती है और राष्ट्र का अहित होता रहता है।

पाठ पत्र

मनोबल गिराने वाली कार्रवाई...

किसी भी देश की सेना उस देश की आन, बान और शान होती है। अपने जीवन को देश की खातिर अर्पित कर, यह सैन्य बल देश की आजादी, अमन-चैन को कायम कर हमें खुली हवा में चैन की सांस लेने और नागरिक समाज को परिवारों सहित देश के भीतर खुशहाल बनाने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। अभी हाल ही में पंजाब राज्य के पटियाला में ऑन ड्यूटी सेवा में रहते हुए एक कर्नल साहब पुष्पेंद्र सिंह बाथ एवं उनके बेटे को पटियाला पुलिस के एक नहीं, बारह पुलिस के जवानों ने मिलकर डंडों से निर्ममता के साथ पिटाई कर अधमरा कर दिया। ऐसा अत्याचार तो कोई दुश्मन देश भी हमारे जवानों को पकडऩे के बाद उन पर नहीं करता। यह कार्रवाई सैन्य बलों का मनोबल गिराने वाली है। दोषियों को दंड मिलना चाहिए।

-ठाकुर तारा, सुंदरनगर, मंडी

वैश्विक होती दुनिया में पेड़

फलक पर सबसे अहम्‌ गणना, जनगणना मानी जाती है। हालांकि पालतू-पशु, वन्य जीव और वृक्षों की गिनती भी होती रही है, लेकिन इन्हें जनगणना के मुकाबले अहमियत नहीं दी जाती। यही वजह रही कि विश्व स्तर पर वृक्षों की, की गई गिनती के निष्कर्षों को समाचार माध्यमों ने उतना महत्व नहीं दिया, जितना दिया जाना चाहिए था, जबकि पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया, पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं है। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं।

-प्रमोद भार्गव

प्रेरक प्रसंग

अपनी बुराई सुनकर परेशान नहीं होना चाहिए

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत

नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

कुछ अलग

महावीर स्वामी की शिक्षाओं से क्या सीखें

डेढ़ बाजार की भीड़ में, ट्रैफिक के शोर में, भागते समय के पहियों के नीचे, क्या कभी रुक कर हमने अपने भीतर झांकने की कोशिश की है? जिस आत्मा के साथ हम इस दुनिया में आए, क्या वह आत्मा अब भी वैसी ही शांत, निर्मल और उज्ज्वल है? शायद नहीं। और यही वह क्षण है जब महावीर स्वामी की वाणी की गूंज हमें भीतर तक झकझोर देती है। उन्होंने ही कहा था- "परिग्रह (मोह, लोभ) ही दुखों की जड़ है।" महावीर स्वामी, जिनका जन्म राजमहलों में हुआ, उन्होंने वह सबकुछ त्याग दिया, जिसे हम जीवन की उपलब्धि मानते हैं। क्यों? क्योंकि उन्होंने जान लिया था कि बाहरी दुनिया की दौलत हमें भीतर की शांति नहीं दे सकती। आज हम भी उन्हीं महलों के नए रूप – बड़ी गाड़ियां, मोबाइल, चमकदार कपड़े, सोशल मीडिया की वाहवाही आदि में उलझे हैं। लेकिन क्या इन सबसे हमें सच्चा सुकून मिलता है? शायद नहीं। महावीर की पहली और सबसे बड़ी शिक्षा है – "अहिंसा परमो धर्मः" हम सोचते हैं, "मैंने किसी को मारा नहीं, तो मैं अहिंसक हूं।" लेकिन क्या यह पूरा सच है? हमारी वाणी की हिंसा – किसी को कटु बोल देना, किसी का अपमान कर देना, किसी की निंदा करना – ये सब हिंसा नहीं है क्या? आज के इस असहिष्णु समय में, जहाँ छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं, वहां अगर हम केवल महावीर की अहिंसा को जी लें, तो दुनिया कितनी सुंदर हो सकती है। अहिंसा केवल तलवार न उठाना नहीं है, विचारों, वाणी और व्यवहार से किसी को आहत न करना भी अहिंसा है। दूसरी महत्वपूर्ण सीख है – "सत्य"। महावीर कहते हैं, "जीवन में जो भी कहो, सोच-समझ कर कहो, और वही कहो जो सच हो।" लेकिन क्या हम ऐसा करते हैं? हम अपने बच्चों से, मित्रों से, जीवन साथी से, ऑफिस में – हर जगह झूठ का सहारा लेते हैं। कभी डर के कारण, कभी अपने स्वार्थ के कारण। पर क्या यह झूठ हमें सुख देता है? नहीं। हर झूठ के पीछे छिपा डर, हमारी आत्मा को कचोटता रहता है।

देश दुनिया से

राहुल गांधी के बयान के बाद कांग्रेस में मंथन शुरू

डेढ़ सौ साल पुरानी देश की इकलौती पार्टी कांग्रेस में इन दिनों संगठन की मजबूती के लिहाज से "सर्जरी" का दौर चल रहा है। पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी के गुजरात में दिए बयान के बाद निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को पार्टी से बाहर करने की कवायद शुरू हो गई है। अपने ही कार्यकर्ताओं की निष्ठा एवं समर्पण पर सवाल तथा भाजपा से कथित सांठ-गाँठ के आरोप के बाद अब कांग्रेस कार्यकर्ताओं की राजनीतिक विचारधारा के "डीएनए" की जांच पर पार्टी में अंदरखाने घमासान है। इसके साथ ही देश के लगभग सभी सूबों में कांग्रेस संगठन में बदलाव कर निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को बाहर कर नए कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देने का काम शुरू हो गया है। उधर, भाजपा ने राहुल गांधी के बयान तो लेकर कटाक्ष करते हुए उनकी अगुवाई में कांग्रेस के सबसे खराब प्रदर्शन की बात कहकर एक नया राजनीतिक विमर्श भी सेट कर दिया है। दरअसल, बीते दिनों गुजरात दौरे पर गए राहुल गांधी ने अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि पार्टी में दो तरह के नेता है। एक वो, जो जनता के साथ खड़े होते हैं, उनके लिए लड़ते हैं और उनका सम्मान करते हैं क्योंकि उनके दिल में कांग्रेस है। दूसरे, जो अलग-थलग बैठते हैं, लोगों का सम्मान नहीं करते और भाजपा के साथ सांठ-गांठ करते हैं। कांग्रेस में शेर तो हैं लेकिन वे चेन से बंधे हैं। अगर जरूरत हुआ, तो तीस चालीस प्रतिशत लोगों को कांग्रेस से बाहर निकाला जा सकता है। पार्टी फोरम पर अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी के विरुद्ध दिए गए इस बयान के बाद कांग्रेस में चिंतन और मंथन का दौर शुरू हो गया है। पार्टी पदाधिकारी इस बयान को राहुल गांधी द्वारा पार्टी को मजबूती प्रदान करने की एक "सच्ची" कोशिश मान रहे हैं। वहीं, कुछ लोग गुप-चुप रूप से ही सही यह भी कहने से नहीं चूक रहे कि कार्यकर्ताओं के विरुद्ध इस कथित टिप्पणी से उनका मनोबल काम होगा और भाजपा के साथ लड़ाई में कांग्रेस एक बार फिर से कमजोर होगी। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद एक बार फिर से यह सवाल खड़े हुए कि आखिरकार कांग्रेस की हार के कारण क्या हैं? हार के मंथन के दौरान इंडिया गठबंधन के साथ पार्टी के तालमेल सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रियता और पार्टी के प्रति उनके समर्पण पर भी सवाल उठे।

बलूचिस्तान में राज्य विरोधी गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मचारी नपेंगे

इस्लामाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने राज्य विरोधी गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने सभी आयुक्तों और जिला अधिकारियों को ऐसे कर्मचारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के आदेश जारी किए। उन्होंने सोमवार को बलूचिस्तान में समग्र कानून और व्यवस्था की स्थिति पर एक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारियों का यह आचरण अस्वीकार्य है।

पाकिस्तान के समाचार द न्यूज के अनुसार, बैठक में बलूचिस्तान के मुख्य सचिव शकील कादिर खान, पुलिस महानिरीक्षक मोजाम जाह अंसारी, प्रमुख विभागों के सचिव, सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद, सभी संभागीय आयुक्त, उपायुक्त, डीआईजी और जिला पुलिस अधिकारियों ने एक वीडियो लिंक के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया। बुगती ने कहा कि बलूचिस्तान में कोई भी राजमार्ग बंद नहीं किया जाए। जिलास्तर पर राज्य विरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा। प्रांत के सभी शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रगान अवश्य बजाया जाना चाहिए और राष्ट्रीय ध्वज अवश्य फहराया जाना चाहिए। इन आदेशों का पालन न करने वाले संस्थानों के प्रमुखों को इस्तीफा देना होगा।

मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी जो सरकारी नीतियों के अनुसार काम नहीं कर सकता है, उसे स्वेच्छा से इस्तीफा दे देना चाहिए। बलूचिस्तान में किसी भी चौकी पर जबरन वसूली को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए संबंधित एसएचओ या लेवी अधिकारी को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

तुर्किये में विपक्षी नेता की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन अब तक 1100 हिरासत में

अंकारा। राष्ट्रपति एर्दोगन के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा है। इसी गुस्से के चलते हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। जिसमें से 11 सौ लोगों को हिरासत में लिया है। नाराजगी की वजह ये हैं कि यहां विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कई जगहों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई है। प्रदर्शनकारी सड़कों, यूनिवर्सिटी और मेट्रो स्टेशनों पर सरकार विरोधी नारे लगा रहे हैं। कई सड़कों और मेट्रो लाइनों को भी बंद कर दिया गया है।सरकार ने देश के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में 4 दिन के लिए सार्वजनिक समारोह करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। तुर्किये में इस्तांबुल के मेयर और विपक्षी नेता इकरम इमामुलू की गिरफ्तारी के बाद राष्ट्रपति एर्दोगन के खिलाफ सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन जारी है। पिछले 5 दिन में 1,133 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।तुर्की के मंत्री अली येरलिकाया का कहना है कि हमारी सड़कों पर आतंक फैलाना और हमारे देश की शांति और सुरक्षा को खतरे में डालना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक गोल्ड कार्ड 44 करोड़ में बेच रहा अमेरिका, एक दिन में एक हजार बेचे

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम आधिकारिक तौर पर लॉन्च होने से पहले ही सुपर हिट हो गया। दावा किया जा रहा है कि हर रोज अमेरिका एक हजार गोल्ड कार्ड बेच रहा है। एक गोल्ड कार्ड की कीमत 44 करोड़ है और एक दिन में एक हजार कार्ड बिक रहे हैं यानी हर रोज 44 हजार करोड़ रुपए अमेरिका के पास आ रहे हैं। यूएसए के कॉमर्शियल सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने दावा किया कि उन्होंने एक दिन में ही 1000 गोल्ड कार्ड बेच दिए हैं।एक गोल्ड कार्ड की कीमत 5 मिलियन डॉलर (44 करोड़ भारतीय रुपए) है। यानी कि एक दिन में ही 44 हजार करोड़ रुपए के गोल्ड कार्ड बेच दिए गए हैं। हॉवर्ड ने कहा कि लोग गोल्ड कार्ड लेने के लिए लाइन में लगे हुए हैं। हालांकि, यह प्रोग्राम आधिकारिक तौर पर करीब दो हफ्ते बाद शुरू होगा। इलॉन मस्क अभी इसके लिए सॉफ्टवेयर बना रहे हैं। कार्ड खरीदने वाले अगर अवैध कामों में शामिल हैं तो अमेरिका इस कार्ड को हमेशा के लिए रद्द कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर मैं अमेरिकी नहीं होता तो 6 गोल्ड कार्ड खरीदता- एक मेरे लिए, एक मेरी पत्नी के लिए और चार मेरे बच्चों के लिए। रद्द भी हो सकते हैं गोल्ड कार्ड ट्रम्प सरकार 10 लाख गोल्ड कार्ड का टारगेट लेकर चल रही है। प्रशासन का मानना है कि यह ज्यादा मुश्किल नहीं है, क्योंकि दुनिया में 3.7 करोड़ लोग ऐसे हैं जो इसे खरीद सकते हैं। अमेरिकी सरकार इस प्रोग्राम से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल देश के कर्ज को कम करने के लिए करेगी। हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि गोल्ड कार्ड खरीदने वालों को अमेरिका में अनिश्चित काल तक रहने का अधिकार मिलेगा।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पत्नी के ग्रीनलैंड विजिट का बायकॉट करेगा ग्रीनलैंड

वॉशिंगटन। इस माह 27 से 29 मार्च तक अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस ग्रीनलैंड के दौरे पर पहुंचने वाली हैं। दौरे से पहले नया विवाद खड़ा हो गया है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने उषा वेंस की इस विजिट का बायकॉट करने का फैसला किया है। उन्होंने इस हाई प्रोफाइल विजिट को उकसाने वाला बताया है। एगेडे ने कहा कि अमेरिका के साथ की गई डील की वजह से उषा वेंस की ग्रीनलैंड में अमेरिकी मिलिट्री बेस की विजिट को रोकना मुमकिन नहीं है, लेकिन अंतरिम सरकार अमेरिकी डेलिगेशन से नहीं मिलेगी। वहीं व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने कहा-इस यात्रा का उद्देश्य ऐसी साझेदारी का निर्माण करना है जो ग्रीनलैंड के आत्म निर्णय का सम्मान करे और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा दे। दो महीने पहले ट्रम्प के बड़े बेटे भी ग्रीनलैंड पहुंचे थे उषा वेंस के साथ अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्टज और ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ग्रीनलैंड पहुंचेंगे। इस विजिट से दो महीने पहले राष्ट्रपति ट्रम्प के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर भी ग्रीनलैंड पहुंचे थे, तब उस विजिट को निजी यात्रा बताया गया था। अपनी यात्रा से पहले उषा वेंस ने एक वीडियो मैसेज शेयर किया है। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड की उनकी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आपसी सम्मान और सहयोग के लंबे इतिहास का जश्न मनाना है।

फिलिस्तीन समर्थक कोलंबिया विवि की छात्रा ने ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा किया

वाशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)।

फिलिस्तीन समर्थक एक छात्रा ने सोमवार को ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा किया है। आरोप लगाया गया है कि अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग ने उसे फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों में हिस्सा लेने के बाद निष्कासित करने के लिए हिरासत में लेने का प्रयास किया। यह सब राजनीतिक प्रतिशोध की वजह से हुआ। मांग की गई है कि फिलिस्तीनी अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े व्यक्तियों को आव्रजन प्रवर्तन के लिए लक्षित करने के पैटर्न और अभ्यास% पर रोक लगाई जाए।

खबर में मुकदमे में दर्ज विवरण के आधार पर यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 21 वर्षीय युनसेओ चुंग अमेरिका की स्थायी निवासी है। वह अमेरिका में लंबे समय से रह रही हैं। वह सात साल की थी जब उसका परिवार दक्षिण कोरिया से अमेरिका आया था। वह न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय की जूनियर छात्रा है। वह कोलंबिया अंडर ग्रेजुएट लॉ रिव्यू में भी शामिल रही है। कानूनी क्षेत्र में इंटर्नशिप की है।

चुंग के वकीलों का तर्क है कि उनका मुवक्किल गैर-नागरिकों की कतार में से एक है, जिसमें महमूद खलील और रंजनी श्रीनिवासन शामिल हैं, जिन्हें ट्रंप प्रशासन फिलिस्तीनी अधिकारों के समर्थन में बोलने के लिए दंडित कर रहा है। यह कार्रवाई राज्य विभाग और होमलैंड सुरक्षा विभाग की अपनाई गई नीति के माध्यम से की जा रही है। मुकदमे में कहा गया है कि चुंग ने हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध के खिलाफ कैंपस में विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया। उन्हें विश्वविद्यालय की इमारतों पर पोस्टर लगाने के लिए अनुशासनात्मक प्रक्रिया का सामना करना पड़ा।

वकीलों के अनुसार, 5 मार्च को चुंग ने कोलंबिया विश्वविद्यालय प्रशासन की दी गई अत्यधिक सजा के विरोध में विद्यार्थियों के धरने में भाग लिया। इस दौरान उसे न्यूयॉर्क पुलिस ने गिरफ्तार किया। मुकदमे में कहा गया है कि विश्वविद्यालय ने गिरफ्तारी के कारण चुंग के परिसर में आने-जाने पर रोक लगा दी। संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारी ने 10 मार्च को चुंग के वकील को बताया कि उसकी वैध स्थायी निवासी स्थिति को रद्द किया जा रहा है।मुकदमे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बॉन्डी, होमलैंड सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम साथ ही आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स और न्यूयॉर्क आसीई के कार्यवाहक फील्ड ऑफिस निदेशक विलियम पी. जॉयस को प्रतिवादी बनाया गया है। होमलैंड सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि चुंग को आव्रजन कानूनों के तहत निष्कासन कार्यवाही के लिए बुलाया जा रहा है। चुंग का आचरण चिंताजनक है। चुंग को आव्रजन न्यायाधीश के समक्ष अपना मामला प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

कनाडा की जासूसी एजेंसी का दावा: भारत और चीन कुशासन में दखल दे सकते हैं

ओटावा। कनाडा की जासूसी एजेंसी ने चुनाव से पहले भारत और चीन को लेकर एक बड़ा दावा किया है कि वे कनाडा के आगामी आम चुनाव में हस्तक्षेप कर सकते हैं। इस आरोप के बाद, नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 28 अप्रैल को देश में चुनाव कराने का ऐलान किया है। कनाडाई जासूसी सर्विस के अनुसार, दूसरे देशों जैसे रूस और पाकिस्तान के साथ साथ भारत और चीन ने भी अपनी नजरें कनाडा के चुनाव में हस्तक्षेप करने पर दर्जहर की हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन जातियों और सांस्कृतिक समुदायों को टार्गेट करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकता है। कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा की डिप्टी डायरेक्टर ने कहा, हमने यह देखा है कि भारत और चीन कनाडा के चुनाव में हस्तक्षेप करने का प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने इस बयान में भी कहा कि ऐसा करने का मकसद उनकी भू-राजनीतिक प्रभाव को मजबूत करना है। भारत सरकार ने इस आरोप पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस इस्तेमाल की गई छवियों में अनियंत्रित हालात बनाने के लिए एक नया चैनल मौजूद है, जो कनाडा के प्रतिष्ठितीकरण को खतरे में डाल सकता है।

बांग्लादेश में बढ़ रहा अत्याचार सेना प्रमुख की चेतावनी

ढाका, 25 मार्च (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस को सरकार की कमान मिलने के बाद से हालात सुधार नहीं रहे हैं। हाल ही में बांग्लादेशी सेना प्रमुख जनरल वकार-उज़-ज़मां ने देश में संभावित आतंकी हमलों की आशंका जताते हुए सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान हिन्दुओं पर हमला हुआ और भारत विरोधी भावनाएं भड़कीं।

आतंकी हमलों की आशंका जताते हुए सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए

अब सेना प्रमुख ने आतंकी हमलों की चिंता व्यक्त की और सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने का आग्रह किया। देश में बढ़ती कानून-व्यवस्था के माध्यम से भी जनरल वकार ने अपनी चिंता व्यक्त की और उसे रोकने की जरूरत बताई। वह ने कहा कि हमें इन अपराधों को नियंत्रित करने की जरूरत है, और हमेशा निर्णायक कार्रवाई की जानी चाहिए। इस बयान के बाद बांग्लादेश में अस्थिरता की चिंता बढ़ी है, जबकि भारत सहयोग के रूप में देश से चावल की भरमार हो रही है। भारत द्वारा शेख हसीना सरकार का समर्थन और चावल आयात को लेकर सहयोग शुरू किया गया है। बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षिति केंद्रित उपायों की जरूरत है, और जनरल वकार की चेतावनी को सीरियसली लेना होगा। जनरल वकार ने बांग्लादेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी कहा, हालांकि अपराध दर पिछले वर्षों के समान बनी हुई है, लेकिन कुछ स्पष्ट घटनाएं लोगों में डर का माहौल बना रही हैं। हमें इन अपराधों को रोकने और नियंत्रित करने की जरूरत है। जब भी कार्रवाई करें, तो वह निर्णायक होनी चाहिए। हालांकि बांग्लादेश के तमाम विरोधी रुख के बावजूद भारत अब तक दोस्ती का हाथ बढ़ाए हैं। यहां से 11,500 टन उसना चावल चटगांव बंदरगाह पहुंचा है। बांग्लादेश सरकार ने भारत से नौ पैकेजों के तहत कुल 4,50,000 टन उसने चावल के आयात के लिए अनुबंध किया है। अब तक 2,85,769 टन चावल बांग्लादेश में पहुंच चुका है, जबकि शेष खेप चरणबद्ध तरीके से भेजी जाएगी।

साउथ अफ्रीका में एयर शो के दौरान प्लेन क्रैश पायलट की मौत

साउथ अफ्रीका के सलदान्हा शहर में वेस्ट कोस्ट एयर शो के दौरान प्लेन क्रैश होने से पायलट की मौत हो गई। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। फुटेज में एयर शो के दौरान क्रैश होने से पहले प्लेन आसमान में गोता खाते नजर आता है। शो के आयोजकों ने पायलट का नाम जेम्स ओकॉनेल बताया।रिपोर्ट्स के मुताबिक कॉनेल काफी एक्सपीरियंस पायलट थे। वह एयर शो के दौरान इम्पाला मार्क 1 प्लेन की खूबियों का प्रदर्शन कर रहे थे। इस एयर शो को देखने के लिए हजारों दर्शक जमा हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एयर शो के दौरान ज्यादातर टाइम प्लेन पायटल के कंट्रोल में ही था, लेकिन अचानक विमान की ऊंचाई कम हो गई और वह तेजी से जमीन की तरफ गोता लगाने लगा।

इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में ऑस्कर विजेता फिलिस्तीनी निर्देशक पर हमला

यरुशलम, 25 मार्च (एजेंसियां)।

इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में ऑस्कर विजेता फिल्म नो अदर लैंड के फिलिस्तीनी सह-निर्देशक हमदान बल्लाल पर हमला हुआ है। आरोप है कि यहां बसे इजराइली समूह ने इनको पीटा और इसके बाद इजराइली सैनिक उन्हें अपने साथ ले गए। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन को उनके सहयोगियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी।

इस फिल्म के निर्देशन में सहयोगी बेसल अद्रा के अनुसार, वह सोमवार को हमदान को देखने उनके घर गए थे। वो सुस्या गांव में रहते हैं। उन्होंने परेशानी में बुलाया था। बल्लाल के घर के बाहर इजराइलियों का एक समूह पथराव कर रहा था। इजराइली पुलिस और सेना भी उनके घर के बाहर थी। इजराइली सैनिक उन सभी पर गोलियां चला रहे थे।

इजराइली सेना ने कहा कि फिलिस्तीनियों और इजराइलियों के बीच हिंसक टकराव की सूचना पर वहां पहुंचे थे। यह टकराव आतंकवादियों के इजराइली नागरिकों पर पथराव के बाद शुरू हुआ। कुछ आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर भी पत्थर फेंके। इसके बाद तीन फिलिस्तीनी और एक इजराइली नागरिक को पूछताछ के लिए ले जाया गया। इस फिल्म के एक अन्य सह-निर्देशक और इजराइली मूल के युवल अब्राहम ने कहा कि बल्लाल के सिर और पेट में चोटें आई हैं। उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल रहा है।

यहूदी अहिंसा केंद्र में रहने वाले पांच अमेरिकी कार्यकर्ताओं ने कहा कि वह घटनास्थल पर मौजूद थे। हम लोगों पर भी इजराइल के निवासियों ने हमला किया। बल्लाल को गिरफ्तार करते उन्होंने नहीं देखा। उल्लेखनीय है कि नो अदर लैंड फिल्म का निर्माण संयुक्त रूप से इजराइल और फिलिस्तीन के निर्देशकों ने किया है। यह फिल्म वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों को उनके घरों से बेदखल करने की कहानी बयां करती है। बल्लाल को इससे पहले भी डराया और धमकाया जा चुका है। नो अदर लैंड में वेस्ट बैंक के हेब्रोन की पहाड़ियों पर स्थित गांवों में इजराइली अधिकारियों के विध्वंस का दस्तावेजीकरण किया गया है।डॉक्यूमेंट्री में ग्रामीणों को बलपूर्वक बेदखल करने के इजराइली सरकार के प्रयास को फिल्माया गया है।

न्यूजीलैंड में 6.8 तीव्रता का भूकंप, नागरिकों को समुद्र तट से दूर रहने की चेतावनी

वेलिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप के निचले हिस्से में लोगों ने भूकंप के शक्तिशाली झटके महसूस किए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई। न्यूजीलैंड की आपदा एजेंसी यह आकलन कर रही है कि इससे सुनामी का कोई खतरा है या नहीं। न्यूजीलैंड भूकंप के लिहाज से अत्यधिक सक्रिय रिंग ऑफ फायर पर बसा है। रिंग ऑफ फायर लगभग 40,000 किलोमीटर का घेरा है। यह प्रशांत महासागर के अधिकांश हिस्से को घेरने वाले ज्वालामुखियों और समुद्री खाइयों से भरा है।

6.8 तीव्रता का भूकंप जटिल भूकंपीय वातावरण में आया है। ऑस्ट्रेलियाई टेक्टोनिक प्लेट सीमा के पास सबसे तेज कंपन हुआ। ऑस्ट्रेलियाई प्लेट प्रशांत प्लेट के नीचे गोता लगाती है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस क्षेत्र में कई मंजिल ऊंची सुनामी लहरें उठने के बारे में चेतावनी दी थी। यह भूकंप 2:43 बजे आया। इसका केंद्र द्वीप के उत्तर-पश्चिम में लगभग 160 किलोमीटर दूर धरती से 33 किलोमीटर की गहराई पर रहा।

4700 लोगों ने महसूस किया झटका

नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने साउथलैंड और फियोर्डलैंड क्षेत्रों के लोगों को समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी है। एजेंसी का कहना है कि समुद्र की असामान्य धाराएं खतरा बन सकती हैं। न्यूजीलैंड की सरकारी भूकंप निगरानीकर्ता जियोनेट ने कहा कि 4700 से अधिक लोगों ने भूकंप का झटका महसूस किया। भूकंप विज्ञानी डॉ. फिन इल्स्ले-केम्प के विक्टोरिया विश्वविद्यालय के सहकर्मी इस क्षेत्र में अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को भूकंप के लिहाज से कम आंका गया है। यहां अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम शोध किया गया है। जबकि यहां शक्तिशाली भूकंप आए हैं। 2009 का 7.8 तीव्रता वाला फियोर्डलैंड भूकंप खाई के उत्तरी छोर के करीब आया था। इससे 1945 में नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम की तुलना में 25,000 गुना अधिक ऊर्जा उत्सर्जित हुई थी। इसकी क्षमता दक्षिण द्वीप को मोड़ने के लिए पर्याप्त थी। इल्सले-केम्प ने कहा कि विशेषज्ञ भूकंप के फोकल मैकेनिज्म पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

इतिहास का सबसे शक्तिशाली भूकंप 3800 साल पहले आया

साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार इतिहास का सबसे शक्तिशाली भूकंप करीब 3800 साल पहले 9.5 मैग्नीट्यूड के साथ उत्तरी चिली में आया। इसके झटके चिली से करीब 5,000 किलोमीटर दूर न्यूजीलैंड तक महसूस किए गए और सुनामी आ गई थी। इस शोध के सह लेखक प्रोफेसर जेम्स गोफ के अनुसार अभी तक माना जा रहा था कि उत्तर में इस तरह की घटना नहीं हो सकती, लेकिन अब हमारे पास इससे जुड़े सबूत हैं। उत्तरी चिली के अटाकामा रेगिस्तान तट को दुनिया का सबसे शुष्क वातावरण वाला क्षेत्र माना जाता है। इसके बावजूद शोधकर्ताओं को यहां तट से सैकड़ों किलोमीटर अंदर तक समुद्री जीवों और तलछट के सबूत मिले हैं, जो किसी बड़ी सुनामी के जरिए पहुंचे होंगे। इस स्टडी में समुद्र तट के करीब खुदाई में कई इमारतें मिली हैं जो किसी ताकतवर लहर से तबाह हुई हैं। सुनामी के बाद इस जगह को बसने में करीब 1000 साल लग गए। प्रोफेसर जेम्स गोफ का कहना है कि दक्षिणी गोलार्ध में यह सबसे पुराना उदारण है, जहां भूकंप और सुनामी की वजह से लोगों की जिंदगी पर इतना गहरा असर पड़ा। प्रोफेसर गोफ के अनुसार, इस अध्ययन की शुरुआत से पहले संयोग से न्यूजीलैंड के चैथम द्वीप पर एक साइट की जांच की गई। वहां कई बड़े पत्थर मिले, जो करीब 3800 साल पुराने थे। यह वही वक्त था जब उत्तरी चिली में भूकंप और सुनामी आई थी।

मियामी ओपन : ज्वेरेव, फिरट्ज और डी मिनौर चौथे दौर में पहुंचे, फोन्सेका का सफर खत्म

मियामी,25 मार्च (एजेंसियां) ।

शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने धीमी शुरुआत के बावजूद दमदार वापसी करते हुए सोमवार को (स्थानीय समयानुसार) ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को 7-5, 6-4 से हराकर मियामी ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली।

हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ज़्वेरेव पहले सेट में 1-4 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने शानदार लय पकड़ी और अगले नौ में से आठ गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इंडियन वेल्स में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद मियामी में ज़्वेरेव को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर कार्लोस अल्कराज के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद। सात बार के मास्टर्स 1000 चैंपियन ज़्वेरेव ने कहा, जॉर्डन ने मेरे लिए मुश्किलें खड़ी कीं। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है और जब आप लय में होते हैं, तो वह इसे तोड़ने में माहिर है। लेकिन 1-4 से पीछे होने के बाद मैंने जिस तरह वापसी की, उससे मैं खुश हूं।

फ्रिट्ज़ की दमदार जीत

तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज़ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 7-5, 6-3 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली। पहले सेट में 5-2 की बढ़त गंवाने के बावजूद, फ्रिट्ज़ ने अपने दमदार सर्व के दम पर मैच पर पकड़ बना ली और आसानी से जीत दर्ज की।

डी मिनौर ने फ़ोन्सेका के सपने को तोड़ा

ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने ब्राजील के 18 वर्षीय युवा जोआओ फ़ोन्सेका की चुनौती समाप्त करते हुए 5-7, 7-5, 6-3 से रोमांचक जीत दर्ज की। फोन्सेका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए डी मिनौर को खूब चुनौती दी, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखा और अंतिम सात में से छह गेम जीतकर मैच अपने नाम किया। इस दौरान दर्शकों की इतनी जबरदस्त मौजूदगी थी कि रेफरी को शांति की अपील पुर्तगाली भाषा में करनी पड़ी। जीत के बाद डी मिनौर ने कहा, मैं मानसिक रूप से इस मैच के लिए पूरी तरह तैयार था। मुझे पता था कि मैं सिर्फ एक बेहतरीन खिलाड़ी से नहीं, बल्कि उसके जबरदस्त समर्थकों से भी मुकाबला करने जा रहा हूं।

न्यूज ब्रीफ

केएल राहुल और अथिया शेट्टी के घर आई नन्ही परी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल और उनकी अभिनेत्री पत्नी अथिया शेट्टी के घर सोमवार को खुशियों ने दस्तक दी। इस स्टार कपल को एक बेटी का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी साझा की। राहुल और अथिया ने पिछले साल 8 नवंबर को सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उनकी पोस्ट में लिखा था, हमारा खूबसूरत आशीर्वाद जल्द आ रहा है। 2025। राहुल, जो इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं, अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए विशेष अनुमति लेकर घर लौट आए थे। इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपना पहला मैच नहीं खेल सके। आईपीएल 2025 की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने राहुल को 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस खुशखबरी के सामने आते ही प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने सोशल मीडिया पर बधाइयों की झड़ी लगा दी। बता दें कि अथिया शेट्टी बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सुनील शेट्टी की बेटी हैं। अथिया और राहुल ने 23 जनवरी 2023 को शादी की थी।

दिल्ली कैपिटल्स की जीत के दौरान बने कई रिकार्ड

विशाखापत्तनम। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 सत्र के पहले ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने जीत के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। दिल्ली ने इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को एक विकेट से हराया। इस मैच में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट पर 209 रनों का अच्छा स्कोर बनाया। इसके बाद दिल्ली को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 19 ओवर और तीन गेंदों में हासिल कर लिया। दिल्ली की जीत में आशुतोष शर्मा की अहम भूमिका रही। इस यूवा ने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 31 गेंदों में ही 66 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी। इस पारी में उन्होंने पांच चौके और पांच छक्के लगाए। यह आईपीएल इतिहास में दिल्ली के लक्ष्य का पीछ करते हुए बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। ये पहली बार था, जब लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ किसी टीम ने 200 से अधिक रन बनाये थे। ये आईपीएल इतिहास में पहली बार है दिल्ली कैपिटल्स एक विकेट से कोई मैच जीती है। दिल्ली के लिए यह मुकाबला बेहद इसलिए भी मुश्किल था क्योंकि एक समय टीम ने 90 रनों पर ही पांच विकेट खो दिए थे। इसके बाद आशुतोष शर्मा और विपराज निगम ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम की वापसी करायी। विपराज ने 15 गेंदों में 39 रन बनाए, जिससे दिल्ली को जीत की उम्मीद जगी। आखिरी ओवर में आशुतोष ने छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी दिया गया। आशुतोष ने 66 रन बनाये। वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सातवें नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड अक्षर पटेल और क्रिस मॉरिस के नाम था। अक्षर पटेल ने साल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 54 रन बनाए थे, जबकि क्रिस मॉरिस ने 2017 में उसी 52 रन बनाए थे।

धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी : हेडन

चेन्नई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने 43 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंआ की है। हेडन ने कहा कि धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी है। साथ ही कहा कि मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में जिस तरह से उन्होंने नूर अहमद की गेंद पर सूर्यकुमार यादव की स्टंपिंग की थी उससे उनकी फिटनेस का अंदाजा होता है। इस गेंद पर सूर्यकुमार 29 रनों पर आउट हुए थे और 51 रनों की साझेदारी टूटी थी इसी के साथ सीएसके मैच में वापसी कर ली थी। हेडन ने कहा कि धोनी आज बेहतरीन थे। ऐसी गेंदों को पकड़ना थोड़ा कठिन होता है क्योंकि गेंद के एंगल में बल्लेबाज भी आ जाता है। लेकिन उन्होंने स्टंपिंग में फुर्ती की तेजी दिखाई। इससे पता चलता है कि वह अब भी बेहतरीन हैं। वहीं सीएसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि धोनी लगातार कीपिंग का अभ्यास करते हैं।

पंजाब ने गुजरात को 11 रन से पीटा

अहमदाबाद,25 मार्च (एजेंसियां) ।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने जीत के साथ आईपीएल 2025 का आगाज किया है। 26.75 करोड़ में पंजाब ने नीलामी में 2024 में आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान अय्यर को खरीदा था। बल्लेबाजी के साथ ही अय्यर ने अपनी कप्तानी का जलवा बिखेरा। पहले बैटिंग करते हुए नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर पंजाब ने 5 विकेट पर 243 रन ठोक दिए। गुजरात ने भी कड़ी टक्कर दी लेकिन टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 232 रन ही बना पाई। पंजाब को 11 रनों से जीत मिली।कप्तान श्रेयस अय्यर ने पंजाब किंग्स के लिए अपने कार्यकाल की शुरुआत 42 गेंदों पर नाबाद 97 रनों की शानदार पारी से की। श्रेयस ने नौ छक्के और पांच चौके लगाए लेकिन वह आईपीएल में अपना पहला शतक पूरा नहीं कर सके क्योंकि आ-खिरी ओवर में उन्हें स्ट्राइक नहीं मिला। मोहम्मद सिराज के इस ओवर से शशांक सिंह (16 गेंदों पर 44 रन) ने 23 रन बटोरकर पंजाब की पारी को शानदार तरीके से समाप्त किया। शशांक ने अपनी शानदार पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के लगाए।इससे पहले डेब्यू प्रियांश आर्या (23 गेंदों पर 47 रन) ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए शुरुआती ओवर से ही गुजरात के गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाया। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने सिराज के खिलाफ डीप स्क्वायर लेग पर अपना पहला छक्का और उसके बाद चौका लगाया। गुजरात की टीम को कागिसो रबाडा ने प्रभसिमरन सिंह (पांच) को चलता कर पहली सफलता दिलायी। अय्यर ने मैदान पर आते ही रबाडा के खिलाफ चौका लगाने के बाद गेंद को दर्शकों के पास भेजा।गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने राशिद खान को थमाई और अफगानिस्तान के इस करिश्माई गेंदबाज ने आर्या को आउट कर टीम को दूसरी सफलता दिलायी। उनके हमवतन अजमतउल्ला ओमरजई (16) ने पहली गेंद पर छक्का लगाकर खाता खोला। खब्बू स्पिनर साई किशोर ने लगातार गेंदबाजों पर ओमरजई और ग्लेन मैक्सवेल को आउट किया, जिससे 11वें ओवर में पंजाब का स्कोर चार विकेट पर 105 रन हो गया।इन विकेटों का हालांकि अय्यर की पारी पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने 27 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। श्रेयस ने इसके बाद राशिद के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाकर उनका आंकड़ा खराब किया। स्टोइनिस 15 गेंद में 20 रन बनाकर किशोर का तीसरा शिकार बने जो गुजरात के सबसे सफल गेंदबाज साबित हुए।

आखिरी ओवर में 2 विकेट गिरे, कप्तान श्रेयस ने नाबाद 97 रन बनाए

हम चाहते हैं कि खिलाड़ी बहादुरी से क्रिकेट खेलें : पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन

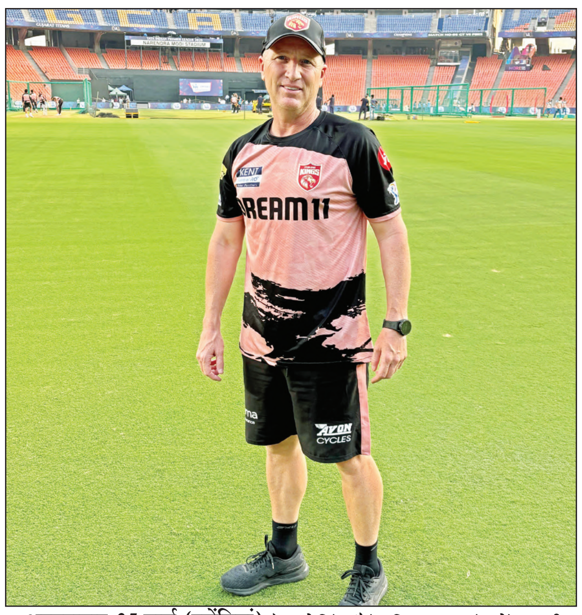

अहमदाबाद,25 मार्च (एजेंसियां) ।

पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम 25 मार्च शाम को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में पंजाब किंग्स इस सीजन में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है। पहले मैच से पहले सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने सोमवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम की तैयारियों को लेकर अहम जानकारियां साझा कीं।

उन्होंने कहा, हमारा मुख्य ध्यान इस बात पर है कि खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरें। हमने धर्मशाला में एक शानदार ट्रेनिंग कैंप किया, जहां हमें भारतीय खिलाड़ियों को और बेहतर तरीके से जानने का मौका मिला। हमारे पास बेहतरीन प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो तेज-तर्रार और साहसी क्रिकेट खेलेंगे।

गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज के सामने पंजाब किंग्स की ओपनिंग जोड़ी कैसी होगी, इस सवाल पर हैडिन ने स्पष्ट जवाब देने से बचते हुए कहा, हमें अभी तय करना है कि ओपनिंग कौन करेगा। हमारे पास मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पहले भी यह भूमिका बखूबी निभाई है। हमें सही संयोजन बनाने पर ध्यान देना होगा। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन वाली पंजाब किंग्स टीम इस सीजन में आक्रामक क्रिकेट खेलने के इरादे से उतरेगी।

मियामी ओपन टेनिस

मियामी ओपन टेनिस में डेनिला कोलिंस आर्यिनका सबालेंका के खिलाफ शॉट खेलती हुई।

बालीवाल में चैथा कब्बड्डी कप दो से विजेता टीमों को 71 हजार के ईनाम

ऊना,25 मार्च (एजेंसियां) ।

हरोली विधानसभा क्षेत्र के गांव बालीवाल में दो दिवसीय चैथे कब्बड्डी कप का आयोजन दो अप्रैल से किया जा रहा है। जिसमें विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को एक लाख 30 हजार के नगद ईनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी आयोजनकर्ता चनण सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि नेशनल स्टाईल कब्बड्डी के मुकाबले तीन वर्गो में करवाए जाएंगें। जिनमें ओपन, 65 किलो और 55 किलो ग्राम भार वर्ग शामिल है। ओपन की विजेता टीम को 51 हजार और उपविजेता टीम को 41 हजार का ईनाम देकर पुरस्कृत किया जाएगा। 65 किलो भार वर्ग में विजेता टीम को 15 हजार व उपविजेता टीम को 11 हजार का ईनाम रखा गया है। वहीं 55 किलो भार वर्ग में विनर टीम को 7100 और रनरअप टीम को 5100 का ईनाम दिया जाएगा। जबकि प्रतियोगिता के बेस्ट रेडर और बेस्ट डिफेंडर को भी सम्मानित किया जाएगा।

चनण सिंह ने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने और खेल के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए मूलराज घंटी यूथ क्लब, एनआरआई, फौजी वीरों और समस्त ग्रामीणों के सहयोग से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि तीन अप्रेल को सुबह 10 बजे दस्तार मुकाबला करवाया जाएगा, जिसमें पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को 3100, 2100 और 1100 रूपए का ईनाम दिया जाएगा। जबकि इससे पहले एक अप्रैल को श्री सुखमनी साहिब का पाठ करवाया जाएगा।

केआईपीजी 2025: खेल और प्यार की अनोखी कहानी, पैरालंपिक्स में चमकने को तैयार स्वरूप और रोमी

नई दिल्ली,25 मार्च (एजेंसियां) ।

खेल और प्रेम जब एक साथ चलते हैं, तो नतीजे ऐतिहासिक हो सकते हैं। पेरिस ओलंपिक्स 2024 में टारा डेविस ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता और जब उनके पति हंटर वुडहॉल ने पैरालंपिक्स में टी62 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण जीता, तो यह उनकी आपसी प्रेरणा का ही परिणाम था। इसी तरह स्वरूप और रोमी उन्हालकर की कहानी खेल और प्यार के अनूठे संगम को दर्शाती है।

पहले ही दो बार पैरालंपिक्स में भाग ले चुके स्वरूप ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

उनकी पत्नी रोमी उन्हालकर ने महिला आर2 -एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भाग लिया, जहां उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया और फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं।

खेल से शादी तक का सफर

दोनों की मुलाकात 2021-22 के आसपास पुणे में एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई। शुरुआत में यह एक प्रोफेशनल रिश्ता था, लेकिन धीरे-धीरे यह दोस्ती गहरे संबंध में बदल गई। शादी के बाद रोमी ने भी शूटिंग को अपनाया, और पिछले तीन वर्षों से यह दंपति साथ में प्रतियोगिताओं में भाग ले रहा है, देश के लिए पदक जीत रहा है। स्वरूप का बचपन संघर्षों से भरा रहा।

बचपन में ही उन्हें पोलियो हो गया था और उनके लिए शूटिंग रेंज तक पहुंचना आसान नहीं था। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे अपनी खुद की राइफल और किट खरीद सकें। लेकिन उनके कोच ने 2012 में एक 10 साल पुरानी राइफल दी, जिससे उन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया और जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई।

महाराष्ट्र के पहले पैरा शूटर बने स्वरूप

स्वरूप महाराष्ट्र के पहले ऐसे पैरा शूटर बने, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफाई किया। उनकी मेहनत को तब पहचान मिली जब उन्हें महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित छत्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो राज्य का सर्वोच्च खेल पुरस्कार है।

स्वरूप बताते हैं, इसके बाद सबका नजरिया बदल गया। अब परिवार और समाज में लोग कहते हैं, 'हमें कुछ नहीं चाहिए, बस तुम खेलते रहो। जब उन्होंने 2008 में अपने सफर की शुरुआत की, तब भारत में पैरा खिलाड़ियों को खेल के रूप में ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन उन्होंने इस मानसिकता को बदलने में अपनी भूमिका निभाई।

रोमी की भी है पैरालंपिक में खेलने की इच्छा

रोमी भी अपने पति के प्रति गर्व से भर जाती हैं। वे कहती हैं, स्वरूप बहुत धैर्यवान हैं और हर परिस्थिति में शांत रहते हैं। यह मुझे बहुत प्रेरित करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनका साथ मिला है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स में स्वरूप ने मिक्स्ड 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच2 में भी भाग लिया, जहां वे आठवें स्थान पर रहे। इसके अलावा आर6 -50 मीटर राइफल प्रोन मिक्स्ड एसएच1 में उन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया। अब यह जोड़ी अगले बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये से लेकर 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये से लेकर 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। ये चमकीली धातु भी दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

1 मई से महंगा हो जाएगा एटीएम से पैसे निकालना, बैलेंस चेक करने पर भी देना होगा चार्ज

मुंबई। 1 मई से भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम से पैसे निकालने पर शुल्क बढ़ाने की मंजूरी दी है। यह बदलाव ग्राहकों के लिए एक नया चुनौती बना सकता है, क्योंकि अब उन्हें अधिक शुल्क देना होगा जब वे अपने वॉलेट से पैसे निकालेंगे। नए नियम के अनुसार, दूसरे बैंक के एटीएम से पैसे निकालने पर और बैलेंस चेक करने पर ग्राहकों को अधिक शुल्क चुकाना होगा। पहले मुफ्त लेन-देन की लिमिट कम थी, लेकिन अब शुल्क बढ़ने से ग्राहकों को और ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इस बढ़े हुए शुल्क का असर छोटे बैंकों पर भी होगा, क्योंकि उनके पास सीमित एटीएम इंफ्रास्ट्रक्चर है। उन्हें अब ग्राहकों को सेवा प्रदान करते समय अधिक शुल्क वसूलना होगा, जिससे वह अपनी लागतों को संतुलित रखने में मुश्किल हो सकती है। इस परिस्थिति में ग्राहकों को डिजिटल पेमेंट्स का इस्तेमाल करने और अतिरिक्त शुल्क से बचने का सुझाव दिया जा रहा है। इस नए नियम के लागू होने से बैंकिंग लागत बढ़ सकती है। नई फीस दरें इस प्रकार हैं-
कैश निकासी शुल्क: 17 रुपए से बढ़कर 19 रुपए हो जाएगा। बैलेंस चेक शुल्क: 6 रुपए से बढ़कर 7 रुपए हो जाएगा। ये शुल्क तब लागू होंगे जब ग्राहक अपनी मुफ्त ट्रांजैक्शन लिमिट पार कर लेंगे। मेट्रो शहरों में पांच और नॉन-मेट्रो शहरों में तीन मुफ्त लेनदेन की सीमा तय है।

सिंगापुर और भारत ने ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए की साझेदारी

सिंगापुर। सिंगापुर और भारत ने मंगलवार को ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए

साझेदारी में हस्ताक्षर किए। इस आशय पत्र (एलओआई) में यह दोनों देशों के बीच डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण और भारतीय बंदरगाह, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, इस साझेदारी से सिंगापुर-भारत जीडीएससी में बेहतर सहयोग और उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों के विकास और डिजिटल समाधानों की अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि इस साझेदारी से दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूती मिलेगी और अधिक गहरा होगा। आशय पत्र के माध्यम से, दोनों देश समुद्री डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं में सहयोग करने का संकल्प लेंगे और इसमें उन प्रासंगिक हितधारकों की पहचान करने का प्रस्ताव शामिल होगा। यह साझेदारी समझौते के जरिए साझेदारी को औपचारिक रूप देने की दिशा में काम करेगी। इस समुद्री डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के माध्यम से भारत को सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणीता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जो हरित समुद्री ईंधन के निर्यात में मदद करेगा। इसके साथ ही सिंगापुर की गतिशील अनुसंधान और नवाचार परिवेश भी समर्थन करेगा।

ईएसआई स्कीम के तहत 18 लाख नए कर्मचारी जुड़े, महिलाओं और ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को भी मिली राहत

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ईएसआई स्कीम के तहत

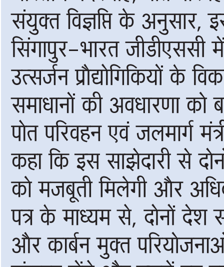

जनवरी महीने में भारतीय नौकरियों को बेहतर सोशल और फाइनेंशियल सिक्योरिटी प्रदान की गई है। यह स्कीम कमाई रहने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन की गई है जो आयु 25 वर्ष से कम है और जिनका मासिक वेतन 21,000 रुपये या इससे कम है। नए कर्मचारियों के 47.66 फीसदी के रजिस्ट्रेशन को दर्ज किया गया है, जिसमें शामिल हैं 8.67 लाख कर्मचारी। इसमें से 3.65 लाख महिला कर्मचारियों ने भी ईएसआई स्कीम में शामिल होने का फैसला किया है। इसके अलावा, जनवरी में 85 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी रजिस्ट्रेशन कराया। ईएसआई स्कीम के तहत कर्मचारी को मिलने वाले कई फायदे हैं, जैसे कि नि:शुल्क इलाज, बीमा आवास, मैटरनिटी बेनिफिट्स और समाजिक सुरक्षा। इसके अलावा, अगर किसी बीमित कर्मचारी की मौत होती है, तो उसके आश्रितों को मासिक पेंशन भी प्रदान की जाती है। ईएसआई स्कीम को सफल बनाने के लिए अब और भी अधिक लोगों को इसमें शामिल करने की जरूरत है, जिससे वे अपने और अपने परिवार के भविष्य की सुरक्षा में मदद मिले।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ पॉलिसी को लेकर नरमी का संकेत दिए जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 600 अंक से अधिक की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 100.01 अंक यानी 1.76 प्रतिशत उछल कर 5,767.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 404.54 अंक यानी 2.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,188.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,557.26 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,638.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,022.33 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत टूट कर 22,852.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 538.24 अंक यानी 2.25 प्रतिशत टूट कर 23,367.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स से 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,623.16 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.35 प्रतिशत फिसल कर 1,185.84 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,364.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,790 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 180.89 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,789.38 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 171.82 अंक यानी 0.78 प्रतिशत उछल कर 22,278.46 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,971.49 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,203.97 के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सेल की डिजिटल परिवर्तन के लिए साझेदारी, सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। महारत्न स्टील उत्पादक सार्वजनिक उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मैकिन्से एंड कंपनी इंडिया एलएलपी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। सेल ने इस साझेदारी के माध्यम से कंपनी में डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह साझेदारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण करने, कंपनी के प्रदर्शन को अनुकूलित करने और तेजी से बढ़ते डिजिटल परिदृश्य में निरंतर विकास को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखती है। इस साझेदारी के माध्यम से सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा, जो कंपनी को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने में मदद करेगा। साझेदारी में सेल और मैकिन्से ने अपनी तकनीकी ज्ञान और कौशल का संयोग किया है ताकि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठा सकें। इसके माध्यम से एकत्रित होकर, वे अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों को लागू करने के लिए काम करेंगे और कंपनी को नए उच्चायों तक पहुंचाएंगे।

तीन सरकारी बैंक दे रहे सस्ता होम लोन

मुंबई, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

होम लोन की मांग में महंगाई के दबाव के बीच कुछ बैंकों ने ब्याज दरों में कमी के साथ लोन प्रदान करने की घोषणा की है। कई सरकारी बैंक अब 8.10 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन उपलब्ध करा रहे हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 20,000 रुपए तक प्रोसेसिंग फीस के माफी का ऐलान किया है, जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को छूट ऑफर कर रहा है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी इसी ब्याज दर पर अपना होम लोन योजना लागू की है। लोन लेने से पहले, व्यक्ति के क्रेडिट स्कोर और वित्तीय स्थिति का ध्यान रखना अनिवार्य है। इन बैंकों के साथ एक चुनाव निर्णायक हो सकता है, जो घर की खरीदी के सपने को साकार करने में मदद कर सकता है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। खास बात यह है कि बैंक प्रोसेसिंग फीस के तौर पर 20,000 रुपए तक 0.50 फीसदी प्लस जीएसटी लेता है लेकिन यह 31 मार्च 2025 तक माफ है। हालांकि, ग्राहकों को डॉक्यूमेंटेशन चार्ज 1350 रुपए और जीएसटी देना होगा।

31 मार्च तक प्रोसेसिंग फीस माफ

बैंक ऑफ महाराष्ट्र- बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी 8.10 फीयदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। फिलहाल कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं ली जा रही है। इसके अलावा महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को अतिरिक्त 0.05 फीसदी की छूट मिलेगी। साथ ही प्री-पेमेंट, प्री-क्लोजर और पार्ट-पेमेंट चार्ज भी शून्य है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भी 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। हालांकि, इस बैंक में प्रोसेसिंग फीस के रूप में लोन राशि का 0.50 फीसदी लिया जाएगा। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये तीनों बैंक आपको 8.10 प्रतिशत की ब्याज दर पर होम लोन तभी प्रदान करेंगे जब आपका क्रेडिट स्कोर या सिबिल स्कोर उच्च होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बदल रहा...

दो प्रमुख संगठनों और एक प्रमुख अलगाववादी नेता के हुर्रियत एवं अलगाववाद से अलग होने की घोषणा से जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी संगठन ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस को बड़ा झटका लगा है। जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से सारे रिश्ते तोड़ने का ऐलान कर भारत से लेकर पाकिस्तान तक एक महत्व-पूर्ण संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से ही यह संगठन घाटी में निष्क्रिय हो गया था।डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट के नेता मोहम्मद शफी रेशी ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के कट्टरपंथी गिलानी ग्रुप से पूरी तरह नाता तोड़ लिया है। इसके अलावा जम्मू -कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट ने भी अलगाववाद से संबंध करने की घोषणा की है। दो अलगाववादी संगठनों के हृदय परिवर्तन को राजनीतिक तौर से मील का पत्थर माना जा रहा है। धारा-370 हटने के बाद से घाटी में आतंकवाद पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार ने अलगाववादी ग्रुपों के खिलाफ सख्ती की। आतंकवादियों के खिलाफ सेना का एक्शन भी जारी रहा। घाटी के दो ग्रुपों का बयान ऐसे समय में आया है, जब गृह मंत्रालय ने मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले अवामी एक्शन कमेटी और मौलवी मसरूर अब्बास अंसारी के नेतृत्व वाले जेएंडके इत्तेहादुल मुस्लिमीन को पांच साल के लिए बैन कर दिया है।

आतंकी संगठनों पर बैन के बारे में अमित शाह ने कहा कि ये संगठन लोगों को कानून और व्यवस्था भंग करने के लिए उकसा रहे थे, जिससे देश की एकता और अखंडता को खतरा था। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। सरकार का मानना है कि इन संगठनों पर बैन लगाने से घाटी में शांति और स्थिरता लाने में मदद मिलेगी। सरकार अलगाववादी ताकतों को कमजोर करने और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

10 अफ्रीकी देशों...

नए अवसरों का लाभ उठा सकें। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा सुधार और तकनीकी नवाचार के महत्व पर जोर दिया। जनरल चौहान ने यह बात सिकंदराबाद स्थित रक्षा प्रबंधन कॉलेज (सीडीएम) में उच्च रक्षा रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (एचडीएमसी-20) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही।जनरल चौहान ने 21वीं सदी में सुरक्षा से जुड़े जटिल मुद्दों पर बात की। उन्होंने तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, गैर-पारंपरिक खतरों और तकनीकी प्रगति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य सुरक्षा चुनौतियों के बीच दूरदर्शी नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला। जनरल चौहान ने कहा, आज के युद्धक्षेत्र में जीत सबसे फिट रहने वालों के लिए ही नहीं है, बल्कि उन लोगों के लिए है जो समय के अनुसार खुद को ढालते हैं और नए अवसरों का लाभ उठाते हैं। उन्होंने बताया कि अब युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं लड़े जाते, बल्कि इसमें नवाचार, तकनीकी ज्ञान और दूरदर्शी सोच भी जरूरी है। सीडीएस ने इस बात पर जोर दिया कि देश की सुरक्षा के लिए पूरे देश के योगदान के दृष्टिकोण की जरूरत है। उन्होंने भारत के सशस्त्र बलों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे वे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को मजबूत बनाने में योगदान दे रहे हैं।रक्षा सुधार वर्ष में राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा और परिवर्तन प्रबंधन पर अपने व्याख्यान में जनरल चौहान ने बताया कि रक्षा मंत्रालय का सैन्य मामलों का विभाग (डीएमए) सशस्त्र बलों के एकीकरण और तालमेल को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने विजन-2047 के बारे में भी जानकारी दी, जो भविष्य की रक्षा और सैन्य नीतियों, सैन्य सिद्धांतों और समग्र रणनीति को तय करेगा। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा उत्पादन और सैन्य क्षमता बढ़ाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में नवाचार, प्रयोग और सहयोग को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि भारत बदलते रणनीतिक माहौल में हमेशा आगे बना रहे। अपने दौरे के दौरान सीडीएस ने संकाय सदस्यों और पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों से बातचीत की। इन प्रतिभागियों में मित्र देशों के अधिकारी भी शामिल थे। भारत के रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) के चीन द्वारा हैक किए जाने की मीडिया पर चलने वाली खबरों पर भारतीय सेना तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की है। सेना ने मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से बिना पुष्टि किए और भ्रामक जानकारी प्रसारित और प्रकाशित करने से बचने की अपील की है। हाल ही में मीडिया में दावा किया गया था कि भारतीय सेना का एक आरपीए चीनी क्षेत्र में भटक गया था और इसे चीनी हैकर्स ने हैक कर लिया था। इस पर सेना ने स्पष्ट किया है कि यह दावा पूरी तरह आधारहीन है। सेना ने कहा, ऐसी कोई घटना ही नहीं हुई है। सेना ने यह भी कहा कि भारतीय सेना अपनी सभी संपत्तियों की सुरक्षा और परिचालन अखंडता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जम्मू कश्मीर...

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के स्पेशल असिस्टेंट सैयद तारिक द्वारा संयुक्त राष्ट्र में यूएन शांति स्थापना के भविष्य विषय पर चर्चा के दौरान दिए गए भाषण के जवाब में भारत सरकार ने ये कहा है। भारत सरकार ने ये स्पष्ट किया है कि भारत सरकार पाकिस्तान के साथ संबंधों को मधुर बनाने का पक्षधर है, लेकिन आतंक और शत्रुता को छोड़कर वैसा वातावरण पाकिस्तान को बनाना होगा। हाल ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पॉडकास्ट के दौरान पाकिस्तान की दोगली नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा था कि जब भी भारत ने पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करने की कोशिश की है, बदले में उसने विश्वासघात और शत्रुता दिखाई है। अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बात करते हुए पीएम मोदी ने विशेषरूप से उस वक्त को याद किया था, जब उन्होंने 2014 में शपथ ग्रहण के दौरान नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था।

भाजपा को जल्दी...

इस क्रम में सदस्यता अभियान और बूथ कमेटियां के चुनाव संपन्न होने के बाद प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव संपन्न कराए जा रहे हैं। अब तक 14 राज्यों के संगठन चुनाव संपन्न हो चुके हैं, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 18 राज्यों में संगठन चुनाव संपन्न होना जरूरी है।भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि नए अध्यक्ष की घोषणा अगले महीने के दूसरे सप्ताह में होगी। प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद 30 मार्च को पीएम मोदी को नागपुर जाना है। वहां उनकी संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात होगी। इसके बाद पीएम 2 से 4 अप्रैल तक बैंकॉक में होने वाले बिम्सटेक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और 5 अप्रैल को श्रीलंका जाएंगे। इस बीच राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा हो जाएगी। इसके बाद नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी।

राहुल गांधी की...

हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी सवाल नहीं पूछेंगे। इस मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने राहुल गांधी को बतौर आरोपी तलब किया गया था।उधर, बोफोर्स घोटाला भी एक बार फिर चर्चा में है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इस घोटाले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और राहुल गांधी और सोनिया गांधी से उनके इस्तीफे की मांग की है। गौरव भाटिया ने बोफोर्स घोटाले को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी से सवाल किया। उन्होंने कहा कि सोनिया और राहुल को तब तक अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए, जब तक वे ओटावियो क्वात्रोची नामक व्यापारी और उनके परिवार के साथ अपने संबंधों का पूरी तरह से खुलासा नहीं करते।गौरव भाटिया ने ये भी दावा किया कि 1984 से 1988 के बीच इटली में भारत के राजदूत ने यह बयान दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का क्वात्रोची परिवार से बहुत करीबी संबंध था और वे इस घोटाले के मुख्य सूत्रधार थे। इसके अलावा, तत्कालीन सीएजी ने भी यह कहा था कि बोफोर्स तोपों की खरीद में मूल्यांकन में गंभीर खामियां थीं।बीते पांच मार्च को मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अमेरिका को न्यायिक अनुरोध भेजकर निजी जांचकर्ता माइकल हर्शमैन से बोफोर्स मामले में जानकारी मांगी थी। हर्शमैन ने 64 करोड़ रुपए के बोफोर्स रिश्वत मामले के बारे में अहम जानकारी भारतीय एजेंसियों के साथ साझा करने की इच्छा जताई थी। फेयरफैक्स ग्रुप के प्रमुख हर्शमैन 2017 में निजी जासूसों के एक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्लेटफॉर्म पर आरोप लगाया था कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने घोटाले की जांच को पटरी से उतार दिया था। उन्होंने कहा था कि वह सीबीआई के साथ जानकारी साझा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्हें 1986 में केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने विदेशों में भारतीयों की ओर से मुद्रा नियंत्रण कानूनों के उल्लंघन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच व भारत के बाहर ऐसी संपत्तियों का पता लगाने के लिए नियुक्त किया गया था। इनमें से कुछ बोफोर्स सौदे से संबंधित थे।बोफोर्स घोटाला तब सामने आया था जब भारत सरकार ने 155 मिमी बोफोर्स तोपों की खरीद के लिए 1986 में स्वीडन की बोफोर्स कंपनी के साथ समझौता किया था। इस घोटाले में मुख्य आरोप यह था कि बोफोर्स कंपनी ने भारतीय नेताओं और अधिकारियों को भारी रिश्वत दी थी ताकि वे इस सौदे को स्वीकृत कर सकें। साथ ही तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और उनकी पत्नी सोनिया गांधी के करीबी दोस्त माने जाने वाले क्वात्रोच्चि पर इस सौदे में बिचौलिए की भूमिका निभाने का आरोप लगा था। इसके फलस्वरूप विपक्षी दलों ने कांग्रेस पर इस घोटाले को लेकर खुब निशाना साधा। खासकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर आरोप लगाए थे कि उनका बोफोर्स कंपनी के साथ गहरे रिश्ते थे।

मुस्लिम लीग...

मुख्यतः होता रहा है। हाल के दिनों में ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने बिहार की राजनीति में अपनी पैठ बनाना शुरू किया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन मुख्यतः अपने क्षेत्र बिहार के मुस्लिम बहुल सीमांचल इलाके में प्रभाव जमाने का प्रयास कर रही है। इस इलाके की किशनगंज सीट पर ओवैसी की पार्टी विगत दो लोकसभा चुनावों में मजबूत चुनौती देने के साथ ही 2020 के विधानसभा चुनाव में पांच सीटें जीतने में सफल रही। यद्यपि उनकी पार्टी के चार विधायक बाद में राजद में शामिल हो गए। कांग्रेस पार्टी का बिहार के मुस्लिम मतदाताओं और मुस्लिम बहुल इलाकों में गहरा असर रहा है। 1989 के लोकसभा चुनाव में किशनगंज लोकसभा सीट से गांधी परिवार के तत्कालीन करीबी एमजे अकबर ने जीत दर्ज की थी, मगर 90 के दशक में लालू यादव के बिहार की राजनीति में उभार के बाद बिहार की राजनीति में मुस्लिमों का रुख लालू यादव की ओर हो गया। कांग्रेस पार्टी और अन्य दल इसका काट खोज रहे हैं। कांग्रेस पार्टी का मुस्लिम मतों के लिए लालू यादव की पार्टी राजद से गठबंधन करना उनकी मजबूरी के समान है।विगत एक महीने में कांग्रेस पार्टी ने बिहार में कई बड़े और कड़े कदम उठाए हैं। मगर ये कदम भाजपा या जेडीयू के लिए नहीं बल्कि अपने सहयोगियों, खासकर राजद के लिए ज्यादा परेशान करने वाले हैं। कांग्रेस पार्टी के दो निर्णयों प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह को हटाकर राजेश राम को नियुक्त करने और कन्हैया कुमार को बिहार की राजनीति में प्रवेश दिलाने से राजद असहज है। अखिलेश प्रसाद सिंह लालू यादव परिवार से अपनी करीबी के लिए जाने जाते हैं। अखिलेश प्रसाद सिंह कांग्रेस पार्टी से अधिक लालू यादव की पार्टी के राजनीतिक हितैषी के तौर पर जाने जाते थे।कांग्रेस पार्टी ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की काट और लालू यादव की पार्टी को उनकी औकात में रखने के वास्ते केरल की पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को बिहार की राजनीति में लाने की रणनीति बना रही है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग केरल में कांग्रेस पार्टी के यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का हिस्सा है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ कांग्रेस पार्टी का 70 के दशक से संबंध है। कांग्रेस पार्टी राजद के साथ गठबंधन टूटने की स्थिति में मुस्लिम मतों को अपनी ओर खींचने के लिए इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को सीमांचल इलाके में कुछ सीटें देने के साथ ही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के अध्यक्ष के. एम. कादर मोहिदीन और अन्य नेताओं जैसे पी. के. कुन्हालीकुट्टी को चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल कर सकती है।कांग्रेस पार्टी ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को तमिलनाडु में अपने इंडी गठबंधन के तहत रामनाथपुरम लोकसभा सीट 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में लड़ने के लिए आवंटित करवाया है। कांग्रेस पार्टी का यह कदम इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को वायनाड लोकसभा सीट पर गांधी परिवार को समर्थन के एवज में दिलवाया गया था। 2019 से पूर्व रामनाथपुरम लोकसभा से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के चुनाव लड़ने का कोई इतिहास नहीं मिलता है। कांग्रेस पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को बिहार के बाद पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के गठबंधन में नहीं होने की स्थिति में इस्तेमाल कर सकती है। साथ ही असम के विधानसभा चुनावों में बदरुद्दीन अजमल की पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट से गठबंधन नहीं होने पर इसका उपयोग कर सकती है। इसके एवज में इन राज्यों और अन्य जगहों पर इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को कुछ सीटें कांग्रेस पार्टी आवंटित करेगी। कांग्रेस पार्टी का अंतिम निशाना 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव होगा। वहां अगर अखिलेश यादव से गठबंधन नहीं होता है तो कांग्रेस पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग का भरपूर इस्तेमाल करेगी।

ईद पर 32 लाख...

जमाल सिद्दीकी ने कहा कि रमजान के पाक महीने से शुरू हो रहा यह अभियान ईद, गुड फ्राइडे, ईस्टर और भारतीय नववर्ष के मौके पर भी अल्पसंख्यकों तक पहुंचेगा।

इसके अलावा जिला स्तर पर ईद मिलन समारोह आयोजित किए जाएंगे। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता यासिर जिलानी ने सौगात ए मोदी अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना है। साथ ही भाजपा और एनडीए के लिए मुस्लिमों का राजनीतिक सहयोग जुटाना है। इस अभियान के जरिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा 32 लाख मुस्लिम परिवारों तक पहुंचेगा। सौगात ए मोदी अभियान के तहत दी जाने वाली किट में विभिन्न सामान दिए गए हैं। किट में कपड़े, सेवई, मेवा, मिठाई शामिल है। महिला किट में सूट और पुरुष किट में कुर्ता-पजामा शामिल किया गया।

आज धनिष्ठा नक्षत्र में बना है सिद्ध योग

हर कार्य में सिद्धि पाएंगे कन्या और मकर सहित अन्य राशियों के लोग

आज सिद्ध योग में गणेशजी के आशीर्वाद से कन्या और मकर सहित अन्य राशियों के लोगों के लिए सफलता के योग बने हैं। आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी और आपके धन में वृद्धि के योग हैं। आपको ईश्वर का आशीर्वाद मिलेगा और आपका हर कार्य समय से और सफलता से पूर्ण होगा। अचानक से धन की प्राप्ति भी हो सकती है। देखें मेष से मीन तक बुधवार का मनी करियर राशिफल।

मेष : दिन मिश्रित फलकारक है

मेष राशि के लोगों के लिए दिन सावधानी से बिताने का है। आपकी ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी से अनबन हो सकती है और इस कारण से आपकी प्रफेशनल लाइफ में तनाव काफी बढ़ सकता है। संयम से काम लें और बिना सोचे कोई फैसला न करें। दिन मिश्रित फलकारक है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दोस्तों के साथ नए संबंधों से आपको लाभ होगा। सामाजिक सम्मान मिलेगा। मित्रों के साथ लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। दाम्पत्य जीवन में लाभ होगा।

वृषभ : योजनाएं सफल होंगी

वृषभ राशि के लोगों को करियर के मामले में काफी परिश्रम करना पड़ेगा। आपको धन के मामले में लाभ होगा। आप यदि बिजनस करते हैं तो आपके सम्मान में वृद्धि होगी और आपके रुके कार्य पूर्ण होने से मन प्रसन्न होगा। सरकारी नौकर हैं तो वरिष्ठ अधिकारी का कोप भाजन बनना पड़ सकता है। शाम के समय आपकी योजनाएं सफल होंगी और आपका सम्मान बढ़ने से खुशी होगी। नई योजना की तरफ ध्यान दें, अचानक लाभ हो सकता है।

मिथुन : आपके सम्मान में वृद्धि होगी

मिथुन राशि के लोगों को लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपको सभी योजनााओं का लाभ होगा। आज दिन के पूर्वार्ध में छुटपुट लाभ की संभावना है। नौकरी व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल हो जाएंगे। कोई भी व्यवसाय छोटा बड़ा नहीं होता। आपको मेहनत करने पर भरपूर लाभ होगा। रात्रि का समय मित्रों और परिजनों के साथ बीतेगा। आपका दिन परिवार के लोगों के साथ आनंद में बीतेगा।

कर्क : दिन सफलता से भरा होगा

कर्क राशि के लोगों का दिन सफलता से भरा होगा और आप अपने हर कार्य को मन लगाकर पूरा करेंगे। आज आप अपने आप में ही मस्त रहेंगे। किसी भी विरोधी की आलोचना की ओर ध्यान न देकर अपना काम करते रहेंगे और धन सम्मान में वृद्धि हासिल करेंगे। सफलता आपके कदम चूमेगी। आप अपने सामाजिक क्षेत्र में मेल-जोल बढ़ाने में कामयाब होंगे और आपका दिन शुभ होगा।

सिंह करियर राशिफल : धन सम्मान में वृद्धि होगी

सिंह राशि के लोगों के लिए करियर में दिन मिलाजुला रहेगा। आप जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको के अनुसार परिणाम न मिलने से मन क्षुब्ध रहेगा। नई उपलब्धियां कड़ी मेहनत से मिलेगी। सामाजिक उत्त-रदायित्व भी बढ़ेगा। किसी अनजान व्यक्ति से लेनदेन न करें। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। योजनाएं सफल होंगी और आपके कारोबार में तरक्की होगी।

कन्या करियर राशिफल : तरक्की के योग हैं

कन्या राशि के लोगों के लिए दिन अच्छा है। आपको संपत्ति से फायदा हो सकता है और इसकी कीमत भी बढ़ेगी। समाज में आपकी इज्जत बढ़ेगी। आप अपनी जिम्मेदारियां अच्छे से निभाएंगे। शाम को थोड़ा भागदौड़ हो सकती है। किसी अच्छे कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा। तरक्की के योग हैं और आपकी खुशी बढ़ेगी। परिवार से आपको हर तरह की मदद मिलेगी। आपको समय का सही इस्तेमाल करना चाहिए।

तुला करियर राशिफल : करियर में मनचाहा लाभ होगा

तुला राशि के लोगों को करियर में मनचाहा लाभ होगा और आपको हर काम में सफलता मिलेगी। दिन सुख और समृद्धि से भरा होगा। बिजनस में किए गए प्रयास सफल होंगे। आपकी इज्जत बढ़ेगी। शाम को कोई कीमती सामान चोरी हो सकता है, इसलिए सावधान रहें। अपने काम पर ध्यान दें और दूसरों के साथ बेकार के झगड़ों से बचें। आपको धन का निवेश करने से बचने की सलाह है।

वृश्चिक : अधिकारीवर्ग से अच्छी साठ-गांठ बनेगी

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए दिन उलझन से भरा होगा। आपका दिन कुछ विशेष कर दिखाने की उधेड़बुन में व्यतीत होगा। अधिकारीवर्ग से अच्छी साठ-गांठ बनेगी। किसी सरकारी संस्था से दूरगामी लाभ की पृष्ठभूमि भी आज ही बनेगी। निर-ाशाजनक विचारों से बचें। सायंकाल संतान पक्ष से अचानक शुभ समाचार मिल सकता है और उनकी तरक्की को देखकर मन प्रसन्न होगा।

धनु : दिन सफलता से भरा रहेगा

धनु राशि वालों के लिए दिन सफलता से भरा रहेगा। आसपास के माहौल से आपको फायदा होगा। किसी खास व्यक्ति की मदद करनी पड़ सकती है। थोड़ा भागदौड़ करने से आपको सफलता मिल सकती है और आपकी पूर्व निर्धारित योजनाएं सफल होंगी। रात का समय खुशी में बीतेगा। आपकी इनकम बढ़ेगी। परिवार के साथ घूमने का मौका मिलेगा। आपका दिन खुशी से बीतेगा। धनु राशि वालों को दूसरों की मदद से लाभ होगा।

मकर : नई डील से अचानक फायदा होगा

मकर राशि वालों का दिन तरक्की और लाभ से भरा होगा। नई डील से अचानक फायदा होगा। आपको तरक्की मिलेगी। आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। कोई भी जरूरी काम करते समय या गाड़ी चलाते समय तनाव न लें। दोस्तों के साथ किसी योजना में शामिल न हों। हर तरह के खतरे से बचें। परिवार के साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखें तो आपको लाभ होगा।

कुंभ : आपकी इनकम बढ़ेगी

कुंभ राशि वालों के लिए दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। आपको बड़ी सफलता मिलने की खुशी होगी। बड़ी मात्रा में धन लाभ होगा। दिन के दूसरे हिस्से में घर के झगड़े सुलझेंगे। बातचीत से समस्याओं का हल निकालें। परिवार के साथ समय बिताने से आपको खुशी मिलेगी। आपकी इनकम बढ़ेगी। रुके हुए काम पूरे होंगे। आपको परिवार के लोगों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

मीन : आपको तरक्की मिलेगी

मीन राशि वालों के लिए खुशियां लेकर आएगा। आप उनके करियर को लेकर खुश रहेंगे। दिन अच्छा है। जिन युवाओं ने अभी करियर की शुरुआत की है, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। ऑफिस में आपकी इज्जत बढ़ेगी। शाम और रात का समय लोगों से मिलने-जुलने में बीतेगा। आपको तरक्की मिलेगी। किस्मत आपका साथ देगी। आपको अपने काम पर ध्यान देना चाहिए।

आज मिथुन, कन्या समेत निम्न राशियों के सभी काम सफल करेंगे भगवान गणेश

आज चैत्र मास की द्वादशी तिथि का संयोग बना है। जबकि दिन बुधवार होने से भगवान गणेश दिन के स्वामी होंगे। जबकि आज सिद्धि योग का भी विशेष संयोग बना है। और चंद्रमा आज मकर उपरांत कुंभ राशि में प्रवेश करके सुनफा योग भी बनाएंगे। साथ ही कल शुभ धनिष्ठा नक्षत्र का भी संयोग बनेगा। ऐसे में कल मिथुन,सिंह, कन्या,वृश्चिक और धनु राशि वालों को भगवान गणेशजी की कृपा दृष्टि का विशेष लाभ मिलेगा और इनके सभी प्रयास सफल और सिद्ध होंगे।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातक जोश और उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे। आपको सहकर्मियों और सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने का अच्छा अवसर मिलेगा जिससे आप अपने टारगेट को पाने की ओर अग्रसर होंगे। गणेशजी की ऐसी कृपा रहेगी कि आपको आज सरकारी क्षेत्र के काम में सफलता मिलेगी और आप वरिष्ठ लोगों से भी सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। आपके घर में किसी कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। माता पिता से भी आपको सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक जीवन में आपके प्रेम और तालमेल बना रहेगा।

मिथुन राशि के लिए बुधवार के उपाय, आपको कल मूंग की दाल से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए और हरे रंग का वस्त्र भी धारण करना चाहिए।

सिंह राशि – सिंह राशि के लोगों के लिए करियर में उन्नति दिलाने वाला रहेगा। आप जिन भी क्षेत्रों में प्रयास करेंगे उसमे आपको सफलता मिलेगी। आप किसी नई योजना और प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी में आपके विरोधी आपके प्रभाव और पराक्रम को देखकर शांत रहेंगे और अधिकारी वर्ग से आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आपके लिए आज का दिन कुछ सरप्राइज भी लेकर आ रहा है जिससे आप हैरान भी होंगे और प्रसन्न भी। लव लाइफ के मामले में भी आज का दिन आपका सुखद और उत्साहवर्धक रहेगा। बच्चों की सफलता से आपको खुशी मिलेगी।

सिंह राशि के लिए बुधवार के उपाय,आपको दुर्गा सप्तशती के मध्यम चरित्र का पाठ करना चाहिए अथवा किसी किन्नर को दान देना चाहिए।

कन्या राशि – कल का दिन कन्या राशि के जातकों के लिए बुद्धि और कार्यकुशलता से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको कल रचनात्मक कार्यों में विशेष रूप से सफलता मिलेगी। जो जातक बीमार चल रहे हैं उनकी सेहत में भी सुधार होगा और सक्रिय होकर अपने काम को अंजाम दे पाएंगे। आपके लिए कल का दिन कार्यक्षेत्र में कुछ नए अवसर लेकर आएगा। आप दीर्घकालीन निवेश के द्वारा भी आज कमाई कर सकते हैं। अच्छी बात यह रहेगी कि आपको अपने प्रयास से बढ़कर आज सफलता मिलेगी। और आप शिक्षा के क्षेत्र में भी सफलता पाएंगे।

कन्या राशि के लिए बुधवार के उपाय,शमी के पत्ते में सिंदूर लगाकर भगवान गणेशजी और दुर्गा माता को अर्पित करें। आम की मंजरी भी अर्पित कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लोगों को साहसिक निर्णय और योजनाओं का लाभ मिलेगा। आप नौकरी में वरिष्ठ सहकर्मियों से सहयोग और लाभ पा सकेंगे। अगर आपके काम का संबंध विदेश से है तो आपको इसमें विशेष रूप से सफलता मिलेगी। आपका कोई महत्वपूर्ण काम का जो काफी समय से अटक रहा था वह पूरा हो सकता है। अकाउंट और खानपान के कारोबार से जुड़े जातक विशेष रूप से लाभ पा सकेंगे। पारिवारिक जीवन में आपका आज ससुराल पक्ष के संबंधियों से विशेष सामंजस्य रहेगा और आप उनसे अपेक्षित लाभ और सहयोग पा सकेंगे।

वृश्चिक राशि के लिए बुधवार के उपाय, पालक का साग अथवा हरा चारा गाय को खिलाएं। बहनों को गिफ्ट दें।

धनु राशि – धनु राशि के लोगों के लिए लाभ और उन्नति का मौका लेकर आया है। जो जातक नौकरी की तलाश में हैं उनको अपने प्रयास में कल सफलता मिलेगी। आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा मौका भी मिल सकता है। आपको किसी प्रभावशाली और वरिष्ठ व्यक्ति से सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कहीं से आपको अचानक ही धन का लाभ भी मिल सकता है। भगवान गणेश की ऐसी कृपा हुई है कि आपको उपहार भी मिल सकता है और आपके हाथों को शुभ काम भी हो सकता है। सुख साधनों से भी आपका मन आनंदित होगा।

धनु राशि के लिए बुधवार के उपाय,11 चावल के दाने को सिंदूर में रंगकर और 11 दूर्वा साथ में भगवान गणेशजी को अर्पित करें।

पापमोचिनी एकादशी व्रत कथा के पाठ से मनुष्य को पापों से मिलती है मुक्ति

पद्म पुराण में वर्णित कथा के अनुसार पापमोचिनी एकादशी व्रत करने से भूलवश किए गए सभी पापों से मुक्ति मिलती है। द्वापर युग में धर्मराज युधिष्ठिर को भगवान कृष्ण ने पापमोचिनी एकादशी व्रत की महिमा और कथा सुनाई थी। आइए, विस्तार से पढ़ते हैं पापमोचिनी एकादशी की व्रत कथा।

युधिष्ठिर ने पूछा- भगवन् ! चैत्र कृष्ण पक्ष की एकादशी का क्या नाम है, यह बताने की कृपा कीजिये।

भगवान् श्रीकृष्ण बोले- राजेन्द्र ! सुनो - मैं इस विषय में एक पापनाशक उपाख्यान सुनाऊंगा, जिसे चक्रवर्ती नरेश मान्धाता के पूछने पर महर्षि लोमश ने कहा था।

मान्धाता बोले- भगवन् ! मैं लोगों के हित को इच्छा से यह सुनना चाहता हूं कि चैत्रमास के कृष्ण पक्ष में किस नामकी एकादशी होती है? उसकी क्या विधि है तथा उससे किस फल की प्राप्ति होती है? कृपया ये सब बातें बताइए।

लोमशजी ने कहा- नृपश्रेष्ठ ! पूर्वकाल की बात है, अप्सराओं से सेवित चैत्ररथ नामक वन में, जहाँ गन्धवों की कन्याएं बाजे बजाती हुई विहार करती हैं, मनुघोषा नामक अप्सरा मुनिवर मेधावी को मोन्हित करने के लिए आई। महर्षि उसी वन में रहकर ब्रह्मचर्य का पालन करते थे। मञ्जुघोषा मुनि के भय से आश्रम से एक कोस दूर ही ठहर गयी और सुन्दर ढंग से वीणा बजाती हुई मधुर गीत गाने लगी। सुनिश्रेष्ठ मेधावी घूमते हुए उधर जा निकले और उस सुन्दरी अप्सरा को इस प्रकार गान करते देख सेना सहित कामदेव से परास्त होकर बरबस मोह के वशीभूत हो गये। मुनि की ऐसी अवस्था देख मनुघोषा उनके समीप आयी और वीणा नीचे रखकर उनका आलिंगन करने लगी। मेधावी भी उसके साथ रमण करने लगे। कामवश रमण करते हुए उन्हें रात और दिन का भी भान न रहा। इस प्रकार मुनि जनोचित सदाचार का लोप करके अप्सरा के साथ रमण करते उन्हें बहुत दिन व्यतीत हो गये। मनुघोषा देवलोक में जाने को तैयार हुई। जाते समय उसने मुनिश्रेष्ठ मेधावी से कहा- 'ब्रह्मन् ! अब मुझे अपने देश जाने की आज्ञा दीजिए ।

मेधावी बोले-देवी ! जब तक सुबह की सन्ध्या न हो जाए तब तक मेरे ही पास ठहरो।'

अप्सरा ने कहा- विप्रवर । अब तक न जाने कितनी संध्या चली गयी ! मुझ पर कृपा करके बीते हुए समय का विचार तो कीजिये।

लोमशजी कहते हैं- राजन् ! अप्सरा की बात सुनकर मेधावी के नेत्र आश्चर्य से चकित हो उठे। उस समय उन्होंने बीते हुए समय का हिसाब लगाया तो मालूम हुआ कि उसके साथ रहते सत्तावन वर्ष हो गये। उसे अपनी तपस्या का विनाश करने वाली जानकर मुनि को उस पर बड़ा क्रोध हुआ।

उन्होंने शाप देते हुए कहा - 'पापिनी ! तू पिशाची हो जा।' मुनि के शाप से दग्ध होकर

वह विनय से नतमस्तक हो बोली- 'विप्रवर ! मेरे शाप का उद्धार कीजिये। सात वाक्य बोलने या सात पद साथ-साथ चलने मात्र से ही सत्पुरुषोंके साथ मैत्री हो साथ-साथ चलने मात्र से ही सत्पुरुषों के साथ मैत्री हो जाती है। ब्रह्मन् ! मैंने तो आपके साथ अनेक वर्ष व्यतीत किये है; अतः स्वामिन् ! मुझपर कृपा कीजिये।'

मुनि बोले- भद्रे ! मेरी बात सुनो - यह शाप से उद्धार करने वाली है। क्या करूं ? तुमने मेरी बहुत बड़ी तपस्या नष्ट कर डाली है। चैत्र कृष्ण पक्ष में जो शुभ एकादशी आती है उसका नाम है 'पापमोचनी'। वह सब पापों का क्षय करने वाली है। सुन्दरी ! उसीका व्रत करने पर तुम्हारी पिशाचता दूर होगी। ऐसा कहकर मेधावी अपने पिता मुनिवर च्यवन के आश्रम में गये। उन्हें आया देख च्यवनने पूछा- 'बेटा ! यह क्या किया ? तुमने तो अपने पुण्य का नाश कर डाला।'

मेधावी बोले- पिताजी मैंने अप्सरा के साथ रमण करने का पातक किया है। कोई ऐसा प्रायश्चित्त बताइये, जिससे पाप का नाश हो जाए।

च्यवन ने कहा- बेटा । चैत्र कृष्ण पक्ष में जो पापमोचनी एकादशी होती है, उसका व्रत करने पर पाप राशि का विनाश हो जाएगा।

पिता का यह कथन सुनकर मेधावी ने उस व्रत का अनुष्ठान किया। इससे उनका पाप नष्ट हो गया और वे पुनः तपस्या से परिपूर्ण हो गए। इसी प्रकार मनुयोवाने भी इस उत्तम व्रत का पालन किया। 'पापमोचनी' का व्रत करने के कारण वह पिशाच-योनि से मुक्त हुई और दिव्य रूपधारिणी श्रेष्ठ अप्सरा होकर स्वर्ग लोक में चली गयी। राजन् ! जो श्रेष्ठ मनुष्य पापमोचनी एकादशीका व्रत करते हैं, उनका सारा पाप नष्ट हो जाता है। इसको पढ़ने और सुनने से सहस्त्र गोदान का फल मिलता है।

तुलसी के इन उपायों से जीवन में नहीं आएगा कोई संकट, दूर होगी हर समस्या!

सनातन धर्म में माह की सभी तिथि का बेहद खास महत्व है। इसी प्रकार को एकादशी तिथि को महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति के लिए विधिपूर्वक व्रत भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पापमोचनी एकादशी व्रत को करने से श्रीहरि की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही जीवन में कोई संकट नहीं आता है। अगर आप लंबे समय से आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो पापमोचनी एकादशी पर मां तुलसी की उपासना करें और तुलसी से जुड़े उपाय करें। मान्यता है कि तुलसी के उपाय करने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 25 मार्च को सुबह 05 बजकर 05 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 26 मार्च को देर रात 03 बजकर 45 मिनट पर होगा। ऐसे में 25 मार्च को पापमोचनी एकादशी व्रत किया जाएगा।

तुलसी के उपाय

धन से जुडी समस्या को दूर करने के लिए पापमोचनी एकादशी को विशेष माना जाता है। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद भगवान विष्णु के संग मां तुलसी की पूजा-अर्चना करें। दीपक जलाकर आरती करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी दूर होती है। साथ ही मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

अगर आप जीवन में दुख और संकट का सामना कर रहे हैं, तो एकादशी के दिन तुलसी की पूजा करें और पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, पापमोचनी एकादशी के दिन इस उपाय को करने से जीवन के सभी तरह के संकटों से छुटकारा मिलता है। साथ ही मनचाहा करियर मिलता है।

इसके अलावा मनोकामना पूरी करने के लिए पापमोचनी एकादशी के दिन तुलसी के पौधे में जल अर्पित करें। दीपक जलाकर आरती करें। इसके बाद हल्दी अर्पित करें। ऐसी मान्यता है कि इस उपाय को करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन खुशहाल होता है।

पापमोचनी एकादशी के दिन मां तुलसी को सोलह शृंगार की चीजें चढ़ाएं। इसके बाद इसे सुहागिन महिलाओं को दान करें। इससे वैवाहिक जीवन खुशहाल होता है और पति-पत्नी के रिश्ते मधुर होते हैं।

विनीत कुमार ने फिल्म जाट में खलनायक की भूमिका को नई ऊंचाइयों पर स्थापित किया!

अभिनेता विनीत कुमार सिंह अपनी अगली फिल्म 'जाट' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में वह सोमुलु नाम के एक दमदार विलेन के किरदार में नजर आएंगे। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने विनीत का फर्स्ट लुक टीज़र जारी किया था, जिसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। उनके इस किरदार और अभिनय की विविधता को लेकर प्रशंसा हो रही है। 'जाट' विनीत की 2025 में चौथी फिल्म है, और इस साल उनकी खासियत यह रही है कि वह चार बिल्कुल अलग-अलग किरदारों में नजर आए हैं, जिससे उनके प्रशंसकों को पूरी तरह से विविधता का अनुभव मिल रहा है। मैथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित, यह फ़िल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

जाट का ट्रेलर 24 मार्च को रिलीज़ हुआ, जिसमें सनी देओल के जबरदस्त एक्शन के अलावा, रनतुंगा (रणदीप हुड्डा) के कैंप से जुड़े विनीत कुमार सिंह के किरदार सोमुलु की भूमिका ने हमें सचमुच रोमांचित कर दिया। मुख्य भूमिका में सनी देओल के साथ, विनीत न केवल बॉलीवुड बल्कि टॉलीवुड के अभिनेताओं के साथ भी स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई देंगे।

रणदीप हुड्डा, सैयामी खेर, रेजिना कैसेंड्रा, राम्या कृष्णन, जगपति बाबू, आयशा खान, जरीना वहाब, बांधवी श्रीधर, विशिका कोटा, प्रणिता पटनायक, दौलत सुल्ताना, अजय घोष, दयानंद शेट्टी और बबलू पृथ्वीराज इस फिल्म के स्टार कास्ट में शामिल हैं। तेलुगु फिल्म निर्माता गोपीचंद मलिनेनी इस एक्शन थ्रिलर का निर्देशन करेंगे, जिसमें सनी देओल अपने विशिष्ट कौशल के साथ बुरे लोगों को धूल चटाते हुए दिखाई देंगे।

जाट सनी देओल के ढाई किलो हाथ के एक्शन, फुल पावर डायलॉग्स के साथ एक पूरी तरह से एक्शन फिल्म है और निश्चित रूप से एक मनोरंजक फिल्म लगती है। और टीजर में हैंडपंप की जगह सनी देओल ने सीलिंग फैन को डंबल और वजन को अपना हथियार बनाया है! विनीत कुमार सिंह की फ़िल्मी यात्रा इस बात का सबूत है कि अभिनय के मामले में वे वाकई बहुमुखी हैं।

और छावा, सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव और जल्द ही रिलीज़ होने वाली जाट में उनकी भूमिकाएँ इसी बात का सबूत हैं। विनीत कथित तौर पर अनुराग कश्यप के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, लेकिन उसके विवरण को गुप्त रखा जा रहा है। अब देखना होगा कि वह अपनी अगली फिल्म की घोषणा कब करते हैं!

नए शहर में नई रेड के लिए तैयार अमय पटनायक

अजय देवगन स्टारर फिल्म रेड 2 30 को होगी रिलीज

अभिनेता अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रेड 2' की रिलीज का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए खुशखबरी है। निर्माताओं ने 'रेड 2' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म सिनेमाघरों में इसी साल मई में रिलीज होगी।इंस्टाग्राम पर 'रेड 2' का नया पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने बताया कि वह अमय पटनायक के रूप में बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''नया शहर, नई फाइल और अमय पटनायक की एक नई रेड। फिल्म 'रेड 2' सिनेमाघरों में 1 मई को दस्तक देने के लिए तैयार है।''

राज कुमार गुप्ता के निर्देशन में तैयार 'रेड 2' में अजय देवगन के साथ रितेश देशमुख और वाणी कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। साल 2018 में आए 'रेड' के सीक्वल 'रेड 2' की कहानी आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक की वापसी पर आधारित है। 'रेड' का सीक्वल आयकर विभाग के अधिकारियों के वास्तविक जीवन के आयकर छापों पर आधारित है।

फिल्म की आधिकारिक घोषणा निर्माताओं ने अप्रैल 2020 में की थी, जिसका प्री-प्रोडक्शन अगस्त 2022 में शुरू हुआ था। अजय देवगन फिल्म में अमय के रूप में अपनी भूमिका को दोहराते नजर आएंगे। रितेश फिल्म में खलनायक के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, वाणी कपूर फिल्म में इलियाना डिक्रूज की जगह लेंगी।

हाल ही में आई खबरों के अनुसार, 'रेड 2' का टीजर सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' के साथ 30 मार्च को रिलीज किया जाएगा।वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता के पास 'सन ऑफ सरदार' की दूसरी किस्त भी है। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकुर और संजय दत्त भी हैं। 'सन ऑफ सरदार' साल 2012 में रिलीज हुई थी। इसमें अजय देवगन, संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा और जूही चावला ने अभिनय किया था।अजय की पिछली रिलीज रोहित शेट्टी की पुलिस ड्रामा 'सिंघम अगेन' थी, जिसमें उनके किरदार का नाम क्षितिज पटवर्धन है। एक्शन थ्रिलर में अजय देवगन के साथ अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर समेत अन्य सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में सलमान खान ने कैमियो किया था।

प्रतीक गांधी और पत्रलेखा स्टारर फिल्म फुले 11 अप्रैल को होगी रिलीज

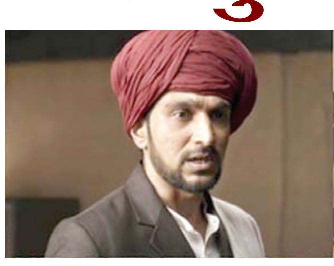

समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित अपकमिंग फिल्म 'फुले' का ट्रेलर निर्माताओं ने सोमवार को जारी कर दिया। फिल्म में प्रतीक गांधी ज्योतिराव फुले और पत्रलेखा उनकी पत्नी ज्ञानज्योति सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। ट्रेलर में महान सुधारकों के अथक संघर्ष की झलक दिखाई गई है, जिसमें उन्होंने समकालीन महाराष्ट्रीयन पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं, खासकर विधवाओं और दलितों की खराब हालत को बदलने का प्रयास किया था। फिल्म के बारे में प्रतीक गांधी ने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे स्क्रीन पर ऐसी भूमिका निभाने का मौका मिला। मैं समाज से कई गलत चीजों को खत्म करने वाले महान लोगों के संघर्ष और लोगों के विरोध को महसूस कर सकता हूं। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मिलकर एक पुरानी सामाजिक व्यवस्था को खत्म किया, जो किसी भी तरह से ठीक नहीं थी और निचले पायदान पर मौजूद लोगों पर अत्याचार करने के लिए बनाई गई थी। मनोरंजक ट्रेलर में फुले दंपत्ति महिलाओं की शिक्षा, विधवाओं के अधिकारों और हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान की वकालत करते और विरोध का सामना करते नजर आए। दमदार संवादों और गहरे सीन्स के माध्यम से ट्रेलर में फुले दंपत्ति के उन परंपराओं के खिलाफ विद्रोह को दिखाया गया है, जो निचली जातियों के लिए शिक्षा और सम्मान तक पहुंच को सीमित करना चाहती थीं। फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन ने किया है और यह सामाजिक न्याय, महिलाओं की मुक्ति और जाति उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई की एक शानदार कहानी पेश करती है।

पत्रलेखा ने कहा, ज्योतिराव फुले के साथ, सावित्रीबाई ने भारत में आधुनिक शिक्षा और सामाजिक समानता की नींव रखी। उन्होंने हमारे देश में बालिकाओं के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव लाया, लेकिन उनकी कहानी को पर्याप्त रूप से नहीं बताया गया। मुझे खुशी है कि अनंत सर ने उनके जीवन पर एक फिल्म बनाने का फैसला किया और मुझे उनका किरदार निभाने का मौका मिला। निर्देशक अनंत महादेवन ने फिल्म की भावनात्मक गहराई पर जोर देते हुए कहा, ये कहानियां जो इतिहास में कहीं खो गई हैं, उन्हें युवा पीढ़ी को बताने की जरूरत है। कल्पना कीजिए कि दो लोगों ने दुनिया को बेहतर बनाने का फैसला किया, बावजूद इसके कि उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा। उनकी कहानी वास्तव में प्रेरणादायक है। डांसिंग शिवा फिल्म्स और किंग्समेन प्रोडक्शंस ने फिल्म का निर्माण किया है। 'फुले' 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

उतार-चढ़ाव से भरा रहा मेरा करियर: शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी अभिनय के क्षेत्र में पांच साल का समय बिता चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने कई शानदार फिल्में दीं। वाघ ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खूब बात की। उन्होंने बताया कि उनका सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। शरवरी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 'द फॉरगॉटन आर्मी - आजादी के लिए' वेब सीरीज से की थी, जिसमें उनके साथ सनी कौशल मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वह 'बंटी और बबली 2' में नजर आईं। धीमी शुरुआत के बाद अभिनेत्री 'मुंज्या', 'महाराज' और 'वेदा' जैसी हिट फिल्मों में काम कीं, जिन्हें काफी पसंद किया गया।शरवरी ने बताया, मैं अपने सफर के लिए आभारी हूं, जो उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। मैंने हर दिन कुछ नया सीखा है। मुझे लगता है कि यह शुरुआत है। मुझे लंबा सफर तय करना है। शिव रवैल के निर्देशन में तैयार अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' में शरवरी वाघ अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।

कैट फूड शिबा के कैंपेन लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा लेने नई दिल्ली पहुंची शरवरी ने आलिया के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया। शरवरी ने कहा, आलिया शानदार अभिनेत्री के साथ ही शानदार इंसान भी हैं और फिल्म में काम कर मुझे जो सबसे बड़ा फायदा मिला, यह था कि मुझे उनसे सीखने को मिला। उन्होंने कहा, मुझे हर दिन सेट पर उनके साथ रहना एक मास्टर क्लास की तरह लगता था। मैंने उनसे जो कुछ भी सीखा है, उसे मैं अपने अगले हर प्रोजेक्ट में लागू करूंगी। मैं आलिया के साथ काम करने का यह अवसर पाकर आभारी हूं। शरवरी की अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' के बारे में बता दें कि यह यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इसकी शुरुआत सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म 'टाइगर' फ्रैंचाइज से हुई, पहले 'एक था टाइगर' और उसके बाद 'टाइगर जिंदा है' आई। इसके बाद 'वॉर', 'पठान' और 'टाइगर 3' के साथ एक्शन और रोमांच का सफर जारी है। फ्रैंचाइज की आने वाली फिल्मों में अयान मुखर्जी के निर्देशन में तैयार 'वॉर 2', 'पठान 2' और 'टाइगर बनाम पठान' शामिल हैं। 'अल्फा' क्रिसमस के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

38वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है छावा,क्या सिकन्दर देगी चुनौती?

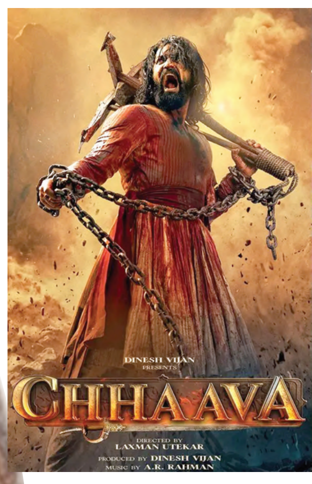

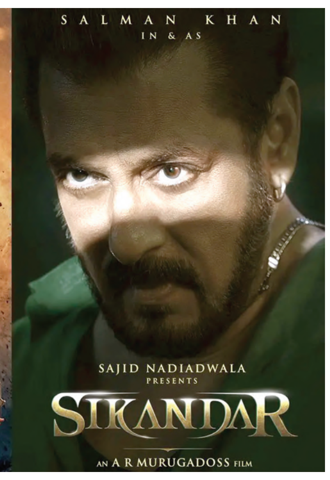

विक्की कौशल स्टारर 'छावा' की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ अब भी बरकरार है। संभाजी महाराज के शौर्य और पराक्रम की गाथा पर बनी इस फिल्म ने अपने छठे वीकेंड में शानदार प्रदर्शन किया। रविवार को खझङ 2025 के बड़े मुकाबलों के बावजूद 'छावा' की कमाई पर कोई खास असर नहीं पड़ा। फिल्म अब देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनने से मात्र 30 करोड़ रुपये दूर है। हालांकि, इसके लिए 'छावा' के पास सिर्फ 4 दिन हैं, क्योंकि 30 मार्च को सलमान खान की ईद रिलीज 'सिकंदर' सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'छावा' ने 38 दिनों में भारत में कुल 583.35 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है, जिसमें से 15.5 करोड़ रुपये तेलुगु वर्जन से आए हैं। हिंदी वर्जन की कुल कमाई 567.85 करोड़ रुपये है। सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म का रिकॉर्ड फिलहाल 'स्त्री 2' के नाम है, जिसने 597 करोड़ रुपये की लाइफटाइम कमाई की थी। अगर 'छावा' को यह रिकॉर्ड तोड़ना है, तो इसे आने वाले दिनों में 30 करोड़ रुपये और कमाने होंगे। हालांकि, सलमान खान की 'सिकंदर' के रिलीज होते ही इसकी राह मुश्किल हो सकती है।

सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, 'छावा' ने अपनी रिलीज के छठे रविवार को भारत में 4.34 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इसमें तेलुगू वर्जन से करीब 15-20 लाख रुपये की कमाई शामिल है। एक दिन पहले शनिवार को फिल्म ने 3.65 करोड़ रुपये, जबकि शुक्रवार को 2.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। आईपीएल 2025 में हाई-प्रोफाइल मैचों के बावजूद, रविवार को फिल्म के शो में अच्छी भीड़ नजर आई, और औसतन 18.85% सीटें भरी रहीं।

'सिकंदर' देगा चुनौती

हालांकि, सोमवार से 'छावा' की कमाई में गिरावट आने की संभावना है। फिल्म वीकडेज में अब 1.50-2.00 करोड़ रुपये के बीच कलेक्शन कर सकती है। ऐसे में 597 करोड़ रुपये के साथ हिंदी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'स्त्री 2' का रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल होता जा रहा है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तब भी 'छावा' हिंदी में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन जाएगी।

इस बीच, 30 मार्च को सलमान खान की बहुप्रतीक्षित ईद रिलीज 'सिकंदर' सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है, जिससे 'छावा' की कमाई पर असर पड़ सकता है। अब देखना होगा कि क्या विक्की कौशल की फिल्म आखिरी हफ्ते में नया इतिहास रच पाएगी या नहीं!

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय अनुकूल हैं मजबूती से काम को आगे बढाएं सकारात्मक परिणाम देखकर उत्साह में वृद्धि होगी. काम में मन लगेगा और मेहनत के अनुसार परिणाम भी आएगा. इस समय पूरे दिल से किया हुआ कोई भी कार्य परिणाम अवश्य देगा. शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वालों को या शिक्षार्थियों को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ सकती है पति पत्नी का आपसी तालमेल गजब का रहेगा बच्चों मे डिसीप्लीन दिखाई देगा । विवाह योग समय अच्छा हैं रिश्ता आगे बढा सकते हैं । शिवमंत्र का जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप एक समपन्न व्यक्ति हैं , लोगों की सेवा करना आप धर्म हैं आपके दोस्त आपसे किसी जरूरी काम के लिये मदद मांग सकते हैं. आप भी उनकी पूरी मदद करने की कोशिश करेंगे. पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा. आपका किसी सरकारी काम के लिये चयन हो सकता हैं छात्रों को एक टाइम टेबल के हिसाब से रुपरेखा बनानी चाहिए । आपको सूर्यदेव को लालफूल , लाल चन्दन , चावल से मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए . आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को प्रत्येक काम बहुत सोच समझकर करने की आवश्यकता हैं जल्द–बाजी में कोई काम न करें. पैसों की स्थिति की चिंता करनी होगी. आपका फालतू खर्चा हो सकता है. नौकरी और बिजनेस में किसी बात को लेकर उलझनें बढ़ सकती हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. सेहत को लेकर लापरवाही न करें.आज आप दोस्तों और परिवार की जरूरतों में फंस सकते हैं. आहार का विशेष ध्यान रखें पेट मे जलन , गैस , मरोड़ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज छात्रों के लिए जबरदस्त उत्साह वाला दिन हैं सफलता मिलना तय हैं पुरस्कृत होंगे दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, आपको भविष्य के लिए पैसे जमा करने चाहिए, नहीं तो आगे आप मुश्किल में पड़ सकते हैं. आज सामाजिक प्रसंग में समय देना पडेगा आनंद का एहसास होगा धार्मिक यात्रा का भी योग है. आप थोड़े चंचल रहेंगे. माता का सुख मिल सकता है. आज कार्यस्थल पर तनाव हो सकता हैं विवाद से दूरी बनाए रखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

पुरानी बातो को छोडकर आगे मिलने वाली सफलताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए किसी भी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस करना उचित नही हैं अत: सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें. निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं. बेहतर होगा आप अपने जीवनसाथी की सोच को समझने का प्रयास करें. खान–पान पर भी संयम रखें. तन–मन दोनो तंदरुस्त रहेंगें। बच्चों की पढाई पर ध्यान देना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

छात्र अगर कोर्स मे फेरबदल करना चाह रहें तो समय अनुकूल हैं आप निर्णय ले सकते हैं पढ़ाई को पूरा इंज्वॉय करेंगे. कठिन विषयों को दूसरे तरीके से समझने की कोशिश करेंगे. आपकी कोशिशें सफल होंगी. अगर आज कारोबार मे आपको कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है. अगर आप घर के किसी फंक्शन के लिये कपड़े खरीदना चाहते हैं, तो आज खरीद सकते हैं. दिन अच्छा रहेगा. परिवार में सब लोग आपसे खुश रहेंगे. आप बच्चों के किसी कार्य में उनकी मदद कर सकते हैं.पीपल मे जलदूध चढाए दीप प्रज्वलित करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नौकरी और बिजनेस में लाभ की संभावना बन रही है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. विशेष लाभ व उन्नति के लिए आज आपको कुछ ज्यादा ही कोशिशें करनी पड़ सकती है, लेकिन आप सफल भी हो सकते हैं. आपके किए गए काम किस्मत की मदद से पूरे हो सकते हैं. अपनेफायदे की चिंता जरूर करें. दूसरों को नाराज किए बिना चतुराई से काम करें.दाम्पत्य जीवन को सुखी रखने के लिए आज अपना पैसा कही पर इन्वेस्ट करना पड सकता हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के मित्र आप का कोई काम कर सकते हैं आप चिन्ता मुक्त होंगे नयी जिम्मेदारी भी मिल सकती हैं सेहत के लिए आज का दिन सामान्य रह सकता है. गुस्से का उफ़ान रोक पाना बहुत मुश्किल है लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें. आज परिश्रम की अपेक्षा कम फल मिलेगा फिर भी कार्य के प्रति आप की निष्ठा में कमी नहीं आ पाएगी. नयी प्रॉपर्टी खरीदने की सम्भावना है. आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब आप जीवन में संयम रखने की जरूरत हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नये कारोबारी रिश्ते बनेंगे।साझेदारी का काम भी लाभ देगा। निवेश का हिसाब से माहौल अनुकूल हैं पूर्व के चले आ रहे प्रेम सम्बन्ध और परिपक्व हो सकते हैं. कुछ जातकों के जीवन में प्रेम आज दस्तक दे सकता है. किसी बात को लेकर पारिवारिक संबंधों में खटास आ सकती है. बच्चे आप को कोई खुशखबरी दे सकते हैं स्वास्थ्य बढीया रहेगा गरीब असहाय व्यक्ति को अन्नदान करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपनी दिनचर्या मे आप को फेरबदल करने की जरुरत है. आहार बहुत ही सोचसमझकर लेना होगा । आपकी सेहत में कुछ गड़बड़ हो सकती है. बिजनेस में कोई फैसला लेने में आपको परेशानी महसूस हो सकती है. कोई दोस्त आपकी मदद कर सकता है. परिवार में स्थिति ठीक रहेगी. पहले से चल रहा कोई विवाद दूर होगा. शिक्षक आप का पूरा सहयोग करेंगे बस छात्रों को अपने एग्जाम पर ध्यान देने की जरूरत है. कार्तिक स्वामी का मंत्र जप करें परिणाम अच्छे होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज बेरोजगारी दूर होगी आर्थिक तंगी खत्म होगी. इनकम और खर्चा बराबर रहेगा. कार्यस्थल पर ओवरटाइम करना पड सकता हैं और अधिकारियों से सहयोग भी मिलेगा. कार्यक्षेत्र में आप पूरी ताकत से काम निपटा लेंगे. आर्थिक तंगी खत्म हो सकती है. अचानक धन लाभ हो सकता है. अच्छे लोगों की संगति से फायदा हो सकता है. संतान से कोई अच्छी खबर मिल सकती हैं. कोशिशें चालू रखें समस्याएं खुदबखुद सुलझ जांएगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज अपनी वाणी में संयम रखने की जरूरत हैं किसी को भी अपशब्द बोलने से बचें । पड़ोसी से कुछ वाद–विवाद हो सकते हैं,आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक मजबूत हो रहा है. अपनी कंपनी से सम्बंधित कोई अहम फैसला आप को सोच समझकर लेना चाहिए आज नुकसान की सम्भावनाए हैं करियर कार्यक्षेत्र और बिजनेस में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना बन रही है.शिव स्तोत्र का स्तवन करें लाभ बनेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 मार्च 2025, बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 01:26 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 02:30 तक
योग : सिद्ध दोपहर 12:25 तक
करण : कौलव दोपहर 02:52 तक
चन्द्र राशि : मकर दोपहर 03:15 तक
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पापमोचनी एकादशी व्रत वैष्णवानाम , खरमास चालू है , पंचक दोपहर 03:15 से

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार के लिए महिला सशक्तीकरण सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल

बाड़मेर,25 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे देश और प्रदेश का इतिहास वीरता और त्याग से भरा हुआ है। कालीबाई भील, रानी पद्मिनी, मीराबाई, पन्नाधाय और अमृता देवी जैसी महान महिलाओं ने अपनी शक्ति, सामर्थ्य और दृढ़ संकल्प का परिचय देकर अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि परिवार की नींव को मजबूत करने वाली महिलाएं हमारे समाज की धुरी हैं। हमारी डबल इंजन की सरकार महिलाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है और आधी आबादी को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है।

शर्मा मंगलवार को बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम में राजस्थान दिवस समारोह के तहत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गौरवशाली सनातन संस्कृति को सम्मान देते हुए इस बार राजस्थान दिवस अंग्रेजी कलैण्डर के स्थान पर भारतीय पंचाग की तिथि नव संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (30 मार्च) को मनाया जा रहा है। इसी दिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों को मिलाते हुए राजस्थान की स्थापना की थी। इस वर्ष भी रेवती नक्षत्र इंद्रयोग का वही संयोग बन रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को नारायणी का दर्जा प्राप्त है। नारी का सम्मान समाज और देश–प्रदेश के विकास की पहली सीढ़ी है, इसीलिए राजस्थान दिवस समारोह का पहला कार्यक्रम हमने मातृशक्ति को समर्पित किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने महिला सम्मेलन में विभिन्न योजनाओं की चयनित लाभार्थियों से संवाद किया और योजन–न्तर्गत देय सहायता से लाभान्वित किया। मुख्यमंत्री ने अति कुपोषित बच्चों के लिए टेक होम राशन में दूध 15 ग्राम से 25 ग्राम देने हेतु दिशा–निर्देश जारी किए। महिला समूहों को लगभग 100 करोड़ रुपये की आजीविका संवर्धन निधि का हस्तान्तरण और 5 हजार महिलाओं को इंडेक्शन कुक टॉप का वितरण किया गया। साथ ही, उन्होंने स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के अंतर्गत 164 छात्राओं को चयन पत्र का वितरण किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाओं को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली के बीकानेर हाउस में राजीविका मेला शुरू किया गया है। शर्मा ने गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन एवं मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के अन्तर्गत 31 हजार 790 बालिकाओं को 13.16 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बजट में विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए राजकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसी क्रम में हमने आज विभिन्न जिलों के 36 महिला महाविद्यालयों में ये सुविधा प्रारंभ की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बर्तन बैंक योजना और सोलर दीदी के दिशा–निर्देश भी जारी किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र एवं राज्य की सरकारों ने महिला कल्याण के लिए अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का प्रावधान कर उनका सशक्तीकरण किया है। साथ ही, तीन तलाक के खिलाफ सख्त कानून बनाकर मुस्लिम बहनों का जीवन भी तबाह होने से बचाया है।

भजनलाल ने दी अरविंद सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि

उदयपुर,25 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को उदयपुर पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत अरविंद सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम डबोक एयरपोर्ट पहुंचे, जहां भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री एयरपोर्ट से सीधे सिटी पैलेस स्थित शंभू निवास पहुंचे। यहां उन्होंने मेवाड़ राजघराने के दिवंगत सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके पुत्र डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी सहित उदयपुर शहर व देहात भाजपा के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

2 हजार करोड़ की जीएसटी चोरी मामला

मिराज ग्रुप के सीएमडी मदनलाल पालीवाल को सशर्त जमानत

उदयपुर,25 मार्च (एजेंसियां)। मिराज ग्रुप से जुड़े 2 हजार करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी के मामले में आर्थिक अपराध मामलों की विशेष अदालत ने सीएमडी मदनलाल पालीवाल और प्रकाशचन्द्र पुरोहित को सशर्त जमानत दे दी है। अदालत ने दोनों आरोपियों को निर्देश दिए हैं कि वे बिना अनुमति देश नहीं छोड़ेंगे और अनुसंधान अधिकारी को जांच में पूरा सहयोग देंगे।विशेष आर्थिक अपराध न्यायालय ने 3 अगस्त 2024 को मामले में प्रसंज्ञान लेते हुए आरोपियों के गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। सैशन कोर्ट ने इन्हें जमानती वारंट में बदलने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद दोनों आरोपी हाईकोर्ट पहुंचे।

आरोपियों की ओर से पेश अधिवक्ता दीपक चौहान ने कोर्ट में दलील दी कि गैर–जमानती वारंट जारी करना अनुचित है क्योंकि आरोपी जांच में सहयोग को तैयार हैं। इस पर हाईकोर्ट ने गैर–जमानती वारंट को जमानती वारंट में बदलने के आदेश दिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि आरोपी निश्चित समय में ट्रायल कोर्ट के समक्ष उपस्थित होंगे, तो उन्हें हिरासत में नहीं माना जाएगा।जब आरोपी नियमित जमानत के लिए कोर्ट पहुंचे, तो जीएसटी इंटेलिजेंस विभाग ने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

पर्यटन, शिक्षा और कौशल विकास से होगी आर्थिक समृद्धि : बागडे

जयपुर,25 मार्च (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पर्यटन आर्थिक विकास का उत्प्रेरक है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में पर्यटन एक अभिन्न अंग के रूप में सदियों से विद्यमान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में चारधाम यात्रा एवं अन्य धार्मिक यात्राओं की प्राचीन परंपरा रही है, जो लोगों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ती है।

राज्यपाल मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन रोजगार और आर्थिक विकास से सीधा जुड़ा हुआ है। उन्होंने भारतीय स्थापत्य कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों की नक्काशी और विशिष्ट कलाकृतियों के कारण वे आज वैश्विक पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर जैसे देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर है। भारत में भी पर्यटन को इसी दृष्टि से विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोटा शहर चंबल नदी के किनारे स्थित होने के कारण प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व रखता है।

स्पेशल–26 स्टाइल में ठगी

फर्जी आईएएस बनकर सरकारी नौकरी के नाम पर 70 लाख ठगा

जयपुर,25 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में एक हाई–प्रोफाइल ठग गिरोह ने अक्षय कुमार की फिल्म स्पेशल–26 की तर्ज पर ठगी को अंजाम दिया। फर्जी आईएएस अफसर बनकर युवाओं को सरकारी नौकरी का लालच दिया गया, महंगे होटलों में इंटरव्यू हुए, मेडिकल परीक्षण तक कराए गए, और जब हकीकत सामने आई तो सबकुछ एक संगठित साजिश निकली।

गैंग के मास्टरमाइंड दीपक जैन उर्फ फर्जी आईएएस आर.के. अग्रवाल ने बेरोजगार युवाओं को विधानसभा, हाईकोर्ट, रेलवे और पटवारी के 58 फर्जी पदों पर भर्ती का झांसा दिया। जाल में फंसाने के लिए आरोपियों ने विधानसभा और सचिवालय के बाहर मुलाकातें तय कीं, जिससे पूरा खेल असली लगे।

गैंग का एक सदस्य डॉक्टर बनकर मेडिकल करता, तो दो अन्य सदस्य फर्जी अफसर बनकर इंटरव्यू लेते। फर्जी जॉइनिंग लेटर, सरकारी दफ्तरों के दौरे, और यहां तक कि विधानसभा की वेबसाइट जैसी दिखने वाली फर्जी साइट पर सिलेक्शन की जानकारी भी दिखाई गई। सेना से रिटायर्ड मानसिंह ने अपने छोटे भाई के लिए नौकरी की उम्मीद में 6 लाख रुपए दिए। जब 11 अप्रैल 2022 को मानसिंह अपने भाई को जॉइनिंग के लिए विधानसभा ले गया, तो असली अधिकारियों ने ऐसी किसी भर्ती से इनकार कर दिया। आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन सभी के फोन स्विच ऑफ हो गए।

केस दर्ज होने के बाद गैंग ने एक फर्जी सरकारी आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि भर्तियों की जांच हो रही है। इसके बाद भी जब पीड़ित शांत नहीं हुए, तो आरोपियों ने एग्रीमेंट कर पैसा लौटाने का झांसा दिया, लेकिन फिर मुकर गए। पुलिस जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड दीपक जैन आगरा में ट्रांसपोर्ट का व्यवसायी है और सरकारी अफसर बनने का सिर्फ दिखावा करता था। अब तक 3 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि बाकी फरार हैं।

चिकित्सा मंत्री ने विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा की

आगामी गर्मी में चिकित्सा संस्थानों में पुख्ता प्रबंधन के दिए निर्देश

जयपुर,25 मार्च (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि आगामी गर्मी को देखते हुए प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार के पुख्ता प्रबंध किए जाएं। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी जिलों में गर्मी के दृष्टिगत समुचित व्यवस्थाएं हों। सब सेंटर से लेकर जिला अस्पताल तक एवं मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में दवाओं और उपचार की व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहे। खींवसर मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विभागीय गतिविधियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं। सभी अस्पतालों में वाटर कूलर, एसी, पंखे आदि की पर्याप्त उपलब्धता हो तथा आवश्यकतानुसार इनके मेंटीनेंस का कार्य जल्द करवाया जाए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि दुर्घटना में होने वाली मौतें चिंता का विषय है। समय पर उपचार मिलने पर इन मौतों की संख्या को कम किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि परिवहन एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर अधिक दुर्घटना वाले स्थानों को चिन्हित करते हुए वहां एम्बुलेंस वाहनों की प्राथमिकता से उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि घायलों को जल्द से जल्द उपचार मिल सके। उन्होंने डार्क जोन में आवश्यकतानुसार एम्बुलेंस उपलब्ध करवाने पर विशेष जोर दिया।

सैनी और हरविन्द्र कल्याण ने एक साथ देखी पंजाब विधानसभा की कार्यवाही

चंडीगढ़,25 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को पंजाब विधान सभा की कार्यवाही देखी। पंजाब विधान सभा पहुंचने पर वहां के विस अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उन्हें शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया। हरियाणा और पंजाब के इतिहास में यह पहला अवसर रहा कि जब मुख्यमंत्री और विधान सभा अध्यक्ष दोनों एक साथ पंजाब विधान सभा की कार्यवाही देखने पहुंचे हों। इस अवसर पर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा भी मौजूद रहे।

इससे पूर्व, 7 सितंबर 2000 को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष सतबीर सिंह कादियान, 5 सितंबर 2008 को हरियाणा के कृषि मंत्री सरदार हरमोहिंदर सिंह चट्ठा, 9 मार्च 2010 को भाजपा विधायक दल के नेता अनिल विज, 17 मार्च 2010 को विधायक आफताब अहमद, 14 मार्च 2011 को विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, 16 मार्च 2015 को विपक्ष के नेता अभय चौटाला, विधायक जय प्रकाश, हरविंद्र कल्याण, रविंद्र मछरौली, महिपाल ढांडा, जसवीर देशवाल, 21 फरवरी 2019 को वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, परिवहन मंत्री कृष्ण लाल पंवार, विधायक ओम प्रकाश यादव, अभे सिंह यादव, उमेश अग्रवाल और बख्शीश सिंह विर्क, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व अध्यक्ष कुलदीप शर्मा पंजाब विधान सभा की कार्यवाही देखने गए थे।

इससे पूर्व अनेक बार पंजाब विधान सभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष भी हरियाणा विधान सभा की कार्यवाही देखने आए हैं। 9 अगस्त 2022 को पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों ने एक साथ हरियाणा विधानसभा की कार्यवाही देखी थी। 26 मार्च 2008 को पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष निर्मल सिंह काहलों हरियाणा विधान सभा पहुंचे थे। 6 मार्च 2013 को पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरण–जीत अटवाल ने हरियाणा विधान सभा की कार्यवाही देखी थी। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ पंजाब विधान सभा के प्रश्नकाल की कार्यवाही देखी। विस अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवा बहुत ही अच्छी तरह से सदन का संचालन कर रहे हैं।

नव निर्वाचित मेयरों ने ली शपथ

पारदर्शिता के साथ करें विकास : सैनी

पंचकूला,25 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में शहरी स्थानीय निकायों के नव निर्वाचित महापौरों, नगर परिषद और नगर पालिकाओं के अध्यक्षों और सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। उन्होंने नव निर्वाचित प्रतिनिधियों से विकास, पारदर्शिता और सुशासन के साथ काम करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि हाल ही में संपन्न निकाय चुनाव में यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश की जनता विकास, पारदर्शिता और सुशासन चाहती है। उन्होंने प्रतिनिधियों से शहरों को समृद्ध, स्वच्छ, सुरक्षित, नशा मुक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान और स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने में नव निर्वाचित प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी से अपने–अपने क्षेत्रों को नशा मुक्त बनाने के लिए भी काम करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने हाल ही में 2,00,500 करोड़ रुपए से अधिक का बजट पेश किया है, जिसका एक बड़ा हिस्सा शहरी स्थानीय निकायों के विकास पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने प्रतिनिधियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहाकि बजट का एक–एक पैसा जनता की भलाई और विकास कार्यों पर खर्च हो। उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने और शक्तियों के विकेंद्रीकरण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छठे वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार, नगर पालिकाओं को विकास कार्यों के लिए मिलने वाले बजट को दोगुना करके 3,114 करोड़ रुपये किया गया है। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने नव निर्वाचित प्रतिनिधियों से लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का आग्रह किया।

सिंगर मासूम और गन कल्चर पर सैनी ने दी प्रतिक्रिया, कहा- यदि जरूरत पड़ी तो लाएंगे कानून

गचंडीगढ़। हरियाणा के मशहूर सिंगर मासूम शर्मा के गानों पर बैन लगाने के मामला गरमाता जा रहा है। इसी को लेकर सीएम नायब सैनी ने गन कल्चर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सभ्य समाज के लिए इस पर रोक जरूरी है। फिल्मों का जब कल्चर आता है तो लोग उनसे भी प्रेरणा लेते हैं। सीएम ने कहा कि गन कल्चर को लेकर यदि जरूरत पड़ी तो इसके लिए विधानसभा में कानून भी लाएंगे। वक्फ बिल पर हो रही राजनीति पर सीएम सैनी ने बोला कि कांग्रेस मरी पड़ी है। हरियाणा पर बढ़ते हुए कर्ज पर सीएम ने कहा कि हमने अपनी चादर के मुताबिक पैर पसारे हैं।

तुम चुप रहो! विधान परिषद में अचानक राबड़ी पर बरस पड़े सीएम नीतीश

ये पार्टी तुम्हारी नहीं है

पटना (एजेंसियां)।

पटना में बिहार विधान परिषद में मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के बीच एक बार फिर तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सदन में आरजेडी विधायकों द्वारा पहने गए बैज को देखकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इतने नाराज हो गए कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को सीधा निशाने पर लेते हुए कहा कि पार्टी तुम्हारी नहीं, तुम्हारे पति की है, तुम चुप रहो!

दरअसल, आरजेडी के विधान पार्षद हरे रंग के बैज लगाकर सदन में पहुंचे थे। इन बैजों पर लिखा था कि तेजस्वी सरकार ने पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाया था, लेकिन बीजेपी सरकार आते ही उसे छीन लिया गया। यह बात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रास नहीं आई, क्योंकि

जब 2023 में आरक्षण बढ़ाने का फैसला लिया गया था, तब वे खुद सरकार का हिस्सा थे। हालांकि बाद में पटना हाईकोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए एक आरजेडी विधायक को खड़ा किया। फिर मीडिया गैलरी की ओर देखते हुए कहा कि देखिए, यह तमाशा सिर्फ इसी पार्टी में हो सकता है!

जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरजेडी की आलोचना की, तो नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी खड़ी हो गई और विरोध जताने लगीं। लेकिन नीतीश कुमार ने उन्हें झिड़कते हुए कहा कि तुम इस मामले में मत पड़ो। यह पार्टी तुम्हारी नहीं, तुम्हारे पति की है!

मुख्यमंत्री के इस तीखे बयान के बाद सदन में हलचल मच गई। बीजेपी के नेता और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी खड़े हो गए और समर्थन में बोले कि आरक्षण बढ़ाने का फैसला नीतीश कुमार के नेतृत्व में लिया गया था। यह पूरी सरकार का सामूहिक निर्णय था, जिसे सभी ने समर्थन दिया था।

नीतीश कुमार ने आगे राबड़ी देवी पर हमला बोलते हुए कहा कि यह बेचारी तो अपने पति के सहारे सत्ता में आई थीं। उन्होंने 1997 का जिक्र करते हुए कहा कि जब लालू प्रसाद यादव पर चारा घोटाले में सीबीआई ने आरोप तय किए, तो उन्होंने अपनी गृहिणी पत्नी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी और परदे के पीछे से सत्ता चलाते रहे। नीतीश कुमार के इस बयान के बाद आरजेडी के विधायकों में नाराजगी फैल गई और उन्होंने सदन के बाहर सीढ़ियों पर धरना देना शुरू कर दिया।

आरजेडी नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि उनकी पार्टी फिर से आरक्षण बढ़ाने के लिए एक नया कानून लाने की मांग करती है। उन्होंने केंद्र की एनडीए सरकार से मांग की कि इस कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाए, ताकि इसे न्यायिक समीक्षा से बचाया जा सके।

विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने इस हंगामे पर नाराजगी जताते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जब सदन को संबोधित कर रहे हों, तो सभी सदस्यों को अपनी सीट पर रहना चाहिए।

यह कोई पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार और राबड़ी देवी के बीच सदन में तीखी बहस हुई हो। दोनों नेताओं के बीच पिछले कुछ महीनों में कई बार जुबानी जंग देखने को मिली है। लेकिन इस बार मुख्यमंत्री द्वारा राबड़ी देवी पर निजी टिप्पणी करने से राजनीतिक गलियारों में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

अब एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्टार एयर के विमान भी दरभंगा एयरपोर्ट से भरेंगे उड़ान

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा एयरपोर्ट ने नई उपलब्धियों की ओर कदम बढ़ा लिया है। सांसद गोपाल जी ठाकुर ने जानकारी दी है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्टार एयर जल्द ही इस एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय से टाइमिंग स्लॉट मिलने का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद टिकटों की बुकिंग शुरू हो जाएगी।

सांसद ने बताया कि दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में बदलने की प्रक्रिया चल रही है। नई सुविधाओं और उड़ानों के साथ, यह क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हाल ही में, अकासा एयरलाइन्स ने दरभंगा और नई दिल्ली के बीच अपनी सेवाएं चार अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है, और इसके लिए टिकट बुकिंग भी चालू हो चुकी है। इसके अलावा, अकासा एयरलाइंस दरभंगा और मुंबई के बीच भी एक नई उड़ान शुरू करने की योजना बना रही है।

इन नई उड़ानों के साथ, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, बेतिया, मोतिहारी, पूर्णिया, किशनगंज, फारबिसगंज सहित नेपाल के यात्रियों के लिए हवाई यात्रा सुगम हो जाएगी। सांसद ठाकुर ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट से एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्टार एयर की उड़ानों की तैयारी पूरी हो चुकी है, और जैसे ही टाइमिंग स्लॉट मिलेंगे, टिकट की बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस प्रकार, दरभंगा एयरपोर्ट पर नई उड़ानों की शुरुआत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान बनने से स्थानीय लोगों को हवाई यात्रा की सुविधा में वृद्धि होगी। नए टर्मिनल भवन का निर्माण भी चल रहा है, जो आने वाले समय में यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

पलायन रोको नौकरी दो यात्रा : कन्हैया कुमार बोले–

बिहार में रोजगार के मौके खत्म कर दिए गए, जिससे अपराध बढ़ रहे

दरभंगा (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने मधुबनी जिले में 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा की शुरुआत की। इस यात्रा में कांग्रेस के कई क्षेत्रीय नेता और प्रकोष्ठों के अध्यक्ष शामिल हुए। सुबह से ही जिले के विभिन्न इलाकों से कांग्रेस कार्यकर्ता इस यात्रा में जुटने लगे, जिससे पूरे शहर में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। कन्हैया कुमार की पदयात्रा निधि चौक से शुरू होकर कोतवाली चौक, थाना चौक, रेलवे स्टेशन, बड़ी मस्जिद और राटी जैसे प्रमुख स्थानों से गुजरती हुई मस्जिद चौक पर खत्म होगी। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए 'पलायन रोको, नौकरी दो' के नारे लगाए। इस पदयात्रा के दौरान कन्हैया कुमार और अन्य कांग्रेस नेताओं ने भाजपा, जदयू और देश के बड़े उद्य-ोगपतियों को निशाने पर लिया। उनका आरोप है कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से बिहार के युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं और उन्हें दूसरे राज्यों में

पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। कन्हैया कुमार ने कहा कि बिहार में रोजगार के अवसर खत्म कर दिए गए हैं, जिससे अपराध बढ़ रहे हैं। बंद पड़ी चीनी मिलों और अन्य उद्योगों को फिर से चालू करने की सरकार केवल बातें करती है, लेकिन जमीनी हकीकत में कुछ नहीं होता। हमारी यह पदयात्रा बिहार के युवाओं की आवाज बुलंद करने के लिए है।

पदयात्रा के दौरान बेरोजगार युवाओं ने थाली पीटकर अपना विरोध जताया। इस दौरान कई युवा पोस्टर और बैनर लेकर चल रहे थे। उन पर 'बंद पड़े उद्योगों को फिर से चालू करो', 'बिहार को रोजगार दो' और 'पलायन बंद करो' जैसे नारे लिखे थे।

कन्हैया कुमार ने इस पदयात्रा में मधुबनी के बंद पड़े उद्योगों और बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में बड़े पैमाने पर उद्योग बंद होने से लाखों लोगों की आजीविका छिन गई है और सरकार इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। उन्होंने कहा कि अगर बिहार में उद्योग और कल-कारखाने फिर से शुरू कर दिए जाएं, तो बेरोज-गारी की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। लेकिन सरकार इसे लेकर कोई गंभीर प्रयास नहीं कर रही है।

इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नेता शामिल हुए। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक भी इस यात्रा में कन्हैया कुमार के साथ चलते नजर आए।

इंटर परीक्षा परिणाम से सीएम नीतीश का ड्रीम प्रोजेक्ट हताश, सिमुलतला से कोई टॉपर नहीं

जमुई (एजेंसियां)।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से इंटर परीक्षा 2025 का रिजल्ट घोषित किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट व टॉपर्स की फैक्ट्री कहे जाने वाले जमुई जिले के सिमुलतला आवासीय विद्यालय एक बार फिर निराशा किया है। यहां के एक भी छात्र टॉप 10 की सूची में अपनी जगह नहीं बन पाई है। हालांकि, परिणाम घोषित होने होने से पहले विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल था। खुशी का माहौल होना भी लाजिमी था क्योंकि तीन सालों से इंटर की परिणाम में निराशा हाथ लग रही थी।

बताया जा रहा है कि इस बार विद्यालय की दो छात्र को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा पटना बुलाया गया था। लेकिन इस बार भी यहां के छात्र टॉप 10 में अपनी जगह बनाने में सफल नहीं हुए। गौरतलब है कि मैट्रिक और इंटर परीक्षा परिणाम में सिमुलतला आवासीय विद्यालय को टॉपर्स की फैक्ट्री माना जाता रहा है। लेकिन, पिछले तीन सालों में इंटर के परिणाम में सिमुलतला आवासीय

विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिवार को निराश किया था। इंटर के परिणाम में यहां के एक भी छात्र ने टॉप 10 की सूची में अपना जगह नहीं बना पाया था और यह सिलसिला इस बार भी जारी रहा। हालांकि पिछले बर्ष मैट्रिक के परिणाम में सिमुलतला आवसीय विद्यालय के 6 छात्रों ने टॉप टेन में जगह बनाकर विद्यालय की लाज बचाई थी।

साल 2019 में हुई इंटरमीडिएट की परीक्षा में सिमुलतला आवासीय विद्यालय से विज्ञान संकाय के 19, वाणिज्य संकाय के 8 और कला संकाय के 9 छात्र शामिल हुए थे। लेकिन केवल कला संकाय के 3 छात्र ही टॉप टेन में जगह बना पाए थे। साल 2020 में विद्यालय से विज्ञान संकाय में 49, वाणिज्य संकाय में 9 और कला संकाय में 10 छात्र शामिल हुए थे। जिसमें विज्ञान संकाय से एक वाणिज्य संकाय से 1 तथा कला संकाय से 4 छात्रों ने टॉप टेन में अपनी जगह बनाई थी। साल 2021 में इस विद्यालय से विज्ञान संकाय में 39, कला संकाय में 5 और वाणिज्य संकाय में 1 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे और टॉप टेन में कला संकाय के एक छात्र ने अपनी जगह बनाई थी जिसने बिहार भर में टॉप स्थान भी हासिल किया था। साल 2022 में इस विद्यालय से 27 बच्चे विज्ञान संकाय से, 7 वाणिज्य संकाय से और 9 बच्चे कला संकाय से परीक्षा में शामिल हुए थे। लेकिन एक भी छात्र टॉप टेन में अपनी जगह नहीं बना पाया और तब से लगातार तीन वर्षों में इंटर के एक भी छात्र टॉप टेन में जगह बनाने में असफल रहे। इस बार भी अलग-अलग विषयों में कुल 29 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में शामिल हुए थे। लेकिन एक भी परी-क्षार्थी टॉप 10 की सूची में अपनी जगह नहीं बना पाए।

गौरतलब है कि सिमुलतला आवासीय विद्यालय को टॉपर्स की फैक्ट्री कहा जाता है। वर्ष 2010 में इस विद्यालय की स्थापना हुई थी और 2015 में यहां से फर्स्ट बैच ने मैट्रिक परीक्षा में भाग लिया था और उसमें परचम लहराया था। तब से ही इसे टॉपर्स की फैक्ट्री कहा जाता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यहां के बच्चों ने रिजल्ट में लगातार निराश किया था और इस बार भी विद्यालय को निराशा हाथ लगी।

चिराग पासवान के दावत-ए-इफ्तार में पहुंचे सीएम नीतीश कुमार, मगर न गले मिले, न कुछ बात की

पटना

लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने सोमवार को दावत- ए -इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और विजय चौधरी के साथ-साथ भाजपा और जदयू के कई कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए। यह कार्यक्रम लोजपा (रामविलास) के कार्यालय में आयोजित की गई थी। चिराग पासवान सभी नेताओं से गले मिलकर उनको दावत- ए - इफ्तार की बधाई देते नजर आये। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए लेकिन चिराग पासवान के गले नहीं मिले। यहां तक कि न तो चिराग पासवान बल्कि किसी भी नेता से वह न तो किसी के गले मिले और न ही किसी से बात की। हालांकि वहां मौजूद पत्रकारों जोर-जोर से उनको गले लगने के लिए भी कहने लगे- सर गले लग जाईये, लेकिन सबको अनसुना करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वहां से निकल गये।

राष्ट्रीय जनता दल ने इमारत-ए-शरिया का एक पत्र शेयर किया था, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इफ्तार पार्टी से बॉयकॉट करने की बात कही गई थी। उस वायरल किये गये पत्र में लिखा था कि सात मुस्लिम संगठनों ने सीएम की इफ्तार पार्टी का बायकॉट किया है। यह स्वागत योग्य है। उन सात मुस्लिम संगठनों में इमारत शरिया, जमात इस्लामी, जमात अहले हदीस,खान्काह मोजीबिया, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमियत उलेमा ए हिंद और खान्काह रहमानी शामिल हैं, जिन्होंने यह फैसला पूरी दानिशमंदी से किया है।

इमारत-ए-शरिया के पत्र के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कभी सियासी भरोसेमंदी के लायक नहीं रहे हैं। पत्र में लिखा है कि मुझे कई तंजीमों के रहनुमाओं ने बताया है कि वक्फ बिल पर तीन डेलिगेशन उनसे मिला लेकिन तीनों को उन्होंने कभी यह यकीन नहीं दिलाया कि वह वक्फ बिल की मुखालफत करेंगे।

अंतिम में लिखा है कि जब नीतीश कुमार अपनी सियासी हैसियत का इस्तेमाल मुसलमनों के हित में नहीं कर सकते तो उन्हें मुसलमानों को अपनी सियासी ताकत का एहसास कराना ही चाहिए।

युवक की बेरहमी से हत्या कर खेत में फेंका शव

मधुबनी (एजेंसियां)।

मधुबनी जिले के हरलाखी थाना क्षेत्र के फुलहर गांव में एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी गई। घटना कुशवाहा चौक के पास एक खेत की है, जहां से युवक का शव बरामद हुआ। मिली जानकारी के अनुसार मृतक के प्राइवेट पार्ट पर गहरे जख्म थे और उसकी एक आंख भी निकाल ली गई थी।

घटना का खुलासा तब हुआ जब गांव के कुछ लोग सुबह खेत की ओर गए और वहां युवक का शव देखा। देखते ही देखते यह खबर जंगल में आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही हरलाखी थाना के थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सहनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान फुलहर गांव के 40 वर्षीय धर्मवीर मुखिया के रूप में हुई, जिनके तीन पुत्र और एक पुत्री हैं। घटनास्थल को देखने के बाद स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक को खेत में घसीटा गया था। हत्या की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, पत्नी सुनीता देवी और उनके बच्चे दहाड़ें मारकर रो रहे हैं। थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सहनी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आपसी दुश्मनी का लग रहा है। पुलिस परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है और जल्द ही मामले का खुल-ासा करने का दावा किया है। फिलहाल घटनास्थल पर पुलिस तैनात है और जांच जारी है।

सीवान में बोले बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष दिलीप जायसवाल

लालू परिवार ने पैदा की बिहार में क्राइम संस्कृति

सीवान (एजेंसियां)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल मंगलवार को सीवान पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के गोपालगंज आगमन को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार अमित शाह बिहार आ रहें है। इसके लिए मैं खुद सभी जगहों पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहा हूं। उन्होंने बताया कि अमित शाह गोपालगंज के पुलिस लाइन मैदान में पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम में सारण, सीवान, गोप-ालगंज, बेतिया और बगहा के कार्यकर्ता पहुंचेंगे।

सीवान में देर से पहुंचने पर पुलिसकर्मी की पिटाई के मामले में दिलीप जायसवाल ने राजद पर ही निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अपने शासन काल में उन्होंने जो सिस्टम बना दिया है, उसे हटाने में समय लगेगा। ऐसी घटनाओं के पीछे भी राजद के ही लोगों का हाथ है।

सवाल पर बोले कि बिहार में अपराध का ग्राफ काफी गिरा है। जो अपराध हो रहा है सब उन्हीं लोगों के आदमी है। ऐसा नहीं है कि यूपी में किसी भी अपराधी का एनकाउंटर कर दिया जाता है, जब वैसी स्थिति होगी तो एनकाउंटर होगा।

दिलीप जायसवाल ने राजद को फादर ऑफ क्राइम कहा। उन्होंने कहा कि लालू यादव के परिवार ने बिहार में क्राइम की संस्कृति को पैदा किया है। राजद ने इतने राक्षस और अपराधी पैदा कर दिए हैं कि आज तक एनडीए को उनको समेटने में समय लग रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com